THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 255 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.6 2081 शनिवार, 7 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✻ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

बेंगलुरु में लिंगायत संत की मूर्ति तोड़ी

बेंगलुरू, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरू में पार्सल डिलीवरी करने वाले एक युवक ने लिंगायत संत शिवकुमार स्वामी की मूर्ति खंडित कर दी। उसने मूर्ति के सिर पर बड़ा छेद कर दिया। मूर्ति तोड़ने वाले 37 साल के श्रीकृष्णा ने बताया कि मेरे सपने में जीसस क्राइस्ट आए थे, उन्होंने मूर्ति तोड़ने के लिए कहा। इलाके के लोगों को जब मूर्ति टूटने का पता चला तो उन्होंने तुरंत पुलिस को जानकारी दी।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसे गिरफ्तार किया। मूर्ति तोड़ने वाला युवक 30 नवंबर को वीरभद्र नगर में रात 1:30 बजे पार्सल की डिलीवरी करने पहुंचा था। यहां उसने एक हथौड़े से शिवकुमार स्वामी की मूर्ति तोड़ी।

सिंघवी की सीट से 50 हजार कैश मिला

> सभापति धनखड़ ने बताया तो खड़गे बोले-नाम लेना ठीक नहीं > भाजपा बोली-जांच हो

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा में 500 रुपये का बंडल (50 हजार रुपये) मिलने पर शुक्रवार को राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी की सीट से नोटों की गड्डी मिली थी। भाजपा ने जांच की मांग की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- जांच से पहले किसी का नाम लेना ठीक नहीं है।

धनखड़ ने कहा कि, कल (गुरुवार) सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने हमें जानकारी दी कि सीट नंबर 222 से कैश मिला है। यह सीट तेलंगाना से सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को अलॉट की गई है। इस मामले में नियमों के मुताबिक जांच होनी चाहिए और यह हो भी रही है। धनखड़ के बयान पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मैं अनुरोध करता हूं कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती और घटना की प्रामाणिकता स्थापित नहीं होती, तब तक किसी सदस्य का नाम नहीं

कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी

लिया जाना चाहिए। ऐसा चिल्लर काम करके ही देश को बदनाम किया जा रहा है।

किरेन रिजिजू बोले- क्या सदन में नोट का बंडल लाना उचित है :

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, रूटीन प्रोटोकॉल के मुताबिक एंटी-सैबोटाज टीम ने संसद की कार्यवाही खत्म होने और सदन को बंद करने से पहले सीटों की जांच की थी। इसी दौरान नोट का बंडल मिला। इस पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए कि अध्यक्ष सदस्य का नाम न लें। अध्यक्ष ने सही तरीके से उस सीट नंबर और उस सीट पर बैठे सदस्य का नाम बताया। इसमें क्या गलत है? जांच होनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि, कांग्रेस नेताओं के पास इतना पैसा है कि वे संसद में बेंच पर बचे हुए पैसे का हिसाब लेने की भी जहमत नहीं उठाते। कांग्रेस, जो हर चीज पर सवाल उठाती थी, आज संसद से बरामद मामले का हिसाब देने से इनकार कर रही है।

कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि पार्टी नेता अभिषेक मनु सिंघवी की बेंच से बरामद नोट अदानी मुद्दे से ध्यान भटकाने की साजिश है। अगर कोई जेब में 50,000 रुपये रखता है तो यह कोई अपराध नहीं है। कांग्रेस नेताओं ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धाकड़ से मुलाकात की है और इस मामले की किसी एजेंसी से जांच कराने या यहां तक कि इसमें जेपीसी गठित करने का अनुरोध किया है।

स्टालिन ने अदाणी से नहीं की मुलाकात

चेन्नई, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अदाणी मामले पर तमिलनाडु के विद्युत मंत्री सेंथिल बालाजी ने खुलासा किया। उन्होंने बताया कि राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने न तो उद्योगपति गौतम अदाणी से मुलाकात की और न ही अदाणी समूह के साथ कोई अनुबंध किया। इस मामले में फर्जी खबर फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी। उन्होंने बताया कि द्रमुख सरकार ने कोई अनुबंध नहीं किया था। केवल 7.01 प्रति यूनिट पर बिजली खरीद का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित था।

सेंथिल बालाजी ने अपने बयान में कहा, यह समझ आता है कि कुछ नेता अन्नाद्रमुक सरकार की बिजली खरीद निर्णय को द्रमुक सरकार की बिजली खरीद निर्णय के रूप में चित्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके पास अदाणी कंपनी और अन्नाद्रमुक की आलोचना करने का साहस नहीं है।

यूपी का हाशिमपुरा नरसंहार : 10 दोषियों को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के हाशिमपुरा नरसंहार मामले में 10 दोषियों को जमानत दे दी।

मामला साल 1987 का है। यूपी के प्रॉविंशियल आर्म्ड कॉन्स्टब्युलरी (पीएसी) के अफसरों और जवानों ने करीब 35 लोगों को गोली मार दी थी। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच के सामने पेश सीनियर एडवोकेट अमित आनंद तिवारी ने दलील दी कि दिल्ली हाईकोर्ट ने गलत तथ्यों के आधार पर ट्रायल कोर्ट का फैसला पलटा था।

ड्रग्स के आरोपी को जमानत से इनकार

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ड्रग्स के मामले के आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया। इसके लिए जस्टिस बेला त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने 'नार्कोस' और 'ब्रेकिंग बैड' वेब सीरीज का हवाला दिया। सुनवाई के दौरान आरोपी के वकील ने बेंच से कहा, नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्स्टांसेस एक्ट (एनडीपीएस) के मामले में गिरफ्तार व्यक्ति समाज के लिए कोई बड़ा खतरा नहीं है, उसकी गिरफ्तारी गलत है। इस पर बेंच ने कहा- इस तरह के ड्रग्स सिंडिकेट देश के युवाओं को मार रहे हैं।

पहले की सरकारों ने नॉर्थ-ईस्ट को वोटों से तौला : मोदी

> हमारे मंत्री 10 साल में 700 बार नॉर्थ-ईस्ट गए, निवेश बढ़ाया

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पहले की सरकारों ने नॉर्थ-ईस्ट के विकास पर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि नॉर्थ-ईस्ट के पास वोट कम थे और यहां सीटें कम थीं। अटल जी की सरकार के दौरान नार्थ-ईस्ट के विकास के लिए अलग मंत्रालय बनाया गया था।

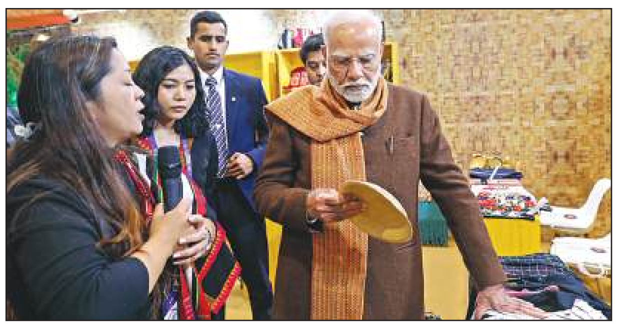

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रियों ने पिछले दशक में पूर्वोत्तर की 700 यात्राएं कीं। हम पूर्वोत्तर को इमोशन, इकॉनमी और इकोलॉजी की त्रिमूर्ति से जोड़ रहे हैं। पिछले 10 सालों के दौरान हमने पूर्वोत्तर के साथ दिल्ली और दिल के अंतर की भावना को कम करने की कोशिश की है। पीएम मोदी ने ये बातें दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजन तीन दिन के 'अष्टलक्ष्मी महोत्सव' के उद्घाटन पर कहीं। इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर राज्यों सांस्कृतिक विरासत दिखाई जाएगी। पीएम ने कहा कि 'अष्टलक्ष्मी महोत्सव' अपनी तरह का पहला और अनोखा आयोजन आयोजन है।

एक्सप्रेस-वे पर पलटी स्लीपर बस : आठ यात्रियों की मौत और 40 घायल

कन्नौज, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कन्नौज जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर लखनऊ से दिल्ली जा रही तेज रफ्तार स्लीपर बस अचानक पलट गई हादसे में आठ यात्रियों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक सवारियां घायल हो गई। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज सैफई, राजकीय मेडिकल कॉलेज तिर्वा तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सौरिख में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार दोपहर बाद लखनऊ से दिल्ली जा रही स्लीपर बस सौरिख थाना क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर किलोमीटर 140 के समीप अनियंत्रित होकर पलट गई।

आज से शुरू होगा महाराष्ट्र विधानमंडल का विशेष सत्र

प्रोटेम स्पीकर के लिए कालीदास का नाम आया सामने

मुंबई, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में प्रचंड बहुमत हासिल करने के बाद महायुति गठबंधन ने सरकार बना ली है। देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बने हैं। वहीं, एकनाथ शिंदे और अजित पवार को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। अब प्रोटेम स्पीकर के लिए कालिदास कोलंबकर का नाम सामने आ रहा है। राज भवन में शुक्रवार को एक बजे प्रोटेम स्पीकर को शपथ दिलाई जाएगी। महाराष्ट्र विधानमंडल का विशेष सत्र शनिवार (7 दिसंबर) से शुरू होगा और नौ दिसंबर तक चलेगा। बीजेपी के सबसे सीनियर विधायक कालिदास कोलंबकर को प्रोटेम स्पीकर बनाया जा सकता है, जो अन्य नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलायेंगे। नौ दिसंबर को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा और बहुमत साबित किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार फडणवीस मंत्रालय का फॉर्मूला भी तय हो गया है। बीजेपी के कोटे से 20 मंत्री हो सकते हैं। बीजेपी गृह और फाइनेंस भी अपने पास रखेगी। वहीं, शिवसेना को एनसीपी से ज्यादा मंत्री मिल सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, शिवसेना के कोटे से 13 मंत्री तो वहीं एनसीपी के कोटे से 10 मंत्री हो सकते हैं।

सीएम बनने के बाद क्या बोले फडणवीस ?

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि मौजूदा सरकार में भले ही मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के रूप में हमारा रोल बदल गया हो, लेकिन हमारी दिशा और समन्वय वही रहेगा। अब तक एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री थे और देवेंद्र फडणवीस के साथ अजित पवार को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था, लेकिन अब फडणवीस मुख्यमंत्री हैं और शिंदे-पवार को डिप्टी सीएम बनाया गया है। फडणवीस ने कहा कि जो भी वादे हमने किए हैं, उन्हें पूरा करने का हम प्रयास करेंगे। हमारी राजनीति बदले की नहीं, बल्कि बदलाव की होगी। हम विपक्ष का सम्मान करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि अगले पांच साल तक राज्य में स्थिर सरकार रहे।

विपक्ष का सम्मान करेंगे

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा था कि उन्होंने शरद पवार, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को शपथ ग्रहण समारोह में आने का न्योता दिया था, सभी ने उनका अभिनंदन किया, लेकिन कुछ कारणों से वह आ नहीं सकें। फडणवीस ने सियासत में संवाद की अहमियत पर जोर देते हुए कहा था, सियासत में संवाद की जगह होनी चाहिए। वहीं, उद्धव ठाकरे पर अप्रत्यक्ष निशाना साधते हुए फडणवीस ने कहा था, राजनीति में कोई खत्म नहीं होता है, सब रहेंगे, हम भी रहेंगे।

बच्चा चोर गिरोह के सात सदस्य गिरफ्तार

रतलाम, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। रतलाम जिले के जावरा हुसैन टेकरी क्षेत्र से 5 दिन पहले दो बच्चों की चोरी के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दोनों बच्चों को दस्तयाब कर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। जानकारी के अनुसार रतलाम जिले की जावरा तहसील के औद्योगिक थाना क्षेत्र स्थित हुसैन टेकरी मेला मैदान में झोपड़ी में रहने वाली 1 साल की बच्ची और 8 साल के बच्चे का 30 नवंबर को अज्ञात बदमाशों द्वारा अपहरण कर लिया गया था। इन बच्चों की तलाश के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा और जावरा नगर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश आर्मो के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने क्षेत्र में लगे 100 से अधिक स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसके आधार पर संदेहियों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की गई। टीम ने राजगढ़ जिले के ब्यावरा से आरोपियों के कब्जे से अपहृत बालक और बालिका को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया।

दिल्ली जा रहा किसानों का जत्था पीछे हटा

मार्च के दौरान बैरिकेड तोड़े-तार उखाड़े; पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, 7 किसान घायल

पटियाला/जींद, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली मार्च शुरू होने के करीब ढाई घंटे बाद किसान शंभू बॉर्डर से पीछे हट गए हैं। किसान नेता सरवन सिंह ने कहा कि हमारे काफी नेता घायल हुए हैं। हमने जत्थे को वापस बुला लिया है। दिल्ली मार्च पर फैसला बाद में लिया जाएगा। पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर पिछले 9 महीने से कैंप लगाकर बैठे किसानों ने दोपहर एक बजे 101 किसानों का जत्था दिल्ली रवाना किया था। इसके बाद किसानों ने बैरिकेड और कंटीले तार उखाड़ दिए। इस पर हरियाणा पुलिस ने उन्हें चेतावनी दी और आंसू गैस के गोले छोड़े, 7 किसान घायल हुए हैं। खनौरी बॉर्डर- 13 कंपनियां पुलिस, एक-एक कंपनी सीआरपीएफ और बीएसएफ की तैनात की गई है। कुल करीब डेढ़ हजार से ज्यादा कर्मचारी तैनात हैं। 3 जेसीबी, वाटर कैनन व्हीकल, 3 वज्र वाहन, 20 रोडवेज बसें और पुलिस की 7 बसें खड़ी की गई हैं। 30 किमी के एरिया में 3 जगह यानी थ्री लेवल बैरिकेडिंग की गई है। शंभू बॉर्डर- 3 लेयर बैरिकेडिंग है। हरियाणा पुलिस ने सीमेंट की पक्की दीवार बना रखी है। पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स तैनात है। पुल के नीचे पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स के करीब 1 हजार जवान तैनात हैं। वज्र वाहन और एंबुलेंस भी मौजूद हैं। पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा, पहले जब किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर दिल्ली आ रहे थे, तब आपने हल्ला मचाया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर किसान न आएं, अगर आना है तो पैदल आएं। अब जब किसान पैदल आ रहे हैं, तो आपको इससे भी दिक्कत है। असल में समस्या ट्रैक्टर-ट्रॉली की थी ही नहीं। तुम्हें दिक्कत तो किसानों से है। सच तो यह है कि आप किसानों को उनके हक देना ही नहीं चाहते। लेकिन चिंता मत करिए, किसान अपने हक लेना बखूबी जानते हैं। हरियाणा पुलिस की तरफ से छोड़े गए आंसू गैस के गोलों के कारण अब तक 7 किसान घायल हो चुके हैं। जत्थे के अगुआई कर रहे सुरजीत फूल भी चपेट में आ गए हैं। 2 किसानों की तबीयत ज्यादा खराब हो गई है। उन्हें एंबुलेंस में अस्पताल ले जाया गया। वहीं किसान आंसू गैस के गोलों से बचने के लिए गीली बोरी लेकर आए हैं, ताकि गोले के गिरते ही उस पर गीली बोरी फेंककर धुएं से बच सकें।

बाढ़ से निपटने के लिए भारतीय सेना तैयार

बनाया एडवांस फ्लूड मॉनिटरिंग सिस्टम

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। साल 2008 में सिक्किम की तीस्ता नदी में आई बाढ़ के कारण आर्मी का कैंप बह गया था। जिसमे आर्मी के 23 जवान शहीद हो गए थे। इसके साथ ही चुंगथांग और उस इलाके के पास बसे लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ा था। इस घटना को देखते हुए भविष्य में ऐसा कोई नुकसान न हो आर्मी की ईस्टर्न कमांड ने अब एक ऐसा सिस्टम बना दिया है। जिससे कि बाढ़ आने से पहले ही उसकी सूचना मिल जाएगी। ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) और बादल फटने पर वास्तविक समय की निगरानी और क्विक रिस्पांस सिस्टम की आवश्यकता होती है। ऐसे में एडवांस फ्लूड मॉनिटरिंग सिस्टम एक बड़ा गेम चेंजर साबित हो सकता है। यह एक एडवांस सिस्टम है। जो एसएमएस के माध्यम से बढ़ते जल स्तर की एडवांस वार्निंग और अलर्ट देता है। जिससे कि आनेवाली बाढ़ को लेकर क्वीक रिएक्शन टाइम मिल जाएगा।

मोबाइल से कनेक्ट रहेगा डिवाइस

बारिश के समय में कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात देखने को मिलते हैं, तो कई जगहों पर अचानक बढ़े जलस्तर के कारण जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। इससे निपटने के लिए ही इंडियन आर्मी ने एक गैजेट तैयारी किया है। इसकी मदद से बारिश या फिर बाढ़ जैसे हालात बनने से पहले ही मोबाइल पर अलर्ट दे दिया जाएगा। इस अलर्ट की वजह से बाढ़ क्षेत्र में मौजूद लोगों को बचाने में आसानी होगी। इस सिस्टम को ऐसी जगह इंस्टाल करना पड़ेगा, जहां से पानी के जलस्तर पर को मॉनिटर किया जा सके। इस सिस्टम के सेना में शामिल होने के बाद कई हादसों को रोका जा सकेगा। भारतीय सेना लगातार आतंकी या फिर किसी भी घटना से निपटने के लिए खुद को तैयार कर रही है। इसके लिए सेना खुद अपनी जरूरत के हिसाब हथियारों और सॉफ्टवेयर को तैयार कर रही है। सेना लगातार नए तरह के प्रयोग करती रहती है। जो देश की जनता के हित को ध्यान में रखते हुए किए जा रहे हैं।

राजस्व विभाग के 3 अधिकारियों पर डीडीए की जमीन बेचने का आरोप

एलजी वीके सक्सेना ने दी एसीबी जांच की मंजूरी

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को जारी रखते हुए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 17ए के तहत राजस्व विभाग के तीन अधिकारियों के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा जांच की मंजूरी दी है। इसके साथ ही उपराज्यपाल ने सतर्कता विभाग को निर्देश दिया है कि हौज खास, दक्षिण जिले के तत्कालीन एसडीएम जो इस मामले में शामिल थे, उनका मामला एक हफ्ते के भीतर पेश किया जाए। जांच की मंजूरी डीसी साहू (पूर्व सब-रजिस्ट्रार), रमेश कुमार (पूर्व कानूनगो) और अनिल कुमार (पूर्व तहसीलदार) के खिलाफ दी गई है, जो पहले हौज खास दक्षिण जिले, राजस्व विभाग, दिल्ली सरकार से जुड़े हुए थ। यह मामला दिल्ली विकास प्राधिकरण की जमीन को निजी व्यक्तियों को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) जारी करके कथित तौर पर बेचने से संबंधित है।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के अनुसार, खसरा नंबर 351 की जमीन, जिसे 1965 में डीडीए ने अधिग्रहित किया था वो विवाद के केंद्र में है। 2019 में बाला देवी ने हौज खास के एसडीएम के सामने खसरा नंबर 351 का सीमांकन कराने के लिए आवेदन दिया था। राजस्व अधिकारियों द्वारा 44 बीघा और 19 बिस्वा की कुल जमीन में से एक बीघा और पांच बिस्वा जमीन को निजी भूमि के रूप में सीमांकित कर दिया था। हालांकि, इस मामले में एक अदालती सुनवाई के दौरान डीडीए ने विपरीत रुख अपनाया और जानकारी दी कि उनकी जमीन पर अवैध निर्माण हुआ था, जिसे ध्वस्त कर दिया गया है और प्राधिकरण ने जमीन पर कब्जा ले लिया है। राजस्व रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से यह दर्शाने के बावजूद कि जमीन सरकारी (डीडीए) की है, दक्षिण जिले के राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बाला देवी को एनओसी जारी कर दी।

भ्रष्टाचार के खिलाफ एलजी का कड़ा रुख

इसके बाद तत्कालीन सब-रजिस्ट्रार डीसी साहू ने अधिग्रहित जमीन की बिक्री का पंजीकरण भी कर दिया। यह कथित धोखाधड़ी और जालसाजी सरकार को अनुचित राजस्व हानि का कारण बनी। इसके साथ ही सतर्कता विभाग द्वारा इन मामलों के निपटारे में अत्यधिक देरी के कारण, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामलों से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अधिनियम में निर्धारित समय सीमा का सख्ती से पालन करें और संवेदनशील मामलों में देरी से बचें। बता दें, पदभार संभालने के बाद से उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों जैसे उत्पाद शुल्क, राजस्व, जीएसटी, पीडब्ल्यूडी, अस्पतालों, शिक्षा और अन्य से जुड़े भ्रष्टाचार के मामलों में दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की सिफारिश की है।

'लकी कपड़े' पहन कर ही चेन स्नैचिंग करता था गिरोह, लाल ट्रैकसूट और काली टोपी वाले 4 आरोपी अरेस्ट

इंदौर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की इंदौर पुलिस ने सोने की चेन झपटने के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से तीन बदमाश सीधे-सीधे लूट की वारदात को अंजाम देते थे। सबसे बड़ी बात यह है कि लुटेरे ने यह खुलासा किया है कि जब भी वह लाल ट्रैक सूट और काली टोपी पहनकर वारदात करने के लिए निकला, तब वह खाली हाथ नहीं लौटा। इसके अलावा वह जब लकी कपड़े पहनकर वारदात करने के लिए निकलता था, तो कभी पकड़ा भी नहीं गया।इंदौर के पुलिस उपयुक्त विनोद कुमार मीणा ने बताया कि चेन झपटी की वारदात को अंजाम देने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, चेन लूटने की वारदात को अंजाम देने वाले हिमांशु महिवाल और राहुल राणावत निवासी शाजापुर और पीयूष जैन निवासी कालानी नगर इंदौर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इंदौर के दो कांग्रेस नेताओं के निलंबन पर गरमाई राजनीति, आदेश पर लगाई प्रभारी ने रोक

इंदौर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदौइंदौर में यूथ कांग्रेस के दो पदाधिकारी पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमित पटेल और महू विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष गजेंद्र सिंह को प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा निलंबित किए जाने पर राजनीति गरमा गई है। निलंबित हुए नेता ने बड़े नेताओं के समक्ष अपनी आपत्ति दर्ज कराई तो यूथ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी ने निलंबन आदेश पलटते हुए मामले की जांच के आदेश दिए है। इसके बाद प्रदेश यूथ कांग्रेस अध्यक्ष यादव जांच के घेरे में आ गए है। गत दिनों यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु चिब के स्वागत के दौरान पूर्व विधायक विपिन वानखेड़े और प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष मितेंद्र यादव के बीच विवाद हो गया था। इसके बाद यादव ने वानखेड़े समर्थक पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमित पटेल और महू विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष गजेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया था। पटेल ने कहा था कि वे विवाद में शामिल ही नहीं थे, इसके बावजूद उन्हें निलंबित कर दिया।

कैलाश विजयवर्गीय का दिग्विजय सिंह पर तंज, 'वेश बदलकर अयोध्या जाएं और भगवान राम से माफी मांगें.'

भोपाल, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार के नगरीय प्रशासन मंत्री और बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह पर तंज किया है. उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह वेश बदलकर अयोध्या जाएं और भगवान राम से माफी मांगें. मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि हम लोग नारे लगाते थे रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे. इस पर दिग्विजय सिंह हम पर कटाक्ष करते हुए कहते थे कि तारीख नहीं बताएंगे. नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मंदिर बन गया है. अब दिगिवजय सिंह चुपचाप वेश बदलकर अयोध्या जाएं, अपने कुकर्मों की भगवान से माफी मांगें. कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हमारे रामजी बड़े दयालु हैं. दंडवत कर लेना, आपको माफ कर देंगे. सागर में आयोजित बीजेपी कार्यकर्ता सम्मेलन में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि अयोध्या में जब कारसेवा चल रही थी, तब पीवी नरसिम्हाराव प्रधानमंत्री थे. प्रदेश सरकारों से कारसेवकों के खिलाफ लिखवाया जा रहा था.

केजरीवाल का बीजेपी पर बड़ा हमला

वोट कटवाने की साजिश का किया पर्दाफाश

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज यानी शुक्रवार दोपहर में 12 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। आम आदमी पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी पर वोट कटवाने का बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने इस बात से पर्दा उठाने का दावा किया कि एक साजिश के तहत भारतीय जनता पार्टी उनके लोगों के वोट कटवा रही है। उन्होंने कहा कि उनके पास तमाम सबूत उपलब्ध हैं जो यह साबित कर रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा फर्जी तरीके से वोट कटवाने की अर्जी दी गई। अरविंद केजरीवाल ने शाहदरा विधानसभा क्षेत्र का जिक्र किया। कहा इस सीट पर पिछली बार उनके प्रत्याशी 5000 वोटों से जीते थे, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने इस सीट पर 11000 वोट कटवाने की सूची चुनाव आयोग में दी है। इसका साफ मतलब है कि हमारे प्रत्याशी को हराने की साजिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि जो 11000 वोट की भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव आयोग में लिस्ट दी है। उनमें से 500 लोगों की हमने जांच कराई है, जिसमें 372 लोग इस जगह रहते पाए गए।

उन्होंने कहा कि इससे साफ है कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा फर्जी तरीके से बोर्ड कटवाने की साजिश की जा रही है। चुनाव आयोग की भूमिका भी इस मामले में संदिग्ध है। उन्होंने कहा कि अगर कोई वोट कटवाने की अर्जी देता है तो उसकी डिटेल वेबसाइट पर चुनाव आयोग देता है, मगर भाजपा की इस सूची की डिटेल चुनाव आयोग की वेबसाइट पर नहीं दी गई।

3 बच्चों की पिटाई कर युवक ने लगवाया 'जय श्रीराम' का नारा

रतलाम, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रतलाम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

इस वीडियो में एक युवक विशेष समुदाय के तीन बच्चों को थप्पड़ और चप्पल से पीटते हुए उनसे 'जय श्री राम' बुलवा रहा है। वीडियो में तीनों बच्चे रोते-चिल्लाते दिखाई दे रहे हैं। वायरल वीडियो कुछ दिन पहले का बताया जा रहा है।

वीडियो वायरल होने के बाद बड़ी संख्या में विशेष समुदाय के लोगों ने माणक चौक थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने विशेष समुदाय के लोगों की शिकायत पर वायरल वीडियो के आधार पर मारपीट करने वाले अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। एक मुस्लिम नेता ने बताया कि शाम उनके पास एक वीडियो आया था, जिसमें मुस्लिम समाज के तीन बच्चे जिनकी उम्र 6, 11 और 16 साल है।

भारतीय सेना में शामिल होगा मोबाइल रिएक्टिव माइन सिस्टम, क्या है खासियत ?

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने दुश्मन पर घातक हमला करने और फ्यूचर वॉरफेयर को ध्यान में रखते हुए मोबाइल रिएक्टिव माइन सिस्टम (एमआरएमएस) तैयार किया है। ये भविष्य में भारतीय सेना की रोबोटिक फोर्स का हिस्सा बन सकता है। अभी तक आपने सिर्फ रोबोटिक म्यूलर और रोबोटिक डॉग्स देखे थे। अब रोबोटिक या मोबाइल माइन को तैयार किया गया है, जो एक मकड़ी के आकार की लगता है। ये मोबाइल माइन युद्ध के मैदान में चल कर अपनी लोकेशन जरूरत के हिसाब से बदल सकता है। जंगल, पहाड़, रेगिस्तान और हाई एल्टीट्यूड एरिया में भी आर्मी इसका इस्तेमाल दुश्मन के परखच्चे उड़ाने के लिए कर सकती है। इसको हैंडल करना भी काफी आसान है। इसको ऐसे डेवलप किया गया कि यह भारतीय सेना की मदद कर सकें। मोबाइल रिएक्टिव माइन सिस्टम को मेजर राज प्रसाद ने डिजाइन किया है।

मकड़ी के आकार का है मोबाइल माइन

मोबाइल माइन को पहली बार देखने पर आपको यह एक मकड़ी जैसा लगेगा। इसको इस डिजाइन से तैयार किया गया है कि किसी भी हालात में ये काम कर सके। इस मकड़ी नुमा मोबाइल माइन को ड्रोन के जरिए दुश्मन के इलाके में भी ड्रॉप कर सकते हैं। भारतीय सेना के इस नए इनोवेशन को मेजर राज प्रसाद ने डिजाइन किया है। ये मोबाइल माइन अपने सारे ट्रायल्स पूरे कर चुकी है। मोबाइल माइन एक एंटी टैंक हथियार है, जो दुश्मन के किसी भी टैंक, बीएमपी या बंकर के अंदर जा कर विस्फोट कर सकती है।

इसका इस्तेमाल आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन में, बॉर्डर पर दुश्मन को पीछे खदेड़ने के लिए और बॉर्डर पर लॉजिस्टिक्स ड्रोन के रूप में भी किया जा सकता है। वहीं, इसके सेना में शामिल करने से यह देश की सीमा पर पहरेदार की भूमिका निभाएगा। साथ ही सेना को दुश्मनों के खिलाफ लड़ाई में भी मजबूत योगदान करेगा। इसके सेना में शामिल होने से भारतीय सैनिकों को सामने आने वाले खतरे को पता लगाना आसान हो जाएगा।

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस 150 सीटों पर करेगी प्रभारियों का ऐलान! यही बनेंगे उम्मीदवार

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पत्र जारी करते हुए उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सभी कमेटियों को भंग कर दिया है और अब नए सिरे से गठन किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में कांग्रेस की बैठक हुई, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि यूपी में कांग्रेस के कई जिला अध्यक्ष और नेता कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका के संभल दौरे में भाग लेने दिल्ली नहीं पहुंचे और अपने घरों पर ही पुलिस बुला कर फोटो खिंचवा ली जो अनुशासनहीनता है। अब कांग्रेस को यूपी में नए सिरे से खड़ा करने के लिए ऊर्जावान युवा चेहरों को आगे लाया जाए इसलिए संगठन को भंग कर दोबारा कमेटियों का गठन किया जाए। इस मीटिंग में यह भी चर्चा हुई की 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव के लिए कम से कम 150 सीटों पर अभी से प्रत्याशी घोषित कर दिए जाए। उन्हें विधानसभा प्रभारी का नाम दिया जाए और चुनावी तैयारी करने के लिए कहा जाए। इस दौरान बीच-बीच में उनके कार्य की समीक्षा होगी, अगर कोई विधान सभा प्रभारी काम में लापरवाही करेगा तो समय रहते उसका टिकट बदल दिया जाएगा। सूत्रों का यह भी कहना है कि हो सकता है कांग्रेस आने वाले दिनों में अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी को भंग कर नए सिरे से उसका भी गठन करे। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन बना रहेगा लेकिन कांग्रेस पार्टी अपनी तैयारी अभी से लेकर चलने वाली है। यूपी की कुछ खास सीटों के बारे में प्रियंका गांधी ने यूपी के नेताओं से चर्चा भी की है। यूपी में कांग्रेस साल 2022 के चुनाव में अकेले ही चुनावी मैदान में थी।

बीजेपी के देशद्रोही के आरोपों पर प्रियंका ने राहुल गांधी का किया बचाव, कहा- 'मेरे भाई पर बहुत गर्व'

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को 'देशद्रोही' कहे जाने पर भाई का बचाव किया है। प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को कहा कि सत्तारूढ़ दल के लोग कुछ भी कहें, उन्हें फर्क नहीं पड़ता क्योंकि उनके भाई के लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं है।

इसमें कोई नई बात नहीं

कांग्रेस सांसद ने कहा कि जो लोग देश की आजादी के लिए 13 साल जेल में काटने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाली इंदिरा गांधी को 'देशद्रोही' कह सकते हैं, उनके लिए राहुल गांधी के लिए इस शब्द का इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है। इसके साथ ही प्रियंका गांधी ने कहा कि अगर वो राहुल गांधी के लिए ऐसा कह रहे हैं, तो कोई नई बात नहीं है।

मुझे भाई पर है गर्व- प्रियंका

प्रियंका गांधी ने कहा, 'मुझे मेरे भाई पर बहुत गर्व है, उनके लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने देश की एकता के लिए आठ हजार किलोमीटर की यात्रा की जिसमें से चार हजार किलोमीटर की पदयात्रा थी।' प्रियंका गांधी ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, ' ये लोग कुछ भी कहते रहें, फर्क नहीं पड़ता।'

बीजेपी ने राहुल गांधी पर लगाया था ये आरोप

बता दें कि बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया था कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भारत को अस्थिर करने का प्रयास कर रही खोजी मीडिया समेत अंतरराष्ट्रीय ताकतों के साथ संबंध रखते हैं। इसके साथ ही बीजेपी नेता ने कहा था कि राहुल गांधी देशद्रोही हैं।

महाराष्ट्र कैबिनेट में फंसा पेंच

संजय राउत बोले- 'महाराष्ट्र को तोड़ने की कोशिश की'

मुंबई, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण होने के बाद अब कैबिनेट को लेकर महायुती की सरकार विपक्ष के निशाने पर है। इसे लेकर शिवसेना-यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि महाराष्ट्र में कैबिनेट नहीं बन पा रहा है। इतने दिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र को तोड़ने का प्रयास किया है। संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र की बात कोई केंद्र सरकार के पास रखने वाला नहीं है। 3 लोग को शपथ लेने में 15 दिन लग गए। 225 से ज्यादा विधायक हैं और शपथ लेने में 15 दिन लग रहे हैं। साथ ही उन्होंने पूछा कि किसान आंदोलन क्यों कर रहा है। बता दें कि देवेंद्र फडणवीस ने शाम दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में एक भव्य समारोह में तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। वहीं एकनाथ शिंदे और अजित पवार को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलायी गई।

यह समारोह 23 नवंबर को विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के करीब दो सप्ताह बाद आजाद मैदान में आयोजित किया गया। प्रमुख विपक्षी दलों के नेता इस समारोह से अनुपस्थित रहे। इसके अलावा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शपथ लेने के बाद कहा कि वह अगले पांच साल तक प्रदेश में स्थिर सरकार देंगे और उनके नेतृत्व में राज्य में बदले की नहीं, बल्कि बदलाव की राजनीति होगी। फडणवीस ने कहा कि 2024 के विधानसभा चुनाव में लोगों का जनादेश उनकी उम्मीदों और प्यार को दर्शाता है, वह उनकी उम्मीदों का दबाव महसूस कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सामाजिक, बुनियादी ढांचे, औद्योगिक क्षेत्रों में समान गति से आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सात दिसंबर से शुरू होने वाले सदन के तीन दिवसीय विशेष सत्र के दौरान नौ दिसंबर को नए विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 255 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.6 2081 शनिवार, 7 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

गांजा तस्करी के आरोप में एक गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वानकीडी मंडल के सावथी गांव में प्रतिबंधित गांजा बेचने के आरोप में गुरुवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 40,000 रुपये मूल्य का 1.6 किलोग्राम गांजा जब्त किया।

टास्क फोर्स इंस्पेक्टर राणाप्रताप ने बताया कि शिंदे श्याम राव को वानकीडी, आसिफाबाद और करीमनगर के संभावित खरीदारों को प्रतिबंधित पदार्थ बेचते समय पकड़ा गया। राव ने महाराष्ट्र से गांजा खरीदने की बात स्वीकार की। उसे आगे की कार्रवाई के लिए वानकीडी पुलिस को सौंप दिया गया।

चक्रपाणि बीआरएओयू के कुलपति नियुक्त

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने शुक्रवार को डॉ. बीआर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीआरएओयू) के समाजशास्त्र विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर घंटा चक्रपाणि को बीआरएओयू का कुलपति नियुक्त किया। प्रो. चक्रपाणि को उनकी नियुक्ति की तिथि से बीआरएओयू कुलपति के रूप में तीन वर्ष का कार्यकाल दिया गया है। इससे पहले, उन्होंने पहले तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। इस बीच, सरकार ने तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद (टीजीसीएचई) के अध्यक्ष प्रो.वी. बालकिशन रेड्डी को जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू)- हैदराबाद का प्रभारी कुलपति नियुक्त किया।

साइबर क्राइम पर नियंत्रण के साथ ही नशे पर भी अंकुश लगाने की जरूरत : रेवंत रेड्डी

"होम गार्ड्स राइजिंग डे" पर मुख्यमंत्री ने होमगार्ड्स को दी सौगात

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पुलिस होमगार्ड्स के लिए सौगात की घोषणा की है। उन्होंने दैनिक भत्ता 921 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये कर दिया है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि साप्ताहिक परेड भत्ता 100 रुपये से बढ़ाकर 200 रुपये प्रति माह किया गया है। साथ ही होमगार्ड्स की मृत्यु स्वाभाविक रूप से या दुर्घटनावश होने पर 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। शुक्रवार को यहां एचएमडीए मैदान में गृह विभाग के सहयोग से आयोजित प्रजा पालना विजयोत्सवलु समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 1 जनवरी, 2025 से ये सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाएगी। इसके अलावा, होमगार्ड सहित पुलिस कर्मियों के बच्चों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शिक्षा प्रदान की जाती है। हमने यंग इंडिया पुलिस स्कूल के लिए 50 एकड़ जमीन आवंटित की है। होमगार्ड से लेकर डीजीपी तक, चाहे उनका पद कुछ भी हो, उनके बच्चे प्रवेश पा सकते हैं। राज्य सरकार ड्यूटी के दौरान शहीद हुए पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के परिवारों के साथ खड़ी रहेगी। सरकार हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य का गठन संविधान के अनुच्छेद 3 द्वारा किया गया था। आज तेलंगाना राज्य में प्रशासन जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप चल रहा है। हम प्रदेश में बाबा साहेब अम्बेडकर की भावना को जारी रख रहे हैं।

अंबेडकर की गवाही के रूप में, हमने तेलंगाना के लोगों को सातवीं गारंटी के रूप में आजादी दी। उन्होंने कहा कि एक दिन पुलिस राजनीतिक दबाव के आगे झुक गई और काम किया। लेकिन इस वर्ष के दौरान अधिकारियों की नियुक्तियां बिना किसी राजनीतिक दबाव या तानाशाही के दक्षता के आधार पर की गईं। हमने पुलिस विभाग में लगभग 15 हजार भर्तियों के दस्तावेज उपलब्ध कराये हैं। पीजी और पीएचडी की पढ़ाई करने वाले भी पुलिस विभाग में शामिल हो रहे हैं। वे राज्य में कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए आगे आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर क्राइम पर नियंत्रण के साथ-साथ नशे पर भी अंकुश लगाने की जरूरत है। ड्रग सप्लायरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

बी.टेक और एम.टेक की पढ़ाई करने वालों को साइबर क्राइम में डेटा विश्लेषण करने का विशेष अवसर दें। आए दिन साइबर क्राइम बहुत तेजी से बढ़ रहा है। साइबर अपराध नियंत्रण के लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता है। तेलंगाना में ड्रग्स और गांजा आने से डरे इसके लिए पुलिसकर्मी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। तेलंगाना की प्रतिष्ठा धूमिल हुई है, यानी हैदराबाद जैसे महानगर में ड्रग्स और गांजा नहीं दिखना चाहिए। हम यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहे हैं कि अपराधियों को फास्ट ट्रैक अदालतों के माध्यम से सजा मिले।

पूर्व विधायक ने अध्यक्ष पद का चुनाव जीता

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक कूना श्रीशैलम गौड़ ने एचएमटी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पद का चुनाव जीत लिया। हिंदुस्तान मशीन टूल्स कर्मचारी यूनियन का चुनाव कूना श्रीशैलम गौड़ ने इंटक की ओर से लड़े और जीत हासिल की। कूना श्रीशैलम गौड़ ने एचएमटी तेलंगाना यूनियन के सुदर्शन राव के खिलाफ जीत हासिल की।

हैक हो गया व्हाट्सएप अकाउंट

'बाहुबली' के निर्माता का दावा

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 'बाहुबली' फिल्म फ्रेंचाइजी के निर्माता शोबू यारलागड्डा का व्हाट्सएप अकाउंट अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हैक कर लिया गया। सोशल मीडिया पर इसे शेयर करते हुए, शोबू यारलागड्डा ने कहा कि कई बार गलत पिन के कारण व्हाट्सएप उन्हें कई घंटों तक अपने अकाउंट में लॉग-इन करने से रोक रहा था। इस दौरान, हैकर कथित तौर पर शोबू यारलागड्डा की संपर्क सूची में शामिल लोगों को निशाना बना रहा था, उनके अकाउंट तक पहुंच बना रहा था। फिल्म निर्माता ने बाद में 'मेटा' प्रबंधन के समक्ष यह मुद्दा उठाया और अपने 'एक्स' अकाउंट पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई।

तेलंगाना तल्ली प्रतिमा उद्घाटन के लिए तैयार

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सचिवालय 9 दिसंबर को तेलंगाना तल्ली प्रतिमा के भव्य उद्घाटन के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी उस दिन भव्य कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे और प्रतिमा का उद्घाटन करेंगे। प्रतिमा में तेलंगाना तल्ली को हरे रंग की साड़ी पहने हुए दिखाया गया है, जिसके हाथ में मकई और चावल की बालियां हैं, जो राज्य की कृषि संस्कृति का प्रतीक है। तीन पारंपरिक आभूषणों से सजी और पायल पहने हुए, प्रतिमा तेलंगाना की भावना और लोकाचार को दर्शाती है। हैदराबाद के बाहरी इलाके पेद्दा अंबरपेट में सचिवालय के अधिकारियों द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार की गई, नई प्रतिमा को आकर्षित करने और प्रेरित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने व्यक्तिगत रूप से डिजाइन प्रक्रिया की निगरानी की, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह तेलंगाना की विरासत का प्रामाणिक रूप से प्रतिनिधित्व करती है। यह पहल पिछले विवादों के जवाब में की गई है, जहां आलोचकों ने आरोप लगाया था कि पिछली तेलंगाना तल्ली प्रतिमा बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी कविता से मिलती जुलती थी। रेवंत रेड्डी ने भी कई मौकों पर पिछली प्रतिमा की आलोचना की थी, उनका दावा था कि यह अभिजात वर्ग की प्रवृत्ति और सामंती अहंकार को दर्शाती है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए, मुख्यमंत्री ने सुनिश्चित किया कि नया डिजाइन लोगों की भावनाओं के साथ तालमेल बिठाते हुए समावेशिता और विनम्रता का प्रतीक हो। यह प्रतिमा अब तेलंगाना की समृद्ध संस्कृति और लोकतांत्रिक भावना का प्रमाण है, जिसका भव्य समारोह में अनावरण किया जाएगा।

मेट्रो स्टेशन पार्किंग में आग लगने से वाहन खाक

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को मलकपेट मेट्रो स्टेशन के नीचे पार्किंग स्थल पर आग लगने से कम से कम पांच दोपहिया वाहन जलकर खाक हो गए। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि यह दुर्घटना थी या इसमें कोई व्यक्ति शामिल था। ऐसा संदेह है कि आग एक वाहन से शुरू हुई थी, जो शीघ्र ही अन्य वाहनों तक फैल गई, जो उसके निकट खड़े थे तथा सभी क्षतिग्रस्त हो गए।

वहां से गुजर रहे वाहन चालकों ने वाहनों में आग लगते हुए देखा और पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और तुरंत आग बुझाई, लेकिन तब तक वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके थे। मलकपेट पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि घटना के बारे में अधिक जानकारी हासिल करने के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है।

ईटेला ने किशन रेड्डी पर रेवंत की टिप्पणी की निंदा की

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी के सांसद ईटेला राजेंद्र ने आज कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों को ड्रामा कंपनियां करार दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में लोग इन दोनों पार्टियों पर भरोसा करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा, अगर हमने इस चुनाव में और समायोजन किया होता तो भाजपा को चार और एमपी सीटें मिलतीं। सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी की विफलताओं पर शनिवार को सरूरनगर स्टेडियम में एक विशाल सार्वजनिक बैठक के आयोजन के मद्देनजर ईटेला ने आज व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वे पीएम नरेंद्र मोदी के पास जा रहे हैं और परियोजनाओं को राज्य में लाने और उन्हें कैसे बेहतर बनाया जाए, इस बारे में बात करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किशन रेड्डी पर मुख्यमंत्री की टिप्पणी उनकी अज्ञानता और मूर्खता का सबूत है। रेवंत ने कहा कि अगर किशन रेड्डी आत्महत्या भी कर लें तो भी मूसी नदी परियोजना नहीं रुकेगी। सीएम के पास किस तरह की समझ है? क्या सीएम इतने घमंडी हैं? संस्कृति कहां है, किशन रेड्डी का इतिहास क्या है? रेवंत रेड्डी का इतिहास क्या है। राजेंद्र ने दावा किया कि सीएम रेवंत रेड्डी बिना समझे बोल रहे। 2,50,000 घरों का दावा किया और दावा किया कि राज्य सरकार ने केवल उन घरों का निर्माण किया, लेकिन कोई घर नहीं दिया। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार द्वारा बनाए जाने वाले घरों को वास्तव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मंजूरी दी गई थी, लेकिन इंदिराम्मा की आवास योजना के तहत नहीं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा उनकी जनसभा में मुख्य अतिथि होंगे। राजेंद्र ने बीआर अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर राज्य भाजपा कार्यालय में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

प्रयागराज से वाराणसी के बीच तेज रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें

पीएम मोदी करेंगे रेल ट्रैक और गंगा रेल ब्रिज का उद्घाटन

प्रयागराज, 6 दिसंबर (एजेंसियां)।

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ के पहले भारतीय रेलवे ने सनातन संस्कृति के दो महत्वपूर्ण केंद्र प्रयागराज और वाराणसी के बीच की यात्रा को और अधिक तेज और सुगम बनाने का महत्वपूर्ण कार्य पूरा कर लिया है। डबल इंजन सरकार के मार्गदर्शन और प्रेरणा से प्रयागराज और वाराणसी के बीच के ट्रैक दोहरणीकरण का कार्य अंतिम चरण में है। इस कार्य की महत्वपूर्ण कड़ी गंगा रेल ब्रिज का निर्माण कार्य भी पूरा हो चुका है।

महाकुम्भ के दौरान इस ट्रैक से ट्रेनों का परिचाल शुरू हो जाएगा। ट्रैक दोहरीकरण के बाद प्रयागराज से वाराणसी के बीच ट्रेनों के परिचालन की औसत गति 100 से 130 किलोमीटर प्रतिघंटा हो जाएगी। 08 दिसंबर को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के निरीक्षण के बाद प्राधनमंत्री अपनी यात्रा के दौरान इस परियोजना का शुभारंभ करेंगे।

डबल इंजन सरकार विकास में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी

महाकुम्भ 2025 को दिव्य,भव्य, सुरक्षित और सुगम बनाने में केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार कोई कसर बाकी नहीं रखना चाहती। महाकुम्भ 2025 में देश के कोने-कोने से लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज आने का अनुमान है। ऐसे में भारतीय रेलवे की भी महाकुम्भ 2025 को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। इसी दिशा में रेलवे ने वारणसी प्रयागराज रेल लाइन दोहरीकरण और गंगा रेल ब्रिज का काम पूरा कर लिया है। इस परीयोजना का निरक्षण कार्य ट्राली ट्रायल रन के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव स्वयं 08 दिसंबर को करेंगे।

13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने प्रयागराज दौर पर महाकुम्भ के निर्माण कार्यों के निरीक्षण और उद्घाटन के साथ इस परियोजना का शुभारंभ भी करेंगे। प्रयागराज और वाराणसी के बीच रेल ट्रैक के दोहरीकरण हो जाने से इस रूट पर अब ट्रेनें 100 से 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकेंगी। वंदे भारती जैसी अत्याधुनिक ट्रेन से प्रयागराज से वाराणसी के बीच की दूरी को एक से सवा घंटे में पूरा किया जा सकेगा।

किसान आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर भड़के रामगोपाल यादव

कहा- 'उनकी बातें नहीं सुनी जा रहीं'

लखनऊ, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी में नोएडा-ग्रेटर नोएडा में मुआवजे समेत कई मांगों को लेकर किसानों में नाराजगी देखने को मिल रही है। जिसे लेकर किसानों का विरोध प्रदर्शन चल रहा है। किसानों के विरोध प्रदर्शन को लेकर समाजवादी पार्टी के महासचिव राम गोपाल यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सरकार को किसानों की मांगें माननी चाहिए। सपा सांसद ने कहा कि किसान आंदोलन इसलिए कर रहे हैं क्योंकि सरकार के द्वारा उनकी बातें सुनी नहीं जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को उनकी मांगो को मानना चाहिए, उनसे बात करनी चाहिए, उन्हें आंदोलन करने के लिए विवश नहीं करना चाहिए। किसानों का बातें नहीं सुनी जा रही है इसलिए वो आंदोलन कर रहे हैं।

कांग्रेस सांसद ने भी केंद्र सरकार पर साधा निशाना

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने भी किसान आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर हमला किया और कहा कि उत्तर प्रदेश के किसान जो अपनी मांग कर रहे हैं, दिल्ली आना चाहते हैं उनकी मांग उचित हैं। उनकी जो जमीन ली गई है उसमें वो मुआवजे के रुप में अपनी हिस्सेदारी चाहते हैं। उनकी ये मांग एकदम सही है। सरकार को उनकी मांगे मान लेनी चाहिए।

यूपी में पुलिसकर्मियों ने चौकी को बनाया दारू का अड्डा

अलीगढ़, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस को धूमिल करता एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में जिस तरह से लगातार दारू पार्टी चल रही है, उसको लेकर लगता है जैसे किसी बार में पार्टी चल रही हो इस दारू पार्टी का वीडियो बनाकर किसी के द्वारा वायरल कर दिया है, फिलहाल ये वीडियो कई महीने पुराना होने का दावा किया जा रहा है। अलीगढ़ के थाना सासनी गेट थाने में खाकी वर्दी को बदनाम कर हैरान करने वाला कारनामा सामने आया है। जहां खिरनी गेट चौकी के अंदर जमकर शराब पार्टी किए जाने के कई वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुए है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में वर्दी पहने पुलिसकर्मी शराब की बोतल और बीयर की कैन लाने के बाद बियर की कैन हाथ में लेकर कुछ लोगों के साथ चौकी में बैठकर शराब पार्टी कर शराब पीते हुए नजर आ रहे हैं।

खराब मौसम के कारण बेंगलुरु से दरभंगा आने वाली फ्लाइट रद, यात्रियों ने किया जमकर हंगामा

दरभंगा, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। दरभंगा एयरपोर्ट पर आठ विमानों का आवागमन हुआ। बेंगलुरु से दरभंगा आने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी 327 उड़ान भरी, लेकिन आधे रास्ते से विमान को डायवर्ट करके फिर से बेंगलुरु में उतार दिया गया। इधर, दरभंगा एयरपोर्ट पर विमान की प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों में अचानक फ्लाइट रद्द होने की सूचना मिलने के बाद हड़कंप मच गया। आक्रोशित यात्रियों ने विमानन कंपनी पर खराब सेवा देने का आरोप लगाते हुए करीब 30 मिनट तक हंगामा किया। इसके बाद नाराज यात्रियों ने निराश होकर एयरपोर्ट से बाहर निकलना शुरू कर दिया। अधिकांश यात्री घर लौट गए तो कुछ पटना एयरपोर्ट से टिकट बुक कराकर आगे की यात्रा पर गए। दरभंगा एयरपोर्ट से बेंगलुरु जाने के लिए पहुंचे मुजफ्फरपुर जिले के मालीघाट निवासी रितेश कुमार गुप्ता ने बताया कि चार दिन पहले अपनी पत्नी और बच्चों सहित चार आदमी का टिकट 60 हजार रुपये में लिया था। हम लोगों को विमानन कंपनी की ओर से सूचना मिली थी कि फ्लाइट निर्धारित समय से डेढ़ घंटा विलंब से दरभंगा पहुंचेगी और 3:55 में दरभंगा से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरेगी। हमलोग एयरपोर्ट पर दोपहर एक बजे पहुंच गए थे। करीब डेढ़ घंटे बाद सूचना मिली कि फ्लाइट डायवर्ट होकर वापस बेंगलुरु लौट गई है।

हाजी रिजवान बोले- भाजपा के साथ लालची मुसलमान

सपा कुत्ते को पट्टा पहना देगी बयान से मुकरे; मुस्लिमों के गढ़ में हुई थी जमानत जब्त

मुरादाबाद, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी में सपा की सबसे सुरक्षित सीटों में शुमार कुंदरकी में सपा कैंडिडेट हाजी रिजवान अपनी जमानत जब्त करा बैठे। जिस 60% मुस्लिम वोट पर सपा को सबसे ज्यादा भरोसा था, रिजवान को सबसे ज्यादा नाराजगी उन्हीं मुसलमानों की झेलनी पड़ी। रिजवान ने दावा किया कि कुंदरकी उपचुनाव में 90% लोगों की उंगली पर स्याही नहीं लगी। लेकिन उनके गांव में ही लोगों ने इस दावे को झुठला दिया। हाजी रिजवान ने कहा- रामवीर के साथ लालची मुसलमान हैं। सरकार से डरे हैं, इसलिए मेरे खिलाफ बोल रहे हैं। दम है तो रामवीर इस्तीफा देकर फिर चुनाव लड़कर दिखाएं। हमने पूछा- अब तो पुलिस का डर भी नहीं, फिर क्यों मुसलमान आपके खिलाफ इतना मुखर हैं? रिजवान बोले- मुसलमान अभी डर के साए में हैं, धीरे-धीरे डर खत्म होगा तो बोलने भी लगेंगे।

इटावा में तेजस एक्सप्रेस से टकराया गोवंश

भरथना, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। इटावा के भरथना रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा होते-होते टल गया। कानपुर से दिल्ली जा रही सुपरफास्ट तेजस एक्सप्रेस (82501) के सामने अचानक एक गौवंश आ गया, जिससे ट्रेन इंजन से टकरा गई। लोको पायलट ने तत्परता दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक लिया। घटना सुबह करीब 8:45 बजे दिल्ली-हावड़ा अप ट्रैक पर हुई। टक्कर के बाद ट्रेन के इंजन में गौवंश के अवशेष फंस गए, जिससे लोको पायलट को ट्रेन रोककर पूरी जांच करनी पड़ी। करीब 10 मिनट की देरी के बाद ट्रेन को सुरक्षित गंतव्य के लिए रवाना किया गया। भरथना रेलवे स्टेशन अधीक्षक मनोज कुमार ने बताया, तेजस एक्सप्रेस अपनी रफ्तार में थी, तभी अचानक ट्रैक पर गौवंश आ गया। लोको पायलट ने सतर्कता से इमरजेंसी ब्रेक लगाकर संभावित दुर्घटना को टाल दिया।

असली एसपी हो तो एसएसपी ऑफिस आओ

बरेली में साहसी छात्रा के मुंहतोड़ जवाब से फोन काटकर खिसका साइबर ठग

बरेली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। 'मैं एसपी साइबर क्राइम (लखनऊ) बात कर रहा हूं। तुम आपत्तिजनक वीडियो प्रसारित करने में लिप्त हो इसलिए गिरफ्तार किया जाएगा। मैं सिर्फ 35 किमी दूर हूं, 15-20 मिनट में फोर्स लेकर तुम्हारे घर पहुंच जाऊंगा। सोच लो, बदनामी हो जाएगी।'अजनबी फोन कॉल पर ऐसे शब्द सुनाई दें माथा ठनक सकता है मगर, डरिए मत। छात्रा मुशाहिदा की तरह साहस रखिए और मुंहतोड़ जवाब दीजिए। साइबर ठगों ने उन्हें इसी तरह फोन कर धमकाया परंतु, उनकी बुद्धिमत्ता के आगे टिक न सके। छात्रा ने चुनौती दी कि यदि तुम असली एसपी हो तो एसएसपी कार्यालय आओ, वहीं बात होगी। इसके बाद ठग फोन काटकर खिसक गया। छात्रा ने कैंट थाने में विजय नाम बताने वाले फोन कॉलर व उस नंबर पर साइबर ठगी, धमकाने, धोखाधड़ी की धारा में प्राथमिकी पंजीकृत कराई।

गोरखपुर में पशु तस्करों ने फायरिंग कर फैलाई दशहत, पत्थरबाजी कर उठा ले गए गौवंश

गोरखपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पशु तस्करों ने शाहपुर इलाके में गोवंश उठाने गए तस्करों को मोहल्ले के लोगों ने टोका तो उन्होंने हवाई फायरिंग की, इसके बाद पत्थरबाजी करते हुए तस्कर गोवंश लेकर फरार हो गए। इस घटना की सूचना पुलिस को दी गई है। मामले की जांच की जा रही है। जानकारी लगभग 11 बजे शाहपुर काली मंदिर वाली गली में यह घटना हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वहां प्रशांत त्रिपाठी के यहां कोई कार्यक्रम था परिवार के लोग रात में कुछ काम में व्यस्त थे, उसी मकान के आसपास पशु तस्करों ने फायरिंग की और गोवंश लेकर भाग गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। पशु तस्कर रात में काली मंदिर गली में पहुंचे थे। पिकप से आए लगभग चार तस्करों ने वहां से गोवंश को उठाना शुरू कर दिया। प्रशांत त्रिपाठी के घरवालों ने जब इस पर पूछा तो वे हवाई फायरिंग व पत्थरबाजी करते हुए वे फरार हो गए,

सीएम की 'महिला संवाद यात्रा' पर 225 करोड़ खर्च को आरजेडी ने बनाया बड़ा मुद्दा

लालू की पार्टी और जेडीयू आमने-सामने

पटना, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। 15 दिसंबर से नीतीश कुमार महिला संवाद यात्रा पर निकलने वाले हैं। राज्य की कैबिनेट से नीतीश की इस यात्रा पर 225 करोड़ रुपये के खर्च के प्रस्ताव को मंजूरी भी मिल चुकी है। इसको लेकर बिहार की सियासत गरमा गई है। आरजेडी इसको बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश में है। आरजेडी एनडीए सरकार की घेर रही है। तेजस्वी यादव भी अपने 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम' में भी इस मुद्दे को जोर शोर से उठा रहे हैं।

शक्ति सिंह ने नीतीश की यात्रा पर क्या कहा?

इसी बीच आरजेडी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि अपने आप को महिमा मंडित कराने के लिए नीतीश कुमार ने कैबिनेट से 225 करोड़ रुपये महिला संवाद कार्यक्रम के नाम पर स्वीकृत करा ली है। राज्य के खजाने का दुरुपयोग करेंगे। यह पैसा राज्य की जनता की गाढ़ी कमाई का हिस्सा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बहुचर्चित सृजन घोटाला जो 1500 करोड़ रुपये का हुआ था, उसका पैसा यह नहीं न है। राज्य का खजाना किसी की जागीर नहीं है। हम लोग सवाल उठा रहा हैं तो मिर्ची लग रही है। बिहार गरीब राज्य है। बिहार के खजाने के पैसे पर आप गुलछर्रे उड़ाएंगे। नीतीश की महिला संवाद यात्रा पर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि सीएम नीतीश जब यात्रा पर निकलते हैं, तो योजनाओं की समीक्षा करते हैं। विकास की गति और तेज होती है। नीतीश चार डिग्री और 44 डिग्री सेल्सियस से उपर तापमान में भी यात्रा करते हैं। बिहार की जनता के लिए यात्रा करते हैं। पहली बार यात्रा पर नहीं निकल रहे हैं। नीतीश जब से मुख्यमंत्री बने हैं तब से हर साल यात्रा पर निकलते हैं। इसमें सरकारी खजाने का लूट कैसे हो जाएगा? खजाने की लूट की जो लॉजिक दी जा रही है। ऐसा मैंने पहले कभी सुना नहीं था। बता दें अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह यात्रा काफी अहम मानी जा रही है। राज्य में 48 फीसदी वोटर महिलाएं हैं। उनको साधने की कोशिश है। इस यात्रा में नीतीश महिलाओं से संवाद करेंगे। महिलाओं के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं की समीक्षा करेंगे। यात्रा के दौरान महिलाओं के कल्याण के लिए नीतीश बड़े फैसले भी ले सकते हैं।

महिलाओं के लिए किसी योजना का हो सकता है ऐलान

दरअसल महाराष्ट्र में 'लाडली बहन योजना' से एनडीए को लाभ हुआ। झारखंड में मंईंया सम्मान योजना से महागठबंधन को लाभ हुआ। नीतीश अपनी यात्रा के दौरान इसी तरह की ही किसी योजना का ऐलान कर सकते हैं, जिसके तहत महिलाओं को हर महीने राशि दी जाएगी।

मुस्लिम छात्र को थप्पड़ लगवाने वाली टीचर को हाई कोर्ट से झटका

अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज

मुजफ्फरनगर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर के प्राइवेट स्कूल में मुस्लिम छात्र को दूसरे छात्रों से थप्पड़ मरवाने और सांप्रदायिक आधार पर गालियां देने की आरोपी महिला टीचर को बड़ा झटका लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपी महिला टीचर की अग्रिम जमानत की याचिका को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने आरोपी महिला टीचर तृप्ति त्यागी को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने इस मामले में निचली अदालत के फैसले को सही मानते हुए अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। मुजफ्फरनगर की जिला कोर्ट ने अक्टूबर महीने में ही तृप्ति त्यागी की अग्रिम जमानत की याचिका को खारिज कर दिया था। निचली अदालत के फैसले के खिलाफ आरोपी महिला टीचर ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की थी।अदालत ने महिला टीचर को दो हफ्ते में ट्रायल कोर्ट में सरेंडर करने को कहा है। हाईकोर्ट ने दो हफ्ते में सरेंडर करने पर ट्रायल कोर्ट से नियमों के मुताबिक नियमित जमानत पर फैसला लेने को कहा है। मामले की सुनवाई जस्टिस दीपक वर्मा की सिंगल बेंच में हुई।

क्लासरूम के बाहर खड़ा कर दूसरे छात्रों से था पिटवाया

यह मामला मुजफ्फरनगर के नेहा पब्लिक स्कूल से जुड़ा हुआ है। घटना पिछले साल अगस्त महीने की है। आरोपी महिला टीचर तृप्ति त्यागी के पास उस वक्त प्रिंसिपल का भी पदभार था। महिला टीचर तृप्ति त्यागी ने दूसरी क्लास में पढ़ने वाले मुस्लिम छात्र के खिलाफ सांप्रदायिक आधार पर टिप्पणियां की थी। उसे क्लासरूम के बाहर खड़ा कर दूसरे छात्रों से थप्पड़ों से पिटवाया था। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। घटना के बाद प्रशासन ने स्कूल को बंद करा दिया था।

मंसूरपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई थी एफआईआर

आरोपी महिला टीचर तृप्ति त्यागी के खिलाफ इस मामले में मुजफ्फरनगर के मंसूरपुर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 323 - 504 और 295 (ए) के साथ ही जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की धारा 75 के तहत केस दर्ज किया गया था। यह मामला पिछले साल भी इलाहाबाद हाईकोर्ट आया था। हाईकोर्ट ने पिछले साल आदेश जारी कर पीड़ित बच्चे की काउंसलिंग के लिए एक एजेंसी नियुक्त करने का आदेश दिया था। यूपी सरकार द्वारा इस आदेश का पालन नहीं करने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फटकार भी लगाई थी।

महिला टीचर तृप्ति त्यागी की मुश्किलें बढ़ना तय

इलाहाबाद हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज होने के बाद आरोपी महिला टीचर तृप्ति त्यागी की मुश्किलें बढ़नी तय है। अग्रिम जमानत की अर्जी में उसने खुद को बेकसूर बताते हुए दर्ज एफआईआर में सिर्फ 3 साल की सजा होने का हवाला दिया गया था। हाईकोर्ट ने इन दलीलों को नहीं माना और अग्रिम जमानत की अर्जी को खारिज कर दिया।

पीलीभीत में कार खाई में गिरी, 6 की मौत

पीलीभीत, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के पीलीभीत में बेकाबू अर्टिगा कार खाई में गिर गई। इसके बाद पेड़ से टकरा गई। टक्कर से पेड़ टूटकर कार पर गिर गया, जिससे कार सवार दब गए। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। 4 घायल हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार सवार बेटी की शादी के बाद चौथी देने उत्तराखंड से पीलीभीत आए थे। देर रात घर लौट रहे थे। न्यूरिया थाना क्षेत्र के पास हादसा हुआ।

मरने वाले में लड़की के पिता-ससुर, बुआ-फूफा, भतीजा और ड्राइवर शामिल हैं। 4 दिसंबर को पीलीभीत के चंदोई गांव के अनवर का निकाह उत्तराखंड के खटीमा की हुस्ना बी से हुआ था। निकाह के अगले दिन यानी लड़की के घरवाले चौथी लेने पीलीभीत आए थे। देर रात दुल्हन की चौथी देकर दो कार से घर लौट रहे थे। एक गाड़ी में दुल्हन, दुल्हन का भाई और अन्य रिश्तेदार थे। जबकि दूसरी गाड़ी अर्टिगा में दुल्हन के पिता-ससुर और अन्य लोग थे। दोनों गाड़ियां आगे-पीछे ही चल रही थी। न्यूरिया थाना क्षेत्र में अर्टिगा के ड्राइवर ने स्पीड तेज की और दुल्हन की गाड़ी को ओवरटेक किया। इसी दौरान गाड़ी अनियंत्रित हो गई। सड़क से 6 फीट नीचे खाई में उतर गई। नीचे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि पूरा पेड़ कार के ऊपर गिर गया। हादसा रात करीब 11 बजे हुआ। चीख-पुकार सुन आसपास के लोग जुट गए। तुरंत दुल्हन की गाड़ी के लोग भी मौके पर पहुंच गए।

लेकिन, एक्सीडेंट में कार बुरी तरह पिचक गई थी। लोगों ने कार सवार लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन बाहर नहीं निकाल पाए। थोड़ी देर में पुलिस भी आ गई। पुलिस ने बुलडोजर बुलाया। इसके बाद कार से पेड़ को हटाया। करीब डेढ़ घंटे तक रेस्क्यू चला, तब जाकर कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने उन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां 6 लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि कार सवार अन्य 4 की हालत गंभीर है।

बसपा नेता ने बेटे की शादी सपा विधायक की बेटी से कर दी, तो मायावती ने पार्टी ने कर दिया निष्कासित

रामपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मायावती सरकार में दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री रहे बसपा नेता सुरेंद्र सागर को पार्टी से निकाल दिया गया है। जानकारी के अनुसार, सुरेंद्र सागर ने अपने बेटे अंकुर सागर की शादी समाजवादी पार्टी के विधायक त्रिभुवत दत्त की बेटी कुसुम दत्त से की है। आरोप है कि बसपा ने इसे पार्टी विरोधी गतिविधि माना और निष्कासित कर दिया। पूर्व मंत्री सुरेंद्र सागर का कहना है कि उनके बेटे की शादी 27 नवंबर को थी। वह बारात लेकर सपा विधायक के घर अंबेडकर नगर 27 नवंबर को गए थे। इस शादी में सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी आए थे। उन्होंने वर-वधु को आशीर्वाद भी दिया था। अखिलेश यादव के साथ उनकी फोटो सोशल मीडिया पर डाली गई थी। फोटो वायरल हुई तो इसकी जानकारी बसपा प्रमुख मायावती को भी लगी। इस पर मायावती ने आपत्ति जताई और पार्टी से निष्कासित कर दिया। सुरेंद्र सागर ने कहा कि जब सपा विधायक की बेटी से बेटे की शादी की बात मायावती को पता चली तो उन्होंने कहा कि शादी के रिसेप्शन में बसपा का कोई नेता नहीं जाएगा। लेकिन रिसेप्शन में पार्टी के बहुत सारे नेता पहुंचे। यह बात मायावती को और बुरी लगी। इसके बाद उन्होंने मुझे पार्टी से निकालने का फैसला किया।

सपा के सीनियर नेता हैं त्रिभुवत दत्त

बता दें कि उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा दोनों एक-दूसरे की कट्टर विरोधी पार्टियां हैं। बसपा नेता ने जिस सपा विधायक की बेटी से बेटे की शादी की उनका काफी रसूख है। त्रिभुवत दत्त आलापुर विधानसभा से वर्तमान समय में विधायक हैं और अंबेडकर नगर के सांसद भी रह चुके हैं। वह सपा के राष्ट्रीय सचिव भी हैं।

1995 से बसपा से जुड़े थे पूर्व मंत्री सुरेंद्र सागर

पूर्व मंत्री सुरेंद्र सागर ने कहा कि वह 1995 से लगातार बसपा में सक्रिय हैं। वह दो बार विधानसभा का चुनाव भी लड़ चुके हैं लेकिन जीत दर्ज नहीं कर सके थे। सुरेंद्र सागर ने बताया कि वह जिला स्तर पर बसपा का ऐसा कोई पद नहीं है जिस पर उन्होंने काम न किया हो। उन्होंने कहा कि वह अपने कार्यकर्ताओं से बातचीत कर अगले कदम पर फैसला लेंगे।

बेटी को जन्म देने के बाद लिफ्ट में फंसने से मां की मौत

मेरठ, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मेरठ के अस्पताल में लिफ्ट गिरने से जिस महिला की मौत हुई थी। उसने ठीक 30 मिनट पहले एक बच्ची को जन्म दिया था। महिला की पहले से एक 4 साल की बेटी है। उसका बर्थडे भी 5 दिसंबर को ही था। यानी, दोनों बेटियों के जन्मदिन पर मां की मौत हो गई। मां ने अस्पताल जाते वक्त बड़ी बेटी से कहा था- बेटा मैं तुम्हें बाबू के साथ वीडियो कॉल करूंगी। वो सुबह से शाम तक मां की कॉल का इंतजार करती रही, लेकिन कॉल नहीं आई। बेटी ने पिता से पूछा कि मां कहां है तो वह कोई जवाब नहीं दे पाए। हादसा गुरुवार शाम 5.44 बजे कैपिटल हॉस्पिटल में हुआ। डिलीवरी के बाद महिला को लिफ्ट से पहली मंजिल पर बने ओटी से नीचे ग्राउंड फ्लोर में शिफ्ट किया जा रहा था। जैसे ही लिफ्ट ग्राउंड फ्लोर के लिए नीचे जाने लगी, उसका बैंड टूट गया। प्रसूता की गर्दन लिफ्ट में फंस गई। उसकी तुरंत मौत हो गई। लिफ्ट में उसके साथ मौजूद डॉक्टर और दो मरीज को हल्की चोट आई है।

2019 में हुई थी करिश्मा की शादी

मूल रूप से हापुड़ की रहने वाली करिश्मा की शादी 2019 में मेरठ के अंकुश से हुई थी। पति अंकुश मावी फौज में है। इस वक्त राजौरी में तैनात हैं। दोनों के 4 साल की बेटी ईवा है। उसका बर्थडे 5 दिसंबर को होता है। बुधवार को अंकुश पत्नी करिश्मा की डिलीवरी के कारण छुट्टी लेकर मेरठ आए थे। करिश्मा के जेठ शिवम ने कहा- गुरुवार सुबह करिश्मा को लेबर पेन हुआ। परिजन उसे लेकर दोपहर 12 ।30 बजे कैपिटल अस्पताल पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसे भर्ती कर लिया। शाम लगभग पौने पांच बजे करिश्मा ने एक बच्ची को सीजेरियन से जन्म दिया।

40 मिनट तक लिफ्ट में फंसी रही प्रसूता

शिवम ने कहा- ग्राउंड फ्लोर पर करिश्मा को शिफ्ट करते वक्त लिफ्ट गिर गई। हादसे के बाद 40 मिनट तक लिफ्ट खुल नहीं सकी। हम लोग चीखते, चिल्लाते रहे, लेकिन हमें मदद नहीं मिली। टेक्निकल टीम भी समय से नहीं आई, न ही डॉक्टर आए, बल्कि अस्पताल छोड़कर फरार हो गए। किसी तरह पूरे 40 मिनट बाद करिश्मा को लिफ्ट से निकाला गया। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इतने बड़े अस्पताल में घोर अव्यवस्था है। घंटे भर की बच्ची से उसकी मां को छीन लिया। बच्ची अपनी मां का दूध भी नहीं पी पाई। हादसे के लिए कैपिटल अस्पताल के संचालक कपिल त्यागी,डॉक्टर्स और स्टाफ जिम्मेदार हैं।

किसानों के प्रदर्शन के बीच कृषि मंत्री शिवराज सिंह का बड़ा बयान

एमएसपी पर खरीदी जाएगी हर फसल

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शन के बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार सभी कृषि उपजों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदेगी। उच्च सदन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री चौहान ने प्रश्नकाल के दौरान किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुद्दे पर पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह आश्वासन दिया।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जाएगी हर फसल

शिवराज ने यह आश्वासन उस दिन दिया जब किसान अपनी मांगों को लेकर दिल्ली तक पैदल मार्च करने की योजना बना रहे हैं। चौहान ने सदन को बताया, ''मैं आपके (सभापति के) माध्यम से सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसानों की सभी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जाएगी। यह मोदी सरकार है और मोदी की गारंटी को पूरा करने की गारंटी है।'' उन्होंने कहा, ''जब दूसरी तरफ के हमारे मित्र सत्ता में थे तो उन्होंने रिकॉर्ड पर कहा था कि वे एम एस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को स्वीकार नहीं कर सकते, खासकर उपज की लागत से 50 प्रतिशत अधिक देने की बात। मेरे पास रिकॉर्ड है।'' चौहान ने अपने दावे के समर्थन में पूर्व कृषि राज्य मंत्री कांतिलाल भूरिया, कृषि मंत्री शरद पवार और के वी थॉमस का हवाला दिया।

सभापति धनखड़ ने मांगा सबूत

शिवराज के दावे के बाद, उच्च सदन के सभापति जगदीप धनखड़ ने उनसे अपने दावे की पुष्टि करने के लिए दस्तावेज सदन के पटल पर पेश करने को कहा। चौहान इस पर सहमत हो गए। मंत्री ने दावा किया, ''उन्होंने (पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने) कभी किसानों का सम्मान नहीं किया और कभी किसानों की लाभकारी कीमतों की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया। मैं आपके माध्यम से सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि 2019 से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों को उत्पादन लागत पर 50 प्रतिशत लाभ देकर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गणना करने का फैसला किया है।'

पहले ही किसानों को लाभकारी कीमत दे रही सरकार

शिवराज सिंह ने यह भी दावा किया कि मोदी सरकार पहले से ही किसानों को लाभकारी मूल्य दे रही है। चौहान ने कहा कि धान, गेहूं, ज्वार, सोयाबीन को तीन साल पहले से ही उत्पादन लागत से 50 प्रतिशत अधिक कीमत पर खरीदा जा रहा है। उन्होंने वस्तुओं की दरों में गिरावट होने पर निर्यात शुल्क और कीमतों को बदलने में हस्तक्षेप का भी हवाला दिया।

नैनीताल हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

देहरादून की सुसवा और एक अन्य नदी में खनन पर रोक

देहरादून, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। नैनीताल हाईकोर्ट ने देहरादून के डोईवाला क्षेत्र में बहने वाली सुसवा और एक अन्य नदी में भारी मशीनों से खनन पर सख्त रुख अपनाते हुए इसे रोकने के आदेश दिए हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति विवेक भारती शर्मा की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को खनन कार्य केवल मैनुअली करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही राज्य सरकार को चार हफ्तों के भीतर इस मामले में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया गया है। देहरादून निवासी वीरेंद्र कुमार द्वारा दायर की गई जनहित याचिका में यह बताया गया कि सुसवा और एक अन्य नदी में भारी मशीनों के उपयोग से खनन कार्य हो रहा है, जिससे नदी के प्राकृतिक स्वरूप पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। याचिकाकर्ता का कहना है कि भारी मशीनों के कारण नदी का जलस्तर काफी नीचे चला गया है, जिससे सिंचाई के लिए पानी की भारी कमी हो गई है।

भारी मशीनों के उपयोग पर लगे रोक- याचिकाकर्ता

याचिका में आगे बताया गया कि भारी मशीनों के उपयोग से न केवल नदी का जलस्तर प्रभावित हो रहा है, बल्कि आसपास की कृषि भूमि भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इसके अलावा, पहले स्थानीय लोगों को नदी में पारंपरिक खनन से रोजगार मिल जाता था, लेकिन अब मशीनों के इस्तेमाल के कारण ये लोग बेरोजगार हो गए हैं। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से अपील की कि भारी मशीनों के उपयोग पर तुरंत रोक लगाई जाए और खनन कार्य मैनुअल तरीके से कराया जाए। साथ ही, उन्होंने आग्रह किया कि स्थानीय लोगों को खनन कार्य में प्राथमिकता दी जाए, जिससे उन्हें रोजगार का अवसर मिले और उनकी कृषि भूमि को भी बचाया जा सके।

राज्य सरकार ने दी अपनी दलीलें

राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि बरसात के दौरान सुसवा और अन्य नदियों में भारी मात्रा में शिल्ट, गाद, बड़े बोल्डर और अन्य सामग्री जमा हो जाती है। इनसे नदी का प्रवाह अवरुद्ध हो जाता है और पानी अन्य क्षेत्रों में बहने लगता है, जिससे बाढ़ और अन्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सरकार ने कहा कि इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी मशीनों का उपयोग जरूरी है, क्योंकि मैन पावर से इसे हटाना संभव नहीं है।

पन्ना में 'हीरों का मेला', किसान को मिला था 16.10 कैरेट का डायमंड, बिकते ही हुआ मालामाल

पन्ना, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। हीरों की नगरी पन्ना में तीन दिवसीय चल रही हीरों की नीलामी के दूसरे दिन भी करोड़ों के हीरे बिके। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नीलामी संपन्न हो रही है जिसमें 23 ट्रे के माध्यम से 52 नग हीरे (वजन 108.84 कैरेट) नीलामी में रखे गए थे। इनमें 16 ट्रे के 33 नग हीरे (वजन 77.65 कैरेट) 1 करोड़ 40 लाख 34 हजार 810 रुपये में बिके। खुली बोली और अलग-अलग माध्यम से व्यापारियों ने हीरों की बोली लगाकर नीलामी संपन्न की। दूसरे दिन नीलामी में 16 हीरे करोड़ों के नीलाम हुए और मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा 16.10 कैरेट का जेम्स क्वालिटी का हीरा। यह 6 लाख 6 हजार रुपये प्रति कैरेट के हिसाब से 97 लाख 60 हजार का बिका जिसे वापी से आए व्यापारी जिग्नेश ने खरीदा है। यह सबसे अधिक बोली में खरीदा गया है।

जिस किसान को यह हीरा मिला था वह अब आर्थिक रूप से मालामाल हो गया है। किसान दिलीप मजूमदर ने कहा, हमें बड़ी खुशी है कि हमारा हीरा इतना महंगा बिका जिसकी हमने आशा नहीं की थी। अब हम इन पैसों से अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करेंगे। किसान ने कहा कि इस राशि को चार पार्टनरों में बांटकर और भी अन्य व्यवसाय करेंगे। देश दुनिया में हीरे के लिए प्रसिद्ध पन्ना जिला अच्छी जेम क्वालिटी के हीरे के लिए जाना जाता है इसलिए यहां का हीरा अन्य देशों में भी जाता है। तीन दिवसीय हीरा नीलामी में अन्य राज्यों एवं बाहर के व्यापारियों ने हिस्सा लेकर नीलामी को और भी रोचक बना दिया। हर बार की तरह इस बार बोली में 80 व्यापारियों ने अपनी हिस्सेदारी दर्जकर और एक से बढ़कर एक बोली लगाकर हीरे खरीदे। पन्ना के हीरा अधिकारी रवि पटेल ने बताया कि 16 ट्रे के 33 नग हीरे नीलाम हुए है जिनका कुल वजन 77 कैरेट 34सेंट है, जो 1 करोड़ 40 लाख 810 रुपये में नीलाम हुए। इसमें मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा 16.10 कैरेट का हीरा भी नीलाम हुआ है। खुली बोली में 16.10 कैरेट का हीरा सबसे महंगा बिका है।

बिहार में टला बड़ा रेल हादसा

जयनगर गरीब रथ के कोच से अलग हो गया इंजन; 1.5 किमी तक नहीं चला पता

मधुबनी, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मधुबनी जिले के जयनगर से करीब 12.30 बजे खुली जयनगर- दिल्ली गरीब रथ एक्सप्रेस खजौली से आगे लक्ष्मीपुर हाल्ट के पास जब पहुंची तो ट्रेन का इंजन डिब्बों से अलग हो गया। करीब एक से डेढ़ किलोमीटर आगे बढ़ने के बाद गार्ड को इसकी सूचना दी तब इंजन को रोका गया और बैक किया गया। इंजन और कोच को जोड़ा गया। इसके बाद ट्रेन आगे बढ़ी। करीब 40 मिनट का वक्त इसमें लगा।

ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्री मो. ऐजाज

ट्रेन में बैठे यात्री मोहम्मद ऐजाज ने बताया कि ट्रेन नंबर 12435 गरीब रथ एक्सप्रेस जयनगर से प्रस्थान करने के बाद खजौली रेलवे स्टेशन पास करने के बाद ठाहर रेलवे गुमती के समीप धीरे-धीरे रुक गई। फिर डिब्बे से इंजन अलग होकर ललित लक्ष्मीपुर के आगे तक चली गई थी। यात्रियों ने देखा कि ट्रेन एकाएक रुक गई। उतर कर देखा तो इंजन डिब्बे से अलग होकर काफी दूर जा चुका था। वहीं एक अलग घटना में मधुबनी दरभंगा रेल लाइन पर नगर थाना अंतर्गत गुमती नंबर 10 एवं 11 के बीच ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात महिला की मौत हो गई। घटना गुरुवार सुबह की बताई जा रही। लगभग 55 वर्षीय अज्ञात महिला का शव रेलवे गुमटी नंबर 10 एवं 11 के बीच क्षत-विक्षत अवस्था में लोगों ने देखा घटना की सूचना नगर थाना को दी गई। सूचना मिलते ही नगर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस निरीक्षक सह नगर थानाध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार ने बताया कि मृतक महिला की पहचान नहीं हो पाई है। पहचान करने के लिए पोस्टमार्टम के उपरांत अगले 72 घंटे के लिए शव को रखा जाएगा। वहीं मृतक महिला के शव की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल की गई है।

मथुरा की शाही ईदगाह में 1500 नमाजी पहुंचे बरेली में ड्रोन से छतों पर दिखे पत्थर; अमेठी में फ्लैग मार्च कर रहे दरोगा की मौत

अयोध्या, मथुरा, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रयागराजयूपी में बाबरी विध्वंस की बरसी और जुमे की नमाज को लेकर हाई अलर्ट है। मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए 1500 लोग पहुंच गए। हर शख्स का आधार कार्ड चेक करने बाद मस्जिद में एंट्री दी जा रही है। अनुमान 400 से 500 लोग ही नमाज अदा करने पहुंचते थे। बरेली में ड्रोन कैमरे में आला हजरत मस्जिद के पास छतों पर पत्थर नजर आए। इसके बाद पुलिस ने पत्थर को हटवाया। अमेठी में फ्लैग मार्च के दौरान दरोगा को हार्ट अटैक आ गया। पुलिसकर्मी उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने दरोगा को मृत घोषित कर दिया। राम मंदिर और काशी विश्वनाथ मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एटीएस कमांडो तैनात हैं। मुरादाबाद में जामा मस्जिद एरिया में डॉग स्क्वायड की मदद से चेकिंग की गई। प्रयागराज, बरेली, कानपुर में भी पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। बाबरी विध्वंस की आज 32वीं बरसी है। 6 दिसंबर, 1992 को आज ही के दिन कारसेवकों ने विवादित ढांचा ढहा दिया था। सीओ सिटी पंकज श्रीवास्तव ने बताया-6 दिसंबर और जुमे की वजह से सभी संवेदनशील इलाकों में कड़ी निगरानी बरती जा रही है। ड्रोन कैमरे से भी निगरानी की जा रही है। निगरानी के दौरान आला हजरत मस्जिद के पास से छतों पर पत्थर देखे गए थे, जिनको हटवा दिया गया है। सभी प्रमुख मस्जिदों पर पुलिस तैनात की गई है। जुमे की नमाज को लेकर पुलिस अलर्ट है। मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए 1500 लोग पहुंच गए। हर शख्स का आधार कार्ड चेक करने बाद मस्जिद में एंट्री दी जा रही है।

विधायक की जासूसी के आरोपों की जांच गृह विभाग ने पीएचक्यू को सौंपी

शिमला, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। विधायक राम कुमार की ओर से एसपी बद्दी इल्मा अफरोज पर लगाए जासूसी के आरोपों की जांच गृह विभाग ने पुलिस मुख्यालय को सौंपी है। विशेषाधिकार हनन नोटिस पर विधानसभा सचिवालय को जवाब देने से पहले गृह विभाग ने डीजीपी से जांच रिपोर्ट मांगी है। दून से कांग्रेस विधायक राम कुमार ने एसपी इल्मा अफरोज पर उनकी जासूसी करने का आरोप लगाया है और कहा कि यह एक विधायक के विशेषाधिकार का हनन का मामला है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से कार्रवाई की मांग की है। विधानसभा सचिवालय ने इसी पर गृह विभाग से जवाब मांगा है। अब गृह विभाग ने इस संबंध में पुलिस महानिदेशक से जांच रिपोर्ट भेजने को कहा है, जिससे समय रहते विधानसभा सचिवालय को इसी को आधार बनाकर जवाब दिया जा सके। अब पुलिस मुख्यालय इस प्रकरण की छानबीन कर रहा है। विधायक के आरोपों पर इल्मा से भी उनका पक्ष जान रहा है। डीजीपी की ओर से पड़ताल के बाद रिपोर्ट गृह विभाग को भेजी जाएगी।

तेजस्वी का नीतीश पर तीखा वार

कहा- सीएम पूरी तरह बेकार गिरिराज समाज बांटने वाले बीफ प्रतिबंध पर भी बोले

बेगूसराय, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम के तहत बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव बेगूसराय पहुंचे। यहां जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर तीखा हमला बोला। तेजस्वी ने नीतीश कुमार को पूरी तरह 'बेकार' करार देते हुए कहा कि अब उनका शासन प्रशासन पर कोई नियंत्रण नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा और विधान परिषद में भी मुख्यमंत्री संवाद करने से बचते हैं, जो उनके कमजोर नेतृत्व को दर्शाता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर उनकी सरकार बनती है, तो सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना को 400 से बढ़ाकर 1500 रुपये किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने बिहार वासियों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का वादा किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि विपक्ष में रहते हुए भी राजद बिहार में 200 यूनिट मुफ्त बिजली की मांग को लेकर संघर्ष करती रहेगी। तेजस्वी ने बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि गिरिराज सिंह केवल समाज को बांटने और विवादित बयान देकर मीडिया में बने रहना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस विभाग के मंत्री गिरिराज सिंह हैं, उसमें बेगूसराय के लिए अब तक कोई ठोस विकास कार्य नहीं हुआ है। राजद नेता ने शिक्षकों के मसले पर खुलकर बात की। उन्होंने दावा किया कि उनकी 17 महीने की सरकार के दौरान पांच लाख नौकरियां दी गईं और नियोजित शिक्षकों को नियमित किया गया। तेजस्वी ने वादा किया कि भविष्य में भी उनकी पार्टी शिक्षकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रहेगी। कार्यक्रम के दौरान तेजस्वी यादव ने जनता से संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने बिहार में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अक्षमता को लेकर सरकार पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि राजद एक मजबूत और समृद्ध बिहार के लिए प्रतिबद्ध है। तेजस्वी यादव ने कहा कि उनकी सरकार बनी तो विकास कार्यों में तेजी लाई जाएगी और बिहार को एक बेहतर भविष्य की ओर ले जाया जाएगा।

निर्मला सप्रे की विधायकी खतरे में? सदस्यता समाप्त करने संबंधी याचिका को हाई कोर्ट की मंजूरी

सागर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। एमपी के सागर जिले के बीना की कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे की विधायकी पर खतरा मंडराने लगा है। निर्मला सप्रे की सदस्यता समाप्त करने को लेकर कांग्रेस द्वारा लगाई गई याचिका हाई कोर्ट ने स्वीकार कर ली है। इंदौर हाई कोर्ट में याचिका पर सुनवाई के लिए 9 दिसंबर तारीख निर्धारित की गई है। उल्लेखनीय है कि सागर जिले के बीना की एकमात्र कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे को विधानसभा की सदस्यता से बर्खास्त करने के लिए कांग्रेस विधायक दल ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को पत्र सौंपा था। इस पत्र में उल्लेख किया गया था कि लोकसभा चुनाव के पहले निर्मला सप्रे ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है, इसलिए उन्हें विधानसभा की सदस्यता से निष्कासित किया जाए। इसी मुद्दे को लेकर अभी तक फैसला नहीं हुआ है। मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का कहना है कि विधानसभा अध्यक्ष की ओर से फैसला नहीं लिए जाने पर उन्होंने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हाई कोर्ट की ओर से उनकी याचिका स्वीकार कर ली गई है। अब 9 दिसंबर को सुनवाई होना है। कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे विधानसभा चुनाव के बाद अचानक बीजेपी के मंच पर दिखाई दीं। उन्हें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बीजेपी की पट्टिका भी पहनाया। यह पूरा घटनाक्रम लोकसभा चुनाव के पहले घटित हुआ। हालांकि निर्मला सप्रे की ओर से दूसरी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बावजूद अभी तक विधानसभा से इस्तीफा नहीं दिया गया है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को लिखित में यह पत्र दिया है कि उन्होंने बीजेपी ज्वाइन नहीं किया, जबकि उनका कांग्रेस से मोह भंग हो चुका है। अब कांग्रेस उनकी सदस्यता समाप्त करना चाहती है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के मुताबिक निर्मला सप्रे लिखित में दिया है कि उन्होंने बीजेपी की औपचारिक सदस्यता ग्रहण नहीं की है। यदि वे बीजेपी में आना चाहे तो उनका स्वागत है। दूसरी तरफ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का कहना है कि निर्मला सप्रे को बीजेपी की ओर से आने वाले समय में बीना से चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने भाजपा ज्वाइन की है लेकिन अब निर्मल सप्रे अपनी बात से मुकर रही है।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन के 3 सदस्य गिरफ्तार, नागालैंड में 34 करोड़ की ड्रग्स नष्ट

इंफाल, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मणिपुर पुलिस ने जबरन वसूली और अवैध हथियार रखने के आरोप में इंफाल पश्चिम जिले से प्रतिबंधित संगठन के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार फयेंग इलाके में पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने तलाश अभियान के दौरान कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया। टीम ने उनके पास से एक देसी पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया। बयान में कहा गया, ''वे जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल थे।'' बयान के अनुसार, कांगपुर में उनके ठिकानों की तलाशी के दौरान अवैध हथियार बनाने का साजो सामान भी मिला। नागालैंड पुलिस ने दीमापुर में 34 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ड्रग्स नष्ट की है। एक अधिकारी ने बताया कि मादक पदार्थ निस्तारण समिति (डीडीसी) ने जब्त किए गए ड्रग्स को गुरुवार को दीमापुर नगर परिषद के 'डंपिंग ग्राउंड' में नष्ट किया। नष्ट किए गए ड्रग्स में 'ब्राउन शुगर' और हेरोइन, क्रिस्टल मेथ तथा अफीम शामिल हैं। 'मेथाम्फेटामाइन' को मेथ भी कहते हैं और यह एक तेज तथा बेहद नशीला पदार्थ है जो केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है।

8वीं पास कर रहे थे इलाज, 80 हजार में ली थी डिग्री, गुजरात में पकड़े गए 14 फर्जी डॉक्टर

सूरत, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात पुलिस ने सूरत में बड़ी कार्रवाई करते हुए 14 फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है, जो पैसे लेकर 8वीं पास लोगों को मेडिकल की डिग्री दे रहे थे। यह गिरोह 8वीं और 12वीं पास करने वालों को 60,000 से 80,000 रुपये में फर्जी डॉक्टरों को डिग्री बेच रहा था। गिरोह का मुख्य आरोपी का नाम रमेश है। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह बहुत चालाकी से काम कर रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये गिरोह "बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन (बीईएचएम) गुजरात के नाम पर फर्जी डिग्री जारी कर रहा था। जांच के दौरान पुलिस को सैकड़ों फर्जी प्रमाणपत्र मिले हैं। पुलिस ने फर्जी डिग्री रैकेट चलाए जाने की सूचना के आधार पर सूरत शहर के कई इलाकों में छापेमारी की थी।

1,500 से अधिक फर्जी डिग्रियां की गई हैं जारी

पुलिस ने इस कार्रवाई के तहत पांडेसरा तुलसी धाम सोसाइटी में कविता क्लिनिक,ईश्वर नगर सोसाइटी में श्रेयान क्लिनिक,रणछोड़ नगर में प्रिंस क्लीनिक पर छापेमारी की थी। इस दौरान घटनास्थल पर मौजूद दस्तावेजों से पता चला कि पिछले कुछ वर्षों में 1,500 से अधिक फर्जी डिग्रियां जारी की गई। जांच में पुलिस को रजिस्ट्रेशन फॉर्म,डॉक्टर के रजिस्ट्रेशन का रजिस्टर, मार्कशीट,बीईएमएस की डिग्री का एप्लीकेशन फॉर्म,आईडी कार्ड,सर्टिफिकेट साथ कोरे सर्टिफिकेट 5,सर्टिफिकेट की जेरोक्स 15,रिन्यूअल फॉर्म 8 बरामद हुए थे।

फर्जी डिग्रियां देने के लिए बोर्ड किया था गठित

पुलिस ने बताया कि इस घोटाले से कई लोगों ने फर्जी डिग्रियां खरीदीं और अपना क्लीनिक चलाया। पुलिस को सूचना मिली कि फर्जी मेडिकल डिग्री वाले तीन लोग एलोपैथी की प्रैक्टिस कर रहे हैं। मुख्य आरोपी ने फर्जी डिग्रियां देने के लिए एक बोर्ड गठित करने की योजना बनाई थी। उन्होंने पांच लोगों को नियुक्त किया था। गिरोह 70 हजार रुपये में लोगों को ट्रेनिंग देता था। सभी फीस जमा करने के 15 दिन के अंदर ग्रेजुएशन दे दिया जाता था। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी शोभित और इरफान पैसों की धोखाधड़ी में शामिल थे।

मध्य प्रदेश में सर्जरी के बाद महिलाओं को एंबुलेंस में जानवरों की तरह ठूंसा

सामने आया हैरान कर देने वाला वीडियो

सतना, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। एलटीटी के कैंप सतना जिले में लगाया जाए और भला फिर लापरवाही की हद पार न हो ऐसा कैसे हो सकता है। नसबंदी शिविरों में मनमानी इनकी अब आदतन स्थिति हो गई है। नसबंदी ऑपरेशन के बाद दर्द से कराह महिलाओं को एंबुलेंस में जानवरों की तरह ठूंसा गया। जानकार हैरानी होगी कि कोठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एलटीटी ऑपरेशन के लिए लाई गई महिलाओं को एंबुलेंस 108 में ऐसा भरा गया जैसे वह जानवर हों। इसका हैरान करने वाला वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि दर्द से कराह रही महिलाओं को एक ही 108 एंबुलेंस में जानवरों की तरह भर दिया गया। एक के ऊपर एक बैठो चाहे मर जाओ हालात तो ऐसे ही रहे। परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत सतना के कोठी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लगाए गए एलटीटी कैम्प में ऑपरेशन के बाद गुरुवार की देर शाम का वीडियो है जो हैरान करने वाला है। विभागीय जानकारी में सामने आया है कि कोठी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हर नसबंदी को शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस गुरुवार भी यहां कैंप लगाया गया था। इस दिन कुल मिलाकर 32 महिलाओं का नसबंदी ऑपरेशन किया गया। अरिशन जिला अस्पताल की गायनी एचओडी डॉ मंजू सिंह ने किया है। बताते हैं कि सभी महिलाओं को हाफ बेहोशी के लिए इंजेक्शन लगाए गए थे। ऑपरेशन के बाद उनको घर छोड़ने के लिए एक ही एंबुलेंस में 16 लोगों को ठूंस दिया गया।

ममता सरकार में 2200 से ज्यादा कंपनियों ने छोड़ा बंगाल, रैंकिंग में आठवें नंबर पर पहुंचा

कोलकाता, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल से पिछले 5 सालों में 2200 से ज्यादा कंपनियों ने अपना व्यापार समेट लिया है, जिसमें 39 लिस्टेड कंपनियां थीं। राज्यसभा में बीजेपी सांसद समिक भट्टाचार्य के सवाल के जवाब में ये जानकारी सामने आई है। इसके बाद से ही ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। राज्यसभा में बीजेपी सांसद समिक भट्टाचार्य के सवाल के जवाब में कॉरपोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि, पिछले 5 सालों में बंगाल से 2227 कंपनियों ने बंगाल छोड़ दिया है। इसके अलावा इन कंपनियों ने अपना रजिस्टर्ड मेन ऑफिस भी चेंज कर लिया है। राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि कंपनियों के बंगाल छोड़ने के पीछे के कई कारण है, जिन कंपनियों ने बंगाल छोड़ा वे लगभग हर सेक्टर की थीं। इनमें मैनुफैक्चरिंग, फाइनेंस, कमिशन एजेंसी से जुड़ी कंपनियां शामिल हैं। 1970 के दशक में रजिस्टर्ड कंपनियों के मामले में पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र के बाद दूसरे नंबर पर था। लेकिन 2021 में बंगाल आठवें नंबर पर आ गया है। ममता सरकार ने कंपनियों को जाने से रोकने के लिए कोई काम नहीं किया है। कंपनियों को राज्य में काम करने और सुरक्षित वर्क एनवायरनमेंट देने के लिए कोइ कदम नहीं उठाए। जिसका खामियाजा है कि कंपनियां धीरे-धीरे अपना व्यापार समेट रही हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग और बंगाल के सह- प्रभारी अमित मालवीय ने ममता सरकार पर हमला बोला है, उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि बंगाल में कॉरपोरेट सेक्टर के जाने का रिपोर्ट कार्ड सबके सामने है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 7 दिसंबर- 2024

एनडीए का संदेश

प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ , नीतीश कुमार, और चंद्रबाबू नायडू ये सभी तो शामिल हुए थे महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस के शपथ ग्रहण समारोह में। मोदी की नायडू और नीतीश से गर्मजोशी भरी मुलाकात ने 'हम साथ-साथ हैं' का जो संदेश दिया वह लगभग पूरे देश में तो गया ही, विपक्षी खेमे में भी हलचल मचाने के लिए काफी है। विपक्ष हमेशा यही अफवाह फैलाता रहा कि इन लोगों में भारी मतभेद हैं और सरकार जल्द ही मतभेद के चलते गिर जाएगी। सबसे बडी बात तो योगी और अमित शाह के बीच की नजदीकियां रही, जिसने तमाम चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है। देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण समारोह में एनडीए के प्रमुख सहयोगी दलों के प्रतिनिधियों को देख विपक्षी खेमे में बेचैनी होगा स्वाभाविक है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार के साथ ही टीडीपी प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी ने सबको आश्चर्य में डाल दिया। शपथग्रहण समारोह की सामूहिक तस्वीरों से ही एनडीएन ने राजनीतिक विरोधियों को संदेश भी दे दिया कि इंडिया धड़े ने चुनाव में क्यों और कैसे इतने बडे अंतर से मात खाई है। दूसरी ओर संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान इंडिया गठबंधन बंटा नजर आ रहा है। अडानी विवाद के मुद्दे पर इंडिया धड़े के प्रमुख सहयोगी तृणमूल कांग्रेस के साथ ही समाजवादी पार्टी ने भी अलग राग अलापना शुरू कर दिया है। अडानी के मुद्दे पर संसद में तो दोनों दलों ने विरोध प्रदर्शन से साफ तौर पर किनारा कर लिया। मामला तब और बिगड गया जब लोकसभा में सीटों के बैठने की व्यवस्था को लेकर सहयोगी दल कांग्रेस गठबंधन पर आग बबूला नजर आने लगे। दूसरी, तरफ पीएम मोदी की चंद्रबाबू नायडू और बिहार के सीएम नीतीश कुमार के साथ जिस गर्मजोशी से मुलाकात की तस्वीरें सामने आई है, उसने साफ संदेश दे दिया कि हम साथ-साथ हैं। मीडिया रिपोर्ट में लगातार आ रही थीं कि अमित शाह और यूपी के सीएम योगी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। दबी जुबान से ऐसा कहा जा रहा था कि शाह की तरफ से सीएम योगी को किनारे करने की कोशिश की जा रही है। शपथग्रहण में यह अफवाह भी तब हवा होती नजर आई जब मंच पर अमित शाह और सीएम योगी जिस तरह एक दूसरे के साथ बैठ कर गर्मजोशी से बातचीत करते दिखे। बिहार में चुनाव से पहले नीतीश कुमार जिस तरह से अमित शाह से मिले भी उसके भी राजनीतिक मायने लगाए जा रहे हैं। दोनों नेताओं ने एक दूसरे से अभिवादन के बाद काफी देर तक एक दूसरे का हाथ पकड़े नजर आए। इस दौरान दोनों नेताओं के चेहरे पर खिली मुस्कराहट पूरी कहानी अपने आप बयान कर रही थी। फडणवीस के शपथग्रहण समारोह में सीएम योगी और नीतीश कुमार की जुगलबंदी देखते ही बन रही थी। संसद में वक्फ बिल को लेकर विपक्षी दलों की तरफ से विरोध जारी है। इसके साथ ही टीडीपी के सांसद की तरफ से बिल को लेकर सत्ता के रुख के विपरीत बातें सामने आईं थी। इस बीच वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर टीडीपी और बीजेपी में मतभेद की खबरें भी सामने आई थीं। लेकिन पीएम मोदी और नायडू ने जिस तरह से मंच पर एक दूसरे से मुलाकात कर बातचीत की उससे लगता नहीं कि बिल को लेकर दोनों में कोई मतभेद भी है।

सुनील कुमार महला

एआई चैटबॉट इंसान नहीं है

विज्ञान और तकनीक ने मानव को क्या नहीं दिया है ? मतलब यह है विज्ञान और तकनीक ने मानव को बहुत कुछ दिया है। आज एआई चैटबॉट का कंसेप्ट दुनिया में लगातार लोकप्रिय हो रहा है।एआई चैटबॉट्स की खास बातें यह हैं कि ये वास्तविक इंसान की तरह बातचीत कर सकते हैं। ये मानव भाषाओं का यथा उनकी शब्दावली, व्याकरण, कठबोली और संदर्भ में विश्लेषण करने के लिए एडवांस एन.एल.पी.(नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग) का उपयोग करते हैं। वास्तव में ये टेक्स्ट और कॉन्वर्सेशन की महीन से महीन स्टडी कर सकते हैं क्योंकि ये डेटा से प्रशिक्षण लेकर मशीन लर्निंग पर काम करते हैं। प्रशिक्षण के आधार पर ये तुरंत कोई भी रिएक्शन जनरेट कर सकते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि चैटजीपीटी जैसे एआई चैटबॉट्स के पास तथ्यों और सूचनाओं का विशाल डेटाबेस उपलब्ध होते हैं जिसका उपयोग वे लगभग किसी भी विषय पर ज्ञानपूर्वक चर्चा करने के लिए कर सकते हैं। आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लगातार आगे बढ़ रही है और एआई चैटबॉट्स एक यूनिक पर्सनालिटी की भांति काम करने लगे हैं। एआई चैटबॉट मनुष्य को किसी रेसिपी में मदद कर सकते हैं, विभिन्न भाषाओं में बातचीत कर सकते हैं, विभिन्न विषयों पर बहस कर सकते हैं, विचारों को विकसित कर सकते हैं, जीवन के विभिन्न पहलुओं, चीजों पर हम एआई चैटबॉट्स की राय ले सकते हैं। कुल मिलाकर यह बात कही जा सकती है कि आज एआई के एडवांस होने के साथ ही साथ एआई चैटबॉट काफी अधिक स्मार्ट हो चुके हैं। संक्षेप में यह बात कही जा सकती है कि आज एआई चैटबॉट्स त्वरित और सटीक जानकारी देने, विभिन्न कार्यों में मनुष्य की सहायता करने, भाषा कौशल(लैंग्वेज स्किल्स) का अभ्यास करने, लेखन में सुधार करने, कोडिंग सिखाने और मनोरंजन करने की क्षमता के कारण लोकप्रिय हो रहे हैं। सच तो यह है कि आज जीवन की विभिन्न समस्याओं को हल करने के लिए चैटबॉट की ओर लोगों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। यहां तक कि रिश्तों और भावनाओं को निभाने में भी एआई चैटबॉट आज आगे आया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज मनुष्य रिश्तों और भावनाओं के लिए भी टेक्नोलॉजी पर निर्भर हो गया है। इससे मनुष्य के समक्ष अकेलेपन का खतरा बढ़ा है। लेकिन मनुष्य को आज यह समझने की जरूरत है कि मशीन आखिर मशीन होती है और मशीन में कभी मनुष्य की भांति भावनाएं नहीं हो सकतीं हैं। यह बहुत ही गंभीर और संवेदनशील है कि आज मनुष्य तकनीक और विज्ञान पर इतना अधिक आधारित हो चुका है कि वह चैटबॉट को अपना दोस्त, अपना परिवार, अपना सबकुछ मानने लगा है। वास्तव में यह दर्शाता है कि जनरेटिव एआई आज हमारे निजी व पेशेवर जीवन में लगातार अपनी पैठ बना रहा है। वास्तव में आज मनुष्य को यह समझने की जरूरत है कि एआई चैटबॉट इंसान नहीं है। यह बहुत चिंताजनक है कि आज मनुष्य, विशेषकर विकसित देशों में, नकली मनुष्य बनाने की कॉर्पोरेट होड़ में लगा हुआ है। यह ठीक है कि आज एआई हमारी दुनिया में क्रान्ति ला रहा है।

एआई ने हमारे रोज़मर्रा के कामों और चुनौतियों के प्रति हमारे दृष्टिकोण को बदला है।

बंगाल सीमा पर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए मिलकर काम करें

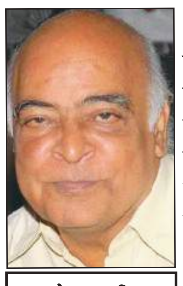

अशोक भाटिया

भारत पूरी दुनिया में एक लीडर के रूप में उभरता हुआ देश बन रहा है। आज दुनिया में कहीं भी संकट आए भारत फर्स्ट रेस्पोंडर के रूप में सामने आता है। कोरोना के समय में भारत ने 150 से ज्यादा देशों को दवाइयां भेजीं, कहीं भूकंप आए कहीं साइक्लोन आए या गृह युद्ध हो, भारत मदद के लिए सबसे पहले पहुंचता हैं। आज का भारत दुनिया में एक नए कैटेनिक एजेंट के रूप में उभर रहा है। इसका प्रभाव हर सेक्टर में दिख रहा है । ग्लोबल ग्रोथ, ग्लोबल पीस, ग्लोबल क्लाइमेट एक्शन को स्पीडअप करने में भारत का रोल अहम होगा। ग्लोबल इनोवेशन हो या ग्लोबल सप्लाई चेन में स्टैबिलिटी लाना हो, सभी में भारत का रोल अहम होगा।भारत के लिए शक्ति और सामर्थ्य का अर्थ है ज्ञानायः, दानायः च रक्षणायः... यानी नॉलेज इज फॉर शेयरिंग, वेल्थ इज फॉर केयरिंग, पावर इज फॉर प्रोटेक्टिंग। इसलिए भारत की प्राथमिकता दुनिया अपना दवाब बढ़ाने की नहीं, बल्कि अपना प्रभाव बढ़ाने की रही है। यह प्रधानमंत्री मोदी का ही समर्थ था कि क़तर में भारत को कूटनीतिक जीत मिली और 8 भारतीय कतर की जेल से बाहर आ गए। सभी इस राहत का श्रेय भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते रहे हैं। जब भारत इतना समर्थवान है तो यह प्रश्न उठना लाजमी है कि बंगाल की सीमा के दोनों ओर अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय हो रहा है उसे बचाने में मोदी सरकार समर्थ क्यों नहीं है । आज देश का बच्चा बच्चा बोल रहा है कि पाकिस्तान की राह पर चले बांग्लादेश को सबक सिखाना निहायत जरूरी हो गया है क्योकि बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा का दौर थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। अब तो वहां 'सर तन से जुदा 'के नारे भी खुलेआम लगाये जा रहे है। वहां के हिन्दुओं के सामने जीवन मरण का प्रश्न उठ गया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार स्थिति को सुधारने में कोई पहल नहीं कर रही है। उल्टे बांग्लादेश की पुलिस और सेना भी कट्टरपंथी ताकतों की मदद कर रही है। बांग्लादेश के हिन्दु अपनी रक्षा की गुहार लगा रहे है लेकिन भारत सरकार भी उनकी आवाज नहीं सुन रही है। भारत अभी भी सदाशयता का परिचय दे रहा है। और बांग्लादेश सरकार से हिन्दुओं की रक्षा के लिए कदम उठाने की मांग कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर रहा है। जबकि बांग्लादेश के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने में उसे नहीं हिचकना चाहिए। संसद में भी अन्य तमाम मुद्दो की चर्चा हो रही है। लेकिन बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रही हिंसा के मामले में हमारे माननीय मौन धारण किये हुए है। सभी विपक्षी पार्टियां इस मामले में चुप्पी साधी हुई है जो हैरत की बात है। अलबत्ता बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने जरूर इस मामले को लेकर तिखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने केन्द्र सरकार से मांग की है कि वह बांग्लादेश के खिलाफ तत्काल कड़े कदम उठाये। बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार का मामला संयुक्त राष्ट्र में उठाये और वहां शांति सेना भेजने की मांग करें। ममता बनर्जी ने कहा है कि यह दो देशो के बीच का मामला है इसलिए वे बंगाल की मुख्यमंत्री होने के नाते कुछ नहीं कर सकती। लेकिन केन्द्र सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिए। और बांग्लादेश में रहने वाले लगभग डेढ़ करोड़ हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहिए। ममता बनर्जी की यह मांग वाजिब है और इससे प्रेरणा लेकर सभी विपक्षी पार्टियों को सरकार पर दबाव बनाना चाहिए कि वह बांग्लादेश के मामले में धूलमूल रवैया छोड़े और कारगर कदम उठाये। सोशल मीडिया पर भी लोगों का ओक्रोश अब फूटने लगा है। साधु संतो ने भी इस पर गंभीर चिन्ता जताते हुए भारत सरकार से अनुरोध किया है कि वह बांग्लादेश के हिन्दुओं की रक्षा के लिए यथासिद्ध प्रभावी पहल करे। किन्तु अभी तक भारत सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। लोग समझ नहीं पा रहे है कि बांग्लादेश जैसा एक छुटभैया देश वहां रह रहे हिन्दुओं पर अत्याचार करने का दुहसाहस दिखा रहा है और भारत जैसा शक्तिशाली देश उसके खिलाफ क्यों कोई कड़े कदम नहीं उठा पा रहा है। भारत को इजरायल से सबक सिखना चाहिए जो अपने नागरिकों की रक्षा के लिए लगातार जंग लड़ रहा है। यह ठीक है कि भारत बांग्लादेश के खिलाफ सैन्य कार्यवाही करने से पहले कई बार सोचने पर बाध्य होगा लेकिन भारत सरकार बांग्लादेश को सब सिखाने के लिए उसके साथ अपने व्यापारिक और राजनयिक संबंध को तोड़. ही सकती है। भारत अभी भी तो इतना ही कर ले तो भी बांग्लादेश घुटनों पर आ जायेगा। बांग्लादेश के सामने भी पाकिस्तान का उदाहरण है कि जिसके साथ भारत ने अपने व्यवसायिक संबंध तोड़ लिये तो वहां की पूरी अर्थव्यवस्था चौपट हो गई और महंगाई में लोगों का जीना मुहाल कर दिया। पाकिस्तान को तो खैर चीन का सहयोग भी मिल रहा है। जिसकी वजह से वहां भूखमरी के हालात पैदा नहीं हुए है। लेकिन बांग्लादेश तो भूखो मरने पर बाध्य हो जायेगा। बहरहाल बांग्लादेश में हिंसा का तांडव बहुत हुआ। अब वहां हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा रूकनी ही चाहिए और इसके लिए भारत को कड़े से कड़े कदम जल्द से जल्द उठाने चाहिए। ममता बनर्जी की मांग के अनुसार भारत को यह मामला संयुक्त राष्ट्र में ले जाना चाहिए और बांग्लादेश मे संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना भेजने की मांग पूरजोर ढंग से उठानी चाहिए तभी बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रही हिंसा बंद होगी। ममता द्वारा उठाई गई आवाज़ के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों ने पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यक अधिकारों, सांप्रदायिक सद्भाव और CAA पर बहस को भी फिर से हवा दे दी है। इस नए सियासी माहौल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी दल बीजेपी दोनों ही अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के मुद्दे का इस्तेमाल कर रहे हैं। बीजेपी ने TMC पर पश्चिम बंगाल में हिंदुओं के हितों की रक्षा करने में नाकाम रहने और बांग्लादेश में उनकी दुर्दशा पर आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा, 'बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा सिर्फ बांग्लादेश का मुद्दा नहीं है। यह एक मानवीय संकट है जो सीधे बंगाल को प्रभावित करता है। तृणमूल कांग्रेस की चुप्पी और तुष्टीकरण की सियासत हिंदू समुदाय के साथ विश्वासघात है।' BJP ने बांग्लादेश में हिंदुओं के अधिकारों की रक्षा के लिए भारत सरकार से और अधिक मजबूत प्रतिक्रिया की मांग करते हुए पूरे पश्चिम बंगाल में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए हैं। BJP ने इस मुद्दे को CAA को लागू करने के अपने लंबे समय से चले आ रहे वादे से जोड़ने की भी कोशिश की है, जो बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में सताए गए अल्पसंख्यकों को भारत की नागरिकता प्रदान करता है। मजूमदार ने कहा, 'बांग्लादेश की हिंसा से बचकर आ रहे हिंदुओं को भारत में उनके अधिकारों और सम्मान का आश्वासन दिया जाना चाहिए।' विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने भी कुछ ऐसी ही बात की और कहा कि बांग्लादेश में अशांति का पश्चिम बंगाल पर 'जरूर असर' पड़ेगा। अधिकारी ने कहा, 'जहां भी हिंदुओं पर हमला होगा, हम न्याय के लिए लड़ेंगे। CAA के प्रति तृणमूल कांग्रेस का विरोध उनके तुष्टीकरण के एजेंडे को दर्शाता है।' अधिकारी ने सीमा पार सताए गए हिंदुओं के जीवन और रोजगार की रक्षा करने की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इच्छाशक्ति पर सवाल उठाया।

अधिकारी ने कहा, 'उनके सांसदों को इस मामले को संसद में उठाना चाहिए, जो उनकी सही राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतिबिंब है। यह कोई सियासी मुद्दा नहीं है, बल्कि बांग्ला भाषी हिंदुओं के अस्तित्व का संकट है। सीएम को राजनीति से ऊपर उठकर उनके साथ खड़ा होना चाहिए।' बीजेपी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए हैं और विश्व हिंदू परिषद ने भी अपने आंदोलन को तेज कर दिया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के मुद्दे को लेकर अन्य विपक्षी दल भी सक्रिय हो गए हैं।

सियासत में स्लोगन का जलवा

राधा रमण

इस में दो राय नहीं हो सकती कि महाराष्ट्र में महायुति (भाजपा, शिवसेना और एनसीपी) की प्रचंड जीत में कई अन्य कारणों के अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के राजनीतिक नारे 'बंटेंगे तो कटेंगे' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सियासी तीर 'एक हैं तो सेफ हैं' की अहम्‌ भूमिका रही। दोनों शीर्ष नेताओं ने अपने राजनीतिक नारे से हरियाणा के अलावे झारखंड और महाराष्ट्र के हिन्दू मतदाताओं को न सिर्फ एकजुट किया बल्कि ईवीएम से भर-भर कर वोट बरसाए। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व तो काफी दिनों से देश की राजनीतिक लड़ाई को हिन्दू-मुस्लिम की धरातल पर लड़ने को आतुर था। भाजपा के नेता जानते हैं कि लंबे समय तक शासन करने के लिए अपना मजबूत वोट बैंक बनाना जरूरी है और यह तभी संभव है जब मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग उनके साथ रहे। खास बात यह कि इस नारे को सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने वाला बताकर विपक्ष भाजपा के बुने जाल में उलझकर पराजय दर पराजय झेलने को अभिशप्त हो गया।

व्यावहारिक तौर पर भी देखें तो दोनों राजनीतिक नारे तर्क सम्मत हैं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। हम बचपन से यह कहते-सुनते रहे हैं कि 'बंद मुट्ठी लाख की, खुल गई तो ख़ाक की'। योगी जी ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' कहकर उसी बात को थोड़ी ऊर्जा के साथ कहने की कोशिश की है। और तो और, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक हैं तो सेफ हैं' कहकर योगी जी के नारों को ही परिष्कृत तथा शालीनता प्रदान कर दिया है। कहने की जरूरत नहीं कि दोनों ही नारों का उद्देश्य एक ही है। बस कहने का तरीका अलग- अलग है। भले ही अटकलें और अर्थ लगानेवाले अपने हिसाब से इसका विश्लेषण करते रहें। याद कीजिए कि महाराष्ट्र की सियासत में 'हिन्दू हृदय सम्राट' कहे जानेवाले बाला साहेब ठाकरे ने सबसे पहले 80 के दशक में मुंबई के शिवाजी पार्क स्थित अपनी सार्वजनिक सभा में कहा था कि 'अगर हमारी सभा में कोई मुसलमान बैठे हों तो कृपया चले जाएँ। इसलिए कि मैं उनके लिए कुछ नहीं कहूँगा और अगर वे बैठे रहे तो बेवजह उन्हें तकलीफ होगी।' इतिहास गवाह है कि उसके बाद मुंबई और महाराष्ट्र ने बाला साहेब को कैसे सिर माथे पर बिठाया था। बाद के दिनों में कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, हरियाणा, बिहार, उत्तरप्रदेश समेत कई राज्यों के कुछ भाजपा नेता यह कहकर कि 'उन्हें मुसलमानों के वोट नहीं चाहिए', संसद और विधानसभा में पहुँच गए। लेकिन अब समय बदल गया है और सियासत का मूड भी। राजनीतिक कटुता इतनी कभी नहीं थी, जितनी अब है। मतभेद अब मनभेद में बदल गया है। बात-बात पर मुकदमेबाजी हो रही है। राजनेता एक दूसरे को गुंडा, मवाली और न जाने क्या-क्या कहने लगे हैं। नेताओं की कथनी और करनी में विद्रूपता देखिए कि अपने देश में राजनेता बातें तो बड़ी-बड़ी करते हैं लेकिन चुनाव जाति, धर्म और संप्रदाय के आधार पर लड़ते हैं। ऐसे में योगी-मोदी ने समाज के एक बड़े वर्ग को अपने साथ लाने के लिए 'बंटेंगे तो कटेंगे' और 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा उछाल कर बड़ा दांव चल दिया है। विपक्ष के पास फिलहाल इसका कोई जवाब नहीं दिखाई देता। हरियाणा और महाराष्ट्र की विजय तो इसकी झांकी मात्र है। इसकी धमक और अनुगूंज दूर तलक जाएगी। इस बार भी दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव में इस नारे का असर तो दिखा ही उपचुनाओं में भी बड़ा उलटफेर हो गया। बिहार की चारों सीटों पर एनडीए को विजय मिली। इनमें से इमामगंज को छोड़कर बाकी शेष सभी सीटों बेलागंज, रामगढ़ और तरारी पर लंबे समय से राष्ट्रीय जनता दल और माले का कब्ज़ा था। बिहार के चारों सीटों पर उपचुनाव इसीलिए कराया गया था कि वहाँ के विधायक सांसद बन गए थे। उत्तरप्रदेश में योगी आदित्यनाथ के इसी नारे ने मतदाताओं पर इतना असर डाला कि भाजपा नौ में से पाँच सीट हासिल करने में सफल हो गई। एक सीट राष्ट्रीय लोकदल को मिली जो एनडीए का घटक दल है। आश्चर्य तो यह कि भाजपा इस बार मुस्लिम बहुल कुंदरकी की सीट पर पहली बार विजय पताका फहराने में सफल रही और वह भी 1.41 लाख मतों के अंतर से। इसी तरह राजस्थान के झुंझनूं विधानसभा सीट पर लगभग चार दशक से कांग्रेस का कब्ज़ा था। इस बार वह सीट भाजपा के पाले में आ गई। राजस्थान के नागौर जिले के खींवसर विधानसभा सीट पर उस इलाके में अपराजेय समझे जानेवाले आरएलपी सांसद हनुमान बेनीवाल की पत्नी को पराजय का सामना करना पड़ा। क्या इसे इन नारों का असर कहना अतिशयोक्ति होगी! कहने की जरूरत नहीं कि झारखंड में भाजपा बहमत पाने में इसलिए पिछड़ गई कि वहाँ असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने घुसपैठ के मुद्दे पर अधिक फोकस किया था, जबकि झारखंड में घुसपैठ कभी प्रभावकारी मुद्दा नहीं रहा। घुसपैठ असम के लिए भले ही प्रभावकारी मसला हो सकता है, झारखंड के संथालपरगना के कुछ इलाकों को छोड़ दिया जाए तो राज्य में इसका कहीं असर नहीं है। बेशक, अगर भाजपा झारखंड में भी 'बंटेंगे तो कटेंगे' और 'एक हैं तो सेफ हैं' के सहारे चुनावी मैदान में जाती तो परिणाम चौंकानेवाले होते।

यह कहना या समझना भी ठीक नहीं होगा कि योगी-मोदी के नये नारे से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहमति नहीं है। भले ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत बार-बार यह कहते हैं कि हिन्दुस्तान में रहनेवाला हर व्यक्ति हिन्दू है। लेकिन संघ प्रमुख की इन बातों से न तो संघ समर्थक अधिकांश स्वयंसेवक इत्तिफाक रखते हैं और न ही मुसलमानी अवाम। संघ भी हमेशा से हिन्दू-मुस्लिम ध्रुवीकरण का हिमायती रहा है। उसकी इसी आइडियोलॉजी का तो कथित धर्मनिरपेक्ष दल और मुसलमानों की बड़ी आबादी विरोध करती रही है। वरना संघ के सेवा कार्य, समाज सुधार और योग-कसरत से भला किसे एतराज हो सकता है! यह भी सच है कि अपने स्थापना काल से ही संघ में किसी महिला या मुसलमान को कोई शीर्ष पद नहीं मिला है। यही वजह है कि मुट्ठीभर बुद्धिजीवी मुसलमानों के अलावा मुसलमानों के बड़े तबके का कभी संघ को समर्थन नहीं मिला है।बहरहाल, 'बंटेंगे तो कटेंगे' और 'एक हैं तो सेफ हैं' नारे की बदौलत महाराष्ट्र के चुनावी समर में विजय पताका फहराने के बाद भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े लोग इसे आगामी चुनावों में भी भुनाने की पुरजोर कोशिश करेंगे।

वक्फ बोर्ड ने छोड़ा यूपी कॉलेज से दावा

अजय कुमार

बढ़ते विवाद के बाद उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने वाराणसी के यूपी कॉलेज परिसर पर अपना दावा छोड़ दिया है। यह बात बोर्ड के किसी सदस्य ने तो नहीं बताई लेकिन कालेज के प्राचार्य डॉ धर्मेंद्र कुमार सिंह का तो यही दावा है। इसी सिलसिले में प्राचार्य ने पत्र भी जारी किया है। प्राचार्य ने कहा कि अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के संयुक्त सचिव ने साफ बता दिया है कि बोर्ड की तरफ से 18 जनवरी 2021 को जारी नोटिस निरस्त किया जा चुका है। अब विवाद का कोई मतलब नहीं है। परीक्षा के साथ पठन-पाठन का काम ठीक से चलना चाहिए। मजार पर सामान्य दिन हो या पर्व, किसी भी दिन साउंड या झालर लगाना या किसी तरह के अन्य आयोजन पर भी प्रतिबंध होगा। वहीं यूपी कॉलेज परिसर की मजार पर नमाज और विवाद के बीच पुलिस, प्रशासन की सख्ती बरकरार है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल भी टीम के साथ यूपी कॉलेज पहुंचे और एक-एक पॉइंट पर जाकर सुरक्षा के साथ कानून व्यवस्था की जानकारी ली। पुलिस आयुक्त ने साफ कहा कि कॉलेज परिसर में बाहरी व्यक्ति का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। फोटोयुक्त पहचान पत्र दिखाकर ही छात्र-छात्रा, शिक्षक और कर्मचारी कॉलेज परिसर में प्रवेश कर सकेंगे।

इसके लिए परिसर के बाहरी और आंतरिक हिस्से में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। दो छात्रावासों में पीएसी के जवान रोके गए हैं। अर्दली बाजार, गिलट बाजार और शिवपुर पुलिस सतर्क है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि बाहरी लोगों को रोकने के लिए बोर्ड लगवाए गए हैं। परीक्षा का समय है। इसमें किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न नहीं होने दिया जाएगा। दरअसल वक्फ बोर्ड ने अपनी दावेदारी ऐसे ही वापस नहीं ली है। प्राचार्य ने कहा कि यूपी कॉलेज में वक्फ बोर्ड की कोई संपत्ति नहीं है। मस्जिद या मजार के नाम पर खतौनी में कुछ नहीं है। छात्रों का आंदोलन चल रहा था। यूनिवर्सिटी की मान्यता पाने के लिए कोई दिक्कत नहीं आएगी। बाहर से आकर नमाज पढ़ने वालों को कैंपस में आने की अनुमति नहीं दी जायेगी। कॉलेज परिसर में रहने वाले जो कई साल से नमाज पढ़ रहे हैं, उन्हीं को यहां आने दिया जाए। यदि कम संख्या में नमाजी आएंगे तो छात्रों को भी आपत्ति नहीं होगी। शांति व्यवस्था बनी रहेगी। आधार कार्ड देखने के बाद ही नमाजियों को परिसर में प्रवेश दिया जाना चाहिए। वक्फ बोर्ड के दावेदारी छोड़ने के बाद यूपी कॉलेज के प्राध्यापक, वर्तमान और पूर्व छात्र, कॉलेज से जुड़े सदस्य और काशी के लोगों से आग्रह है कि वक्फ के दावे संबंधी मामला अब समाप्त हो गया है। सभी लोग आपसी भाईचारा और सौहार्द्र बनाए रखे। यहां पठन-पाठन के अलावा दूसरा कोई काम नहीं किया जाना चाहिए।

क्या नये कानूनों से त्वरित न्याय मिल सकेगा ?

रामस्वरूप रावतसरे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में चंडीगढ़ में कहा था कि नए आपराधिक कानूनों के तहत त्वरित न्याय संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि अपराधियों के लिए 'तारीख पे तारीख' या लंबे समय तक चलने वाले मुकदमे के दिन अब खत्म हो गए हैं। पीएम ने तीन नए आपराधिक कानूनों के सफल क्रियान्वयन को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि भारतीय न्याय संहिता समानता, सद्भाव और सामाजिक न्याय के आदर्शों से बुनी गई है।

लीगल एक्सपर्ट के अनुसार, पीएम मोदी ने जो भी कहा, वह अभी दूर की कौड़ी है। दरअसल, ये कानून इसी साल जुलाई से लागू हुए हैं। देश में पहले से ही 5 करोड़ केस लंबित हैं, उनका निपटारा होने में ही बरसों लग जाएंगे। देश की सभी अदालतों में मौजूदा वक्त में करीब 5 करोड़ केस लंबित हैं। ये केस पुराने कानूनों के तहत निपटाए जाएंगे। इन केसों की निपटाने की रफ्तार इतनी धीमी है कि इन्हें पूरी तरह से निपटाने में ही बरसों लग जाएंगे। 2018 में नीति आयोग ने तो कहा था कि अगर नए केस को छोड़ दें तो भी इन केस को निपटाने में 324 साल लग जाएंगे। जानकारी के अनुसार ये सभी 5 करोड़ केस भारतीय न्याय संहिता के इस साल जुलाई में लागू होने से पहले के ही हैं। ऐसे में इन मामलों की सुनवाई पुराने कानूनों के तहत ही होगी। इन पर नया कानून लागू नहीं होगा। जहां तक कुछ मामलों में जल्द सुनवाई की बात है तो यह तो पहले भी फास्ट ट्रैक कोर्टों में हुआ करता था। यहां तक कि रेप और हत्या के मामलों में भी 3 महीने में ही सजा सुनाए जाने के उदाहरण हैं। कोलकाता के आर जी कर रेप-मर्डर केस अगस्त में दर्ज हुआ था। 4 नवंबर को पश्चिम बंगाल की सियालदह कोर्ट ने मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप तय कर दिए। इस मामले में 11 नवंबर से मुकदमे की रोजाना सुनवाई होनी है। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में 8 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर किया गया था। यह केस नए कानून के तहत ही दर्ज हुआ होगा। बताया जा रहा है कि 3 महीने बीतने के बाद भी अभी तक इस मामले की सुनवाई भी ठीक से शुरू नहीं हो पाई है। इंडियन ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड के अनुसार भारत में अदालती मामलों का लंबित होने का मतलब है सभी न्यायालयों में पीड़ित व्यक्ति या संगठन को न्याय प्रदान करने में देरी का होना है। 2022 में पूरे भारत में लंबित रहने वाली सभी कोर्ट केस की संख्या बढ़कर 5 करोड़ हो गई, जिसमें जिला और उच्च न्यायालयों में 30 से भी अधिक वर्षों से लंबित केसों की संख्या 1.69 लाख हो चुकी है। दिसंबर 2022 तक 5 करोड़ मामलों में से 4.3 करोड़ यानी 85 प्रतिशत से अधिक मामले सिर्फ जिला न्यायालयों में लंबित हैं। इन 5 करोड़ लंबित मामलों में सरकार खुद सबसे बड़ी वादी है, जहां 50 प्रतिशत लंबित मामले सिर्फ राज्यों की ओर से हैं। भारत में दुनिया के सबसे अधिक अदालती मामले लंबित हैं। अदालतों में देरी होने से पीड़ित और आरोपी दोनों को न्याय दिलाने में देरी होती है। अप्रैल 2022 में बिहार राज्य की एक अदालत ने 28 साल जेल में बिताने के बाद सबूतों के अभाव में हत्या के एक आरोपी को बरी कर दिया। उसे 28 साल की उम्र में गिरफ्तार किया गया था और 58 साल की उम्र में बिना मुकदमे के रिहा किया गया। जानकारों का कहना है कि लंबित मामलों की वजह से भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को 1.5 प्रतिशत -2 प्रतिशत तक का घाटा होता है। लंबित रहने की बड़ी वजह जजों और गैर-न्यायिक कर्मचारियों की कम संख्या होना है। 2022 में भारत में जजों की स्वीकृत संख्या प्रति दस लाख आबादी पर 21.03 की थी जबकि, जजों की असली संख्या प्रति दस लाख आबादी पर 14.4 थी। जजों की कुल स्वीकृत संख्या सुप्रीम कोर्ट में 34, हाईकोर्टों में 1108 और जिला अदालतों में 24,631 थी। भारत के विधि आयोग और जस्टिस वीएस मलीमथ की समिति ने जजों की संख्या प्रति दस लाख आबादी पर 50 तक बढ़ाने की सिफारिश की थी। सुप्रीम कोर्ट के समस्त खर्च केंद्र सरकार उठाती है। वहीं, हर राज्य के हाईकोर्ट और डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के खर्चों को संबंधित राज्य सरकार वहन करती है। 2018 तक, न्यायपालिका पर सभी खर्च का 92 प्रतिशत हिस्सा राज्यों ने वहन किया था। 2019 में भारत ने अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 0.08 प्रतिशत न्यायपालिका पर खर्च किया। दिल्ली को छोड़कर (जिसका बजट राज्य की कुल जीडीपी का 1.9 प्रतिशत है) सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने वार्षिक बजट का 1 प्रतिशत से भी कम न्यायपालिका पर आवंटित किया था। वहीं, अमेरिका अपने वार्षिक बजट का 2 प्रतिशत न्यायपालिका पर खर्च करता है। कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने 2022 में राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि सितंबर 2022 तक देश भर की निचली अदालतों में 1.76 करोड़ से ज्यादा मामलों का निपटारा किया है। हाई कोर्ट ने लगभग 15 लाख, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर 2022 तक 29 हजार से ज्यादा मामले निपटाए।

वो था महाभारत का सबसे सत्यवादी शख्स, ये युधिष्ठिर नहीं

खूबसूरत अप्सरा हुई उसकी दीवानी

महाभारत में केवल एक शख्स ऐसा है जिसने कभी कोई झूठ नहीं बोला हमेशा सच ही कहा उन्हें युधिष्ठिर से बड़ा सत्यवादी और सच की राह पर चलने वाला पाया गया ये शख्स ताजिंदगी अविवाहित रहा उन्हें दो महिलाओं ने शादी करने का प्रस्ताव दिया तो उन्होंने इनकार कर दिया स्वर्ग की अप्सरा उर्वशी तो उनके आकर्षण में बंधी पृथ्वी तक चली आई कई तरीके से उन्हें रिझाने की कोशिश की ये शख्स भीष्म पितामह थे, जिन्होंने कभी झूठ नहीं बोला अपने दिए गए वचनों का आजीवन पालन किया उन्होंने महाभारत में सबसे लंबी जिंदगी जी तीन पीढ़ियों का साथ दिया उनका वास्तविक नाम देवव्रत था उनके जीवन के बड़े सच आगे बताएंगे और ये भी कि किस तरह उर्वशी उनके प्यार में पागल हो गई थी देवव्रत ने पिता राजा शांतनु को प्रसन्न करने और उनकी इच्छाओं की पूर्ति के लिए आजीवन ब्रह्मचर्य का व्रत लिया राजगद्दी छोड़ दी उनकी इस महान प्रतीज्ञा के कारण उन्हें "भीष्म" की उपाधि मिली पांडवों के लिए वो पितामह थे लिहाजा वह भीष्म पितामह कहे जाने लगे हमेशा सच पर टिके रहे, कभी कोई झूठ नहीं बोला भीष्म ने हर परिस्थिति में धर्म और सत्य का पालन किया, चाहे वह उनके लिए कितना भी कष्टदायक क्यों न हो उन्होंने कौरवों का पक्ष केवल अपने वचन के कारण लिया, भले ही वह जानते थे कि पांडव धर्म के मार्ग पर हैं उनकी पांच बड़े सच के बारे में हम आगे बताएंगे लेकिन पहले ये जान लीजिए कि किस तरह भीष्म को दो महिलाओं ने शादी का प्रस्ताव दिया और वह नहीं माने

कौन थी विवाह का प्रस्ताव देने वाली पहली स्त्री

पहली स्त्री अंबा थीं, जो काशी नरेश की बेटी थीं भीष्म पितामह ने अपने भाइयों (विचित्रवीर्य और चित्रांगद) के लिए काशी की तीन राजकुमारियों (अंबा, अंबिका, और अंबालिका) का स्वयंवर जीतकर हरण किया हालांकि अंबा पहले से ही शाल्व राजा से प्रेम करती थीं उनसे विवाह करना चाहती थी जब भीष्म ने यह सुना, तो उन्होंने उन्हें वापस जाने दिया, लेकिन शाल्व ने उन्हें अस्वीकार कर दिया क्योंकि वह भीष्म द्वारा हरण की जा चुकी थी अब अंबा वापस भीष्म के पास वापस लौटीं उन्होंने भीष्म से प्रतिज्ञा तोड़कर उनसे शादी की मांग की भीष्म ने अपने ब्रह्मचर्य व्रत और प्रतिज्ञा के कारण इसे अस्वीकार कर दिया तब अंबा ने प्रतिज्ञा की कि वह भीष्म के विनाश का कारण बनेगी उसने कठोर तपस्या कर भगवान शिव से वरदान पाया अगले जन्म में शिखंडी के रूप में जन्म लेकर कुरुक्षेत्र युद्ध में भीष्म की मृत्यु का कारण बनी

स्वर्ग की अप्सरा कैसे पड़ीं प्यार में

अब आइए जानते हैं कि कैसे स्वर्ग की अप्सरा उर्वशी भी भीष्म के प्यार में पड़ गईं वह किसी भी हालत में उनसे शादी करना चाहती थीं महाभारत के अधिकांश प्रमुख संस्करणों में उर्वशी और भीष्म पितामह की कहानी का उल्लेख नहीं मिलता है यह कथा महाभारत के मूल पाठ से अधिक लोक कथाओं और बाद के ग्रंथों में पाई जाती है भीष्म पितामह यानि देवव्रत जब युवा थे, तो उनकी वीरता, तप और तेजस्विता की ख्याति हर ओर फैल चुका थी उनका व्यक्तित्व सुदर्शन और सुंदर था इससे स्वर्ग की अप्सराएं भी उन्हें पाना चाहती थीं

उर्वशी को लगा कि वह रूप का जादू चला सकेंगी

अप्सरा उर्वशी अपने सौंदर्य और आकर्षण के लिए प्रसिद्ध थीं वह भीष्म की दीवानी हो गईं उन्हें अपनी सुंदरता पर बहुत घमंड था उर्वशी ने सोचा कि वह निश्चित तौर पर शांतनु को अपने रूप और मोहकता से आकर्षित कर लेगी वह तब उनके आकर्षण में बंधकर अपना व्रत तोड़ देंगे और तब वह उनसे शादी कर लेंगी उर्वशी ने स्वर्ग से आकर भीष्म को रात में अपने मोहक नृत्य और सुंदर वेशभूषा से रिझाने की कोशिश की वह वास्तव में एकतरफा तौर पर उनके प्रेम में दीवानी हो चुकी थीं

उन्होंने भीष्म को प्रेम और विवाह का प्रस्ताव दिया भीष्म पितामह ने उर्वशी के प्रस्ताव को विनम्रता से ठुकरा दिया उन्होंने कहा कि उन्होंने आजीवन ब्रह्मचर्य का व्रत लिया है लिहाजा उनके जीवन में किसी भी स्त्री के लिए शारीरिक और मानसिक तौर पर कोई जगह नहीं है उर्वशी ने उन्हें हर तरह से समझाने की कोशिश की लेकिन भीष्म अडिग रहे तब उर्वशी समझ गई कि वह भीष्म को ना तो रिझा पाएंगे और ना ही चरित्र से डिगा पाएंगी उर्वशी वापस तो लौट गईं लेकिन आशीर्वाद भी देती गईं कि भीष्म का नाम हमेशा अमर रहेगा भीष्म के हमेशा सच बोलने की 4 मिसाल

1 सत्यनिष्ठा के साथ प्रतिज्ञा लेना (ब्रह्मचर्य व्रत)

जब उनके पिता शांतनु ने सत्यवती से विवाह की इच्छा व्यक्त की, तो सत्यवती के पिता ने अपने वंश की गद्दी पर दावा सुनिश्चित करने की शर्त रखी इस स्थिति में भीष्म ने प्रतिज्ञा की कि वे आजीवन ब्रह्मचारी रहेंगे कभी राजगद्दी का दावा नहीं करेंगे इस वचन को हमेशा सत्यनिष्ठा से निभाया।

2 युद्ध में भी सत्य बोलना

कुरुक्षेत्र युद्ध में भीष्म पितामह ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे कौरवों के पक्ष में युद्ध करेंगे, क्योंकि वे धृतराष्ट्र यानि राजगद्दी के प्रति निष्ठावान हैं लेकिन उन्होंने युद्ध से पहले पांडवों से ये सत्य भी साझा किया कि उनका अंत केवल शिखंडी के कारण संभव।

3 द्रौपदी के चीरहरण के समय धर्म का सत्य

जब द्रौपदी ने सभा में पूछा कि क्या युधिष्ठिर को उन्हें दांव पर लगाने का अधिकार था, तो भीष्म ने सत्य को स्वीकार करते हुए कहाः

"इस विषय में धर्म की व्याख्या जटिल है लेकिन ये स्पष्ट है कि तुम्हारे साथ जो हुआ है, वह अधर्म है युधिष्ठिर ऐसा नहीं कर सकते थे" उनका ये सच बेशक कौरवों के पक्ष में था"

4 मृत्युशय्या पर सत्य का उपदेश

जब भीष्म पितामह बाणों की शय्या पर लेटे थे, तब युधिष्ठिर ने उनसे धर्म और नीति से जुड़े प्रश्न पूछे भीष्म ने अंतिम समय तक केवल सत्य और धर्म का पालन करते हुए युधिष्ठिर को राजनीति, जीवन, और कर्तव्य के गूढ़ रहस्यों को बताया।

आज मनेगी भानु सप्तमी

हिन्दू धर्म में कई सालभर कई सारे व्रत और तयोहार आते हैं। फिलहाल, हिन्दू पंचांग का नौवां माह अगहन चल रहा है, जिसे मार्गशीर्ष नाम से भी जाना जाता है। इस महीने की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि के दिन भानु सप्तमी का व्रत रखा जाता है। यह दिन भगवान सूर्य को समर्पित है और ऐसा माना जाता है कि जो भी व्यक्ति इस दिन पूरी श्रद्धा के साथ पूजा करता है तो उसके जीवन में आने वाली तमाम तरह की परेशानियों से उसे मुक्ति मिलती है।

इस बार भानु सप्तमी 07 दिसंबर, शनिवार को शुरु हो रही है। व्रत रखने से जातक को आरोग्य की भी प्राप्ति होती है। इस व्रत को रखने से जानिए पूजा का शुभ मुहूर्त और साथ ही जानते हैं इससे होने वाले लाभ के बारे में।

कब है भानु सप्तमी और क्या है पूजा का मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार दिसंबर महीने में शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि की शुरुआत 07 दिसंबर को रात 11 बजकर 05 मिनट से होगी और इसका समापन 08 दिसंबर को सुबह 9 बजकर 44 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, भानु सप्तमी का व्रत 08 दिसंबर को रखा जाएगा। इस दिन पूजा के लिए सबसे शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजकर 01 मिनट से लेकर सुबह 06 बजकर 33 मिनट तक है।

भानु सप्तमी के दिन सूर्यदेव की पूजा करने के लाभ क्या है?

– पंडित जी के अनुसार, भानु सप्तमी के दिन सूर्यदेव की पूजा करने से कई प्रकार के रोगों से मुक्ति मिलती है।

– इस खास दिन भगवान सूर्य को अर्घ्य देने से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

– इस दिन सूर्य देव की पूजा से धन-धान्य में भी वृद्धि होती है।

– इस दिन दान-पुण्य करने का भी शुभ फल मिलता है।

– सूर्य देव की पूजा से आपको सम्मान मिलता है और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

घर की छत पर रोजाना बैठता है गिद्ध

क्या ये है अशुभ संकेत है या होने वाला है फायदा?

हिंदू धर्म में जैसे सभी देवी देवताओं का अपना अलग-अलग महत्व होता है, वैसे ही कुछ धारणाएं ऐसी भी हैं जो पशु पक्षियों को लेकर बताई गई हैं। यह परंपराएं प्राचीन काल से चली आ रही हैं। बड़े बुजुर्ग इन बातों का अक्सर जिक्र भी किया करते थे की कोई पशु या पक्षी दिखने पर क्या होता है। कुछ पक्षियों को लेकर भी यही धारणा बताई गई है कि उनका आपके पास रहना या घर पर बैठना अशुभ होता है। गिद्ध के छत पर बैठने पर कौन से अशुभ संकेत मिलते हैं, पक्षी राज गिद्ध अगर आपके घर या घर के पास पेड़ पर बैठता है तो हिंदू धर्म में यह अशुभ होता है। गिद्ध के बैठने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। गिद्ध का छत पर बैठना असाध्य बीमारी, मृत्यु आदि होने का प्रतीक माना जाता हैं। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार गिद्ध एक मांसाहारी पक्षी होता है। गिद्ध के बैठने से गंभीर बीमारी होने और बीमारी के बाद मृत्यु होने का प्रतीक माना गया है।

क्या है उपाय

ज गिद्ध के बैठने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए शास्त्रों में वैदिक मंत्रों से हवन यज्ञ करना ही एकमात्र उपाय बताया गया है। कहा जाता है कि गिद्ध के बैठने से घर में आने वाली नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करने के लिए भगवान विष्णु के मंत्रो से हवन करना चाहिए, जिससे घर की नकारात्मकता दूर हो जाती है।

भगवान विष्णु के मंत्रो से हवन यज्ञ करने पर घर में सकारात्मकता और विष्णु भगवान का वास होता है। अगर गिद्ध घर की छत पर बैठा है तो बिना देरी किए उसे वहां से उड़ा देना चाहिए और कुछ उपाय ऐसे करें की गिद्ध दोबारा आपके घर या घर के आसपास पेड़ पर ना बैठे। ऐसा करते समय उसे नुकसान न पहुंचे इस बात का ध्यान रखें।

मान-सम्मान में है कमी या पिता से अक्सर होती है अनबन? कुंडली में कमजोर है यह ग्रह

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार किसी भी व्यक्ति की कुंडली में ग्रहों की दिशा और दशा महत्वपूर्ण योगदान रखती है। क्योंकि, कोई भी ग्रह आपको शुभ और अशुभ दोनों ही तरह के प्रभाव देता है।

वहीं सभी ग्रहों की स्थिति सूर्य का स्थान निर्धारित करती है। यदि आपकी कुंडली में सूर्य कमजोर है तो जीवन में कई प्रकार की समस्याएं देखने को मिल सकती हैं। हालांकि, आप इसके संकेतों को पहचानकर प्रभाव से बचने के उपाय कर सकते हैं। आइए जानते हैं इन संकेतों के बारे में।

पिता से शत्रुता

यदि आपकी कुंडली में सूर्य की स्थिति कमजोर है तो आपके अपने पिता के संबंध ठीक नहीं रहेंगे।

यदि आप अपने पिता का कहा नहीं मानते हैं और उन पर विश्वास नहीं जताते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है। कुंडली में सूर्य की कमजोर स्थिति का।

स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं

यदि आपको लगातार बिना किसी वजह से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो रही हैं और इनका निदान भी नहीं मिलता तो समझ जाइए कि आपकी कुंडली में सूर्य कमजोर है। इसके अलावा यदि कोई लाइलाज बीमारी आपको हो गई है, जो समझ में भी नहीं आती यह भी कुंडली में सूर्य कमजोर होने का संकेत हैं।

कमजोर इच्छाशक्ति

यदि आपमें लगातार इच्छाशक्ति में कमी आ रही है और आपका मन किसी कार्य में भी नहीं लग रहा है तो यह भी एक संकेत है कि आपकी कुंडली में सूर्य कमजोर है। इसके अलावा यदि आप कोई कार्य कर रहे हैं और उसमें लगातार असफलता मिल रही है तो भी इस संकेत को नजअंदाज ना करें।

आत्म-निर्भरता की कमी

यदि आपकी कुडली में सूर्य की स्थिति कमजोर है तो आप कभी भी आत्मनिर्भर नहीं बन सकते।

कई बार यदि आप अपने किसी कार्य के लिए दूसरों की सलाह लेते हैं और उसके बाद भी कोई सही निर्णय खुद से नहीं ले पा रहे हों तो यह भी कुंडली में सूर्य कमजोर होने का संकेत है।

सफेद या काला! सपने में पीछा कर रहा है ये सांप

अक्सर लोग सोते समय कुछ ना कुछ सपना अवश्य देखते हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार स्वप्न व्यक्ति को भविष्य में होने वाली घटनाओं की ओर कुछ संकेत करता है। कुछ स्वप्न ऐसे होते हैं, जिनको देखने से बुरा प्रभाव पड़ सकता है और कुछ सब कुछ ऐसे होते हैं, जिनको देखने से जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। वहीं अक्सर ज्यादातर लोग अपने सपने में देखते हैं कि सांप उनका पीछा कर रहा है और वह भाग नहीं पा रहे हैं।

क्या कहते हैं देवघर के ज्योतिषाचार्य

नींद में स्वप्न आना आम बात है। कभी कोई स्वप्न हमें सुखद अनुभूति कराता है, तो कभी किसी सपने से हमें डरावनी अनुभूति होती है। अगर जातक अपने सपने में सांप को देख रहे हैं ,तो जरूरी नहीं है कि वह डरावना सपना ही हो। कभी-कभी सांप से जुड़े ऐसे सपने होते हैं, जो मनुष्य के लिए काफी लाभदायक होता है। जी हाँ अगर सपने में सांप आपका पीछा कर रहा हो तो समझ जाइए आपकी किस्मत बदलने वाली है। आपके जीवन के ऊपर सकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है।

इस रंग का साँप कर रहा पीछा तो होगा धनलाभ

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि अगर स्वप्न में मनुष्य को काला सांप उसका पीछा कर रहा हो या फिर आपके घर में काला सांप घुस रहा हो, तो मनुष्य के लिए काफी लाभदायक होता है। ऐसा स्वप्न आपकी किस्मत बदल देगा। आकस्मिक धन लाभ का योग बनेगा। मंद व्यापार चल पड़ेगा। कोई भी रुकावट कार्य पूर्ण हो जाएंगे, लेकिन वहीं स्वप्न में अगर सफेद रंग के सांप आपका पीछा कर रहा हो तो सावधान हो जाए आपको नुकसान हो सकता है। इसलिए स्वप्न में काले रंग का सांप देख रहे हैं तो घबराने की बात नहीं के लिए शुभ ही रहने वाला है।

दुनिया का पहला मंदिर जहां शिव जी बने वट वृक्ष

पूजा से मिटती हैं शारीरिक और मानसिक बीमारियां!

आश्रम एक ऐसी जगह होती है जो आत्मा को शांति देती है। भारत में कई आश्रम हैं, जहां हिंदू देवताओं की पूजा होती है, लेकिन गांधीनगर के आदलाज के पास शेरथा गांव में एक ऐसा आश्रम है, जहां किसी देवता की मूर्ति या शिवलिंग की पूजा नहीं होती। इस वडावाला महादेव आश्रम में भगवान शिव की पूजा वट वृक्ष के रूप में महामृत्युञ्जय मंत्र के जाप से की जाती है।

दुनिया का पहला ऐसा मंदिर

भगवान भोलेनाथ को वट वृक्ष के रूप में स्थापित किया गया है। इस दाढ़ी वाले महादेव को 2023 के पवित्र श्रावण मास के पहले सोमवार को स्थापित किया गया। ऐसा माना जाता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से पूजा करता है, भगवान भोलेनाथ उसकी सभी इच्छाओं और मनोकामनाओं को पूरा करते हैं। इस दाढ़ी वाले महादेव के मात्र दर्शन से शारीरिक और मानसिक बीमारियों से राहत मिलती है।

महामृत्युञ्जय मंत्र का महत्व

इस आश्रम में नियमित रूप से महामृत्युञ्जय मंत्र का जाप किया जाता है। इसका उद्देश्य समाज और राष्ट्र का निर्माण करना है। साथ ही, यह मंत्र हिंदू संस्कृति की रक्षा करने और समाज में सकारात्मकता फैलाने का काम करता है। यहां योग-प्राणायाम और ध्यान जैसे स्वास्थ्यवर्धक कार्य भी किए जाते हैं, जो शरीर और मन को बहुत लाभ पहुंचाते हैं। अब तक इस संगठन द्वारा 50,000 से अधिक वट वृक्ष लगाए जा चुके हैं।

महामृत्युञ्जय मंत्र की विशेषता

बता दें कि भगवान शिव का यह मंत्र आध्यात्मिक साधना से भी अधिक लाभकारी है। इसे रुद्र मंत्र या त्र्यंबकम मंत्र भी कहा जाता है। यह मंत्र ऋग्वेद और यजुर्वेद जैसे पवित्र ग्रंथों में वर्णित है। यह न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक शांति के लिए भी अत्यधिक उपयोगी है।

वट वृक्ष का महत्व

वट वृक्ष को हमारा राष्ट्रीय वृक्ष माना गया है। यह अक्षय वृक्ष के रूप में जाना जाता है। यह न केवल पक्षियों के लिए आश्रय और भोजन प्रदान करता है, बल्कि इसे लगाने से व्यक्ति को 1000 अश्वमेध यज्ञों के बराबर पुण्य मिलता है। शास्त्रों के अनुसार, वट वृक्ष के नीचे बैठकर पूजा करने से सुख और समृद्धि प्राप्त होती है। इस वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास माना जाता है। भगवान बुद्ध ने भी वट वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया था।

पर्यावरण और कृषि में योगदान

वट वृक्ष निरंतर ऑक्सीजन प्रदान करता है और अपनी मोटी जड़ों से भूकंप के झटकों को भी सहन करता है। यदि इसे नदी, झील या तालाब के किनारे लगाया जाए, तो यह पक्षियों के लिए घर बन जाता है और किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को नष्ट करता है। इससे फसल उत्पादन बढ़ता है और किसानों के कीटनाशक खर्च में भी कमी आती है।

10 करोड़ वट वृक्ष लगाने का संकल्प

इस संगठन ने भारत की सभी छोटी और बड़ी झीलों व नदी किनारों पर 10 करोड़ वट वृक्ष लगाने का संकल्प लिया है, ताकि मानव जीवन और पर्यावरण को बेहतर बनाया जा सके।

वायरल फोटो में साथ नजर आए अभिषेक-ऐश्वर्या, क्या अलगाव की अफवाह झूठी थी!

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है। इन दोनों के अलगाव की अफवाह अब झूठी साबित होती हुई नजर आ रही है। दरअसल, कल रात को एक हाई प्रोफाइल पार्टी में दोनों को साथ देखा गया। इस पार्टी की इनकी तस्वीर भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

ऐश्वर्या अपनी मां और अभिषेक संग दिखीं

पार्टी की जो फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, उसमें ऐश्वर्या राय आनी मां बृंदा राय और पति अभिषेक बच्चन के साथ दिख रही हैं। लंबे समय बाद अभिषेक और ऐश्वर्या किसी पब्लिक इंवेट या पार्टी में नजर आए हैं। दोनों के साथ नजर आने से इनके तलाक की खबरों को अब पूरी तरह से विराम लग गया है। ऐश्वर्या और अभिषेक की वायरल फोटो अनु रंजन ने भी अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ देर पहले शेयर की है। अनु 'द इंडियन टेलीविजन एकेडमी' की फाउंडर हैं।

लंबे समय से अलगाव की अफवाह उड़ रही थी

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय के बीच मनमुटाव हो गया है और दोनों अलगाव की राह पर बढ़ चुके हैं, इस तरह की खबर लंबे समय से मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए सामने आ रही थी। इस खबर की एक वजह, अभिषेक बच्चन का अपनी बेटी आराध्या बच्चन के जन्मदिन में शामिल ना होना भी रहा। इस बात के लिए अभिषेक बच्चन को सोशल मीडिया पर ट्रोल भी किया गया। इसके अलावा कुछ दिन पहले एक इंवेट में ऐश्वर्या राय के नाम के आगे बच्चन सरनेम लिखा नजर नहीं आया। इन्हीं सब बातों ने ऐश्वर्या और अभिषेक के बीच अलगाव की खबरों को हवा दी। साथ ही दोनों ने इस मामले पर कोई सफाई भी नहीं दी।

फैंस हैं काफी खुश

कुछ दिन पहले अभिषेक बच्चन ने पत्नी ऐश्वर्या राय को बेटी की परवरिश करने के लिए शुक्रिया भी कहा था। तब भी लगा था कि इन दोनों के बीच कोई समस्या नहीं है। लेकिन दोनों का लंबे समय से साथ नजर ना आना ही फैंस के लिए चिंता का सबब बन गया था। अब दोनों को साथ देखकर, इनके फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

अनु रंजन ने इस जोड़े की जो तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकांउट पर पोस्ट की है, उस पर एक फैन लिखता है, 'सच को सामने लाने के लिए शुक्रिया।' इस मैसेज के जरिए फैन का यही कहना है कि वह ऐश्वर्या और अभिषेक को साथ देखकर काफी खुश है। बाकी फैंस ने भी ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन की तस्वीर पर खूब प्यार लुटाया है।

सान्या मल्होत्रा-सुनिधि चौहान का गाना 'आंख' रिलीज, लोगों को आई शकीरा और बेयॉन्से की याद

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने अपने नवीनतम सिंगल 'आंख' के लिए गायिका सुनिधि चौहान के साथ मिलकर काम किया है। इस खूबसूरत ट्रैक का म्यूजिक वीडियो कुछ ही देर पहले सामने आया है और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर छा गया है। सान्या और सुनिधि की जोड़ी लोगों को शकीरा और बेयॉन्से की याद दिला रही है।

सान्या-सुनिधि की बोल्डनेस ने बढ़ाया पारा

म्यूजिक वीडियो में सान्या और सुनिधि को अपने शानदार डांस मूव्स, आत्मविश्वास और बोल्डनेस से स्क्रीन पर आग लगाते हुए देखा जा सकता है। सान्या की सिजलिंग ऑन-स्क्रीन उपस्थिति के साथ सुनिधि की खूबसूरत आवाज का तालमेल इस गाने को अलग बनाता है।

रिलीज के साथ ही छाया एल्बम

गाने के वीडियो में सान्या और सुनिधि बेहतरीन डांस मूव्स दिखाती नजर आ रही हैं। सान्या ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'इंतजार करने के लिए धन्यवाद। 'आंख' अब रिलीज हो गया है।' गाना सुनिधि चौहान, रुशा और ब्लिजा का है। इसे प्रतीक्षा श्रीवास्तव, अमन खरे और पौरुष कुमार ने कंपोज किया है।

सोशल मीडिया की बढ़ी हलचल

जैसे ही वीडियो सामने आया, प्रशंसक दीवाने हो गए, कई लोगों ने कमेंट सेक्शन में इस जोड़ी के लिए अपना उत्साह और प्रशंसा व्यक्त की। एक यूजर ने लिखा, 'मुझे यह काफी पसंद आया।' दूसरे ने लिखा, 'वीडियो में दोनों बेहद बोल्ड लग रही हैं।' इस गाने ने कुछ लोगों को शकीरा और बेयॉन्से की याद दिला दी, जो 'ब्यूटीफुल लियार' गाने के लिए

एकजुट हुई थीं।

सान्या मल्होत्रा का वर्कफ्रंट

फिल्मों की बात करें तो, सान्या आरती कदव द्वारा निर्देशित फिल्म 'मिसेज' में नजर आएंगी। फिल्म में सान्या मुख्य भूमिका में हैं, जिसमें निशांत दहिया और कंवलजीत सिंह भी हैं। यह फिल्म मलयालम नाटक 'द ग्रेट इंडियन किचन' का हिंदी रूपांतरण है। मूल फिल्म एक नवविवाहित महिला की कहानी बताती है, जो विनम्र पत्नी बनने के लिए संघर्ष करती है, जैसा कि उसका पति और उसका परिवार उससे उम्मीद करता है। इसमें सूरज वेंजरामुडु और निमिषा सजयन मुख्य भूमिका में हैं।

'पुष्पा ने मेरे करियर के लिए कुछ खास नहीं किया' 'पुष्पा 2' के लिए ऐसा सोचते हैं फहद फासिल

फहद फासिल को फिल्म 'पुष्पा 2' में भंवर सिंह शेखावत

की भूमिका में नजर आ रहे हैं। सुकुमार निर्देशित फिल्म 5 दिसंबर को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो गई है। फिल्म रिलीज के बाद फहद फासिल का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इस वीडियो में वह पुष्पा से जुड़ी कुछ बातें बता रहे हैं। 'पुष्पा 2' देखने वाले कई प्रशंसकों को लगा कि फहद का कम उपयोग किया गया है और दूसरे भाग में उन्हें कार्टून जैसा दिखाया गया है।

पुष्पा के लिए बोले फहद फासिल

फहद फासिल अपने इस पुराने इंटरव्यू में कहते दिख रहे हैं कि फिल्म 'पुष्पा' ने उनके करियर के लिए कुछ खास नहीं किया है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि फिल्म पुष्पा ने मेरे लिए ऐसा कुछ किया है। मैंने सुकुमार से भी ये बात कह दी है। मुझे इस बारे में मुझे ईमानदार होना चाहिए।

फिल्म को लेकर सोचते हैं फहद

फहद फासिल ने आगे कहा, मैं यहां मेरा काम कर रहा हूं। किसी भी चीज़ का अनादर नहीं। मुझे नहीं लगता कि पुष्पा के बाद लोग मुझसे जादू की उम्मीद करते हैं। नहीं, यह शुद्ध सहयोग और सुकुमार सर के लिए प्यार है। मेरा काम यहां इस इंडस्ट्री में ही है।

फहद फासिल की नेटवर्थ

फहद के किरदार को पुष्पा और पुष्पा 2 में प्रशंसकों का बहुत प्यार मिला है, लेकिन प्रशंसकों को फिल्म में उनका किरदार थोड़ा कमजोर लगा है। खबरों की मानें तो फहद की नेटवर्थ 36 करोड़ है। वह फिल्मों के अलावा एड्स, रियल स्टेट और निवेश के जरिए भी कमाई करते हैं।

पुष्पा 2 को मिल रहा प्रशंसकों का प्यार

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म को प्रशंसकों का प्यार मिल रहा है। फिल्म ने पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है। पुष्पा 2 ने पहले दिन ही 165 करोड़ की कमाई कर ली है।

शिल्पा शेट्टी ने मुश्किलों से निपटने का तरीका बताया, सोशल मीडिया पर साझा की पोस्ट

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की शादी को काफी समय हो गया है। दोनों की जिंदगी अच्छी-खासी चल रही थी लेकिन पिछले दिनों राज कुंद्रा के ऑफिस और घर पर ईडी की छापेमारी हुई। अभी तक इस मामले में शिल्पा शेट्टी ने कोई ऑफिशियल बयान नहीं दिया है लेकिन वह अपने सोशल मीडिया अकांउट पर ऐसा कुछ ना कुछ पोस्ट करती रहती हैं, जिससे पता चलता है कि वह भी मौजूदा सिचुएशन को लेकर परेशान हैं। हाल ही में उन्होंने मुश्किलों से निपटने का एक तरीका अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर साझा किया।

अमल में लाती हैं एक सलाह

कुछ देर पहले ही शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में एक पोस्ट की। जिसमें एक किताब का पन्ना उन्होंने साझा किया है। इस किताब के पन्ने पर मुश्किलों से निपटने का बहुत ही बेहतरीन तरीका बताया गया है। इसमें लिखा है- 'अगर हमारे पास अपना और अपने जीवन में आने वाली परिस्थितियों का मजाक उड़ाने की क्षमता नहीं है तो यह दुनिया एक खराब जगह बन जाएगी। अगर हमारे साथ कोई बुरी घटना हो रही है तो हमें उसे हास्य के जरिए बेहतरीन किस्से और कहानी में बदल देना चाहिए। जब हम इन कहानियों को दोबारा सुनाएं या सुने तो हमें महसूस होना चाहिए कि जिंदगी में जो भी परिस्थिति बनी, हमने उसका पूरी तरह से सामना किया।' इन बातों को शायद शिल्पा शेट्टी भी अमल में ला रही हैं और अपने जीवन के मुश्किल दौर का सामना कर रही हैं।

क्या है पूरा मामला

कुछ दिन पहले ही एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा ईडी रेड की वजह से चर्चा में रहे। एक मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए पोर्नोग्राफी के सर्कुलेशन मामले में उन पर यह रेड की गई। साल 2021 में भी उनके खिलाफ इसी मामले में केस हुआ था। दोबारा से यही मामला चर्चा में आ गया है, इसी मामले में ईडी ने राजकुंद्रा से पूछताछ की थी। राज के खिलाफ समन भी जारी किया गया था।

अगले साल एक फिल्म में नजर आएंगी

शिल्पा शेट्टी फिल्मों में अब भी एक्टिंग कर रही हैं। इस साल वह एक वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में नजर आई थीं। अगले साल भी एक कन्नड़ फिल्म 'केडी-द डेविल' में नजर आएंगी।

एनिमल की सफलता के बाद कैसे बदल गईं तृप्ति डिमरी?

हॉरर थ्रिलर फिल्म बुलबुल से तृप्ति डिमरी को पहचान मिली थी, लेकिन रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल तृप्ति के करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई है। इस फिल्म ने तृप्ति को रातों रात नेशनल क्रश बना दिया। इसके साथ ही एनिमल के बाद तृप्ति को फिल्मों के जमकर ऑफर आए।

अविनाश और तृप्ति कथित तौर पर वर्षों से काफा अच्छे दोस्त रहे हैं। हाल ही में, एक इंटरव्यू में अविनाश से पूछा गया कि क्या पिछले साल रिलीज हुई एनिमल की सफलता के बाद तृप्ति में कोई बदलाव आया है। एनिमल के बाद तृप्ति ने कई फिल्में की हैं और अब वह बॉलीवुड में एक जाना-माना नाम हैं। दूसरी ओर, अविनाश ने कहा कि उन्हें अभिनेत्री में कुछ आत्मविश्वास दिखाई देता है जो समय के साथ बढ़ा है।

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अविनाश तिवारी से लैला मजनू की सह-कलाकार तृप्ति डिमरी के बारे में पूछा गया कि क्या फिल्म उद्योग में उनकी सफलता के बाद अभिनेत्री बदल गई है, तो अविनाश ने कहा कि वे पिछले साल एनिमल की रिलीज के बाद एक-दो बार मिल चुके हैं। उन्होंने कहा, ₹हम तो जैसे मिलते हैं वैसे ही मिलते हैं। और उन्हें उनमें कोई बदलाव नहीं दिखता।"

अविनाश ने कहा कि लोग यह धारणा बनाते हैं कि फ़िल्म की सफलता के बाद अभिनेता बदल जाते हैं। लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अभिनेत्री निश्चित रूप से अपने जीवन का भरपूर आनंद ले रही है। अविनाश ने कहा, मैं देखता हूँ कि उसमें एक निश्चित मात्रा में आत्मविश्वास आया है, जिसे मैंने उसमें बढ़ता हुआ देखा है।

काम की बात करें तो, तृप्ति ने एनिमल के बाद कई प्रोजेक्ट पर काम किया है। उन्होंने 2024 की शुरुआत विक्की कौशल और एमी विर्क के साथ बैड न्यूज की थी। इसके बाद राजकुमार राव के साथ विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और कार्तिक आर्यन, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित अभिनीत भूल भुलैया 3 में काम किया है। तृप्ति की आगामी फिल्म धड़क 2 है। इस बीच, अविनाश तिवारी की थ्रिलर फिल्म, सिकंदर का मुकद्दर, 29 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो चुकी है। अविनाश के साथ, फिल्म में जिमी शेरगिल, तमन्ना भाटिया और राजीव मेहता भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

हर भूमिका से मुझे कुछ न कुछ 'सीखने' को मिला

संयमी खेर

प्रशिक्षण गहन लेकिन बेहद फायदेमंद था। ये पुरुष और महिलाएं हर दिन अपनी जान जोखिम में डालते हैं और मुझे उम्मीद है कि हमने इस फिल्म के माध्यम से उनके समर्पण के साथ न्याय किया है।

उषा किरण की नातिन, मॉडल पिता अद्वैत खेर की बेटी, अभिनेत्री मौसी तनबी आजमी की भांजी संयमी खेर के करियर में उसकी पिछली कुछ फिल्में अहम मोड़ साबित हुई हैं। गत वर्ष अभिषेक बच्चन के साथ आई उसकी फिल्म 'घूमर' को जहां थिएटरों में कामयाबी मिली और इसमें एक दिव्यांग गेंदबाज के अपने रोल के लिए उसे चहुं ओर से तारीफें मिलीं, वहीं इस वर्ष ओ.टी.टी. पर रिलीज उसकी फिल्म 'शर्माजी की बेटी' ने एक बार फिर यह साबित किया कि वह दमदार तरीके से कोई भी रोल निभाने में कितनी माहिर है।

पूरी की दुनिया की सबसे कठिन दौड़ इसके अलावा इसी वर्ष उसने बेहद कठिन मानी जाने वाली दौड़ 'आयरनमैन 70.3 ट्रायथलॉन' पूरी करके अपना एक और सपना पूरा किया। इसमें जर्मनी में 10 किलोमीटर साइकिल, 1.9 किलोमीटर तैराकी और 21 किलोमीटर की दौड़ लगाकर उसने

सभी को चौंका दिया। संयमी खेर फिल्मों की रंगीन दुनिया के साथ स्पोर्ट्स से भी जुड़ी रहती है और स्कूल के दिनों में एथलैटिक्स में हिस्सा लेने वाली

संयमी फिल्मों के साथ स्पोर्टस ईवेंट्स में भी हिस्सा लेती रहती है। इस कठिन रेस को पूरी करने वालों संयमों बॉलीवुड को पहली एक्ट्रैस बन गई है। 'आयरनमैन 70.3 ट्रायथलॉन' पूरी करने के बाद उसका कहना था, इस रेस को खत्म करना मेरे लिए काफी खुशी की बात है। मैं इसे पूरी करने का लंबे समय से प्लान कर रही थी। यह मेरी जिंदगी का अब तक का सबसे गर्थ भरा पल है। इस रेस में दौड़ने से ज्यादा इसकी तैयारी कठिन रही है। इसके लिए मैंने रोज 12-14 घंटे ट्रेनिग की है। इस रेस के लिए मेरी मुझसे ही लड़ाई थी।

फायर फाइटर के रोल में आएगी नजर अब जल्द हो वह फिल्म 'अग्नि' में दिखाई देगी। राहल बोलकिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वह एक फायर फाइटर को भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के लिए तैयारी करने के लिए, उसने फायर फाइटर्स के साथ गहन प्रशिक्षण लिया, जिससे वह उनके साहस और प्रतिबद्धता को करीब से जान सकी।

एक इंटरव्यू में जब उससे पूछा गया कि फिल्म 'अग्नि' के सैट पर तो सारे कलाकारों और तकनीशियनों में वही सबसे फिट रही होगी तो उसका कहना था. ₹आप शायद आयरनमैन रेस से इसे जोड़ रहे हैं। यह मेरा पसंदीदा खेल हैं और यहां फिल्म की शूटिंग की जरूरतें अलग रहीं। इस किरदार के लिए हमें अलग से ट्रेनिग मिली। हमने खूब मेहनत की। असल जिदगी के फायरफाइटर्स के साथ दिन बिताए और इस सबको करते हुए समझ आया कि इस पेशे की ओर अब तक सिनेमा का कैमरा न घूमना हम सबके लिए शर्म की बात है।

संयमी ने आगे बताया, मेरे लिए, अभिनय हमेशा कुछ नया सौखने के बारे में रहा है। चाहे वह 'मिर्जिया' के लिए मुड़सवारी हो, 'चोक्ड' में बैंकर की तरह पैसे गिनना हो, 'घूमर' में क्रिकेट खेलना या अब 'अग्नि' के लिए फायर फाइटिंग करना हो. हर भूमिका ने मुझे कुछ मूल्यवान सिखाया है।₹ अपनी तैयारी के दौरान, संयमी ने फायर फाइटर्स के साथ काफी समय विताया ताकि उनके काम और उनके सामने आने वाली हर तरह की चुनौतियों को समझ सके।

उसने कहा, मुझे एहसास हुआ कि मैं उनके जीवन और उनके द्वारा हर दिन किए जाने वाले बलिदानों के बारे में कितना कम जानती हूं। अग्निशमन उपकरणों को संभालना, अभ्यास करना और उनकी बहादुरों को समझना विनम्र करने वाला था। महिला अग्निशामकों की संख्ला और उनके सामने आने वाली अनोखी चुनौतियों को देखना विशेष रूप से चौंकाने वाला था।

संयमी ने इस अनुभव को प्रेरणादायक और चुनौतीपूर्ण दोनों बताते हुए कहा, प्रशिक्षण गहन लेकिन बेहद फायदेमंद था। ये पुरुष और महिलाएं हर दिन अपनी जान ओखिम में डालते हैं और मुझे उम्मीद है कि हमने इस फिल्म के माध्यम से उनके समर्पण के साथ न्याय किया है।

फिल्म 'अग्नि' में संवमी के साथ प्रतीक गांधी, दिव्येंद, सई तम्हाणकर, जितेंद्र जोशी, उदित अरोड़ा और कबीर शाह भी अहम रोल में नजर आने वाले हैं।

दिल छू लेने वाली कहानी

निर्माताओं ने अपनी इस फिल्म को अग्निशामकों के सम्मान और बलिदान के लिए एक 'सिनेमाई श्रद्धांजलि' कहा है।

निर्देशक राहुल ढोलकिया ने फिल्म के बारे में कहा, फिल्म' अग्नि' केवल आग से लड़ने के बारे में नहीं है, वह एक दिल को छू लेने वाली कहानी है जो हमारे अग्निशामकों की बहादुरी और भावनात्मक लचीलेपन का जश्न मनाती है। ये नायक जान बचाते हैं, आपदाओं से निपटते हैं और हर दिन जोखिम का सामना करते हैं, अक्सर मानवीय लापरवाही के कारण।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹यह फिल्म उनकी निष्ठा, साहस और बलिदान को सलाम करती है। मुझे उम्मीद है कि यह दर्शकों को समाज में उनके योगदान को पहचानने और सराहने के लिए प्रेरित करेगी।

लोग मेरा नाम गलत लेते हैं एक हालिया इंटरव्यू में उसने बताया कि अक्सर लोग उसका नाम गलत बोलते हैं। उसने कहा, ₹मेरा असल नाम संयमी है। अनुस्वार की वर्तनी अंग्रेजी में नाम लिखते समय 'एन' होनी चाहिए लेकिन फिर शायद नाम कुछ और ही लिखा जाता। अब भो मैं जब भी मौका मिलता है, अपना सही नाम बताती ही हूं लेकिन, कम लोग ही हैं जो इस पर इतना ध्यान देते हैं।₹

वहीं मनोरंजन की दुनिया में काम करने वालों के लिए परिवार के साथ के महत्व पर बोलते हुए उसने कहा, मनोरंजन की दुनिया में टिके रहना आसान नहीं है। य हां स्वीकृतियों से ज्यादा हमारा सामना नकारे जाने से होता है। ऐसे में कलेजा मजबूत न हो तो वह बैठने लगता है। मेरे साथ भी ऐसा हुआ है, लेकिन मेरा मानना है कि घरवालों का साथ हो तो फिर कोई भी मानसिक स्थिति हो, हमें उबरने में मदद मिल ही जाली है। मेरा मानना है कि मुझे अपनी पसंद के किरदार पाने के लिए अभी और कामयाबी पानी है।

क्या नीतीश के रूप में भारत को मिला हार्दिक पांड्या का रिप्लेसमेंट ?

भारत के 21 साल के युवा ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी ने पर्थ टेस्ट के बाद एडिलेड में भी अपने प्रदर्शन से छाप छोड़ी है। एडिलेड डे नाइट टेस्ट में 141 रन पर आठ विकेट गंवा चुके भारत को उन्होंने 180 रन तक पहुंचने में मदद की। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने गुलाबी गेंद से कहर बरपाया, लेकिन नीतीश इससे नहीं डरे और शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 54 गेंद में तीन चौके और तीन छक्के की मदद से 42 रन की पारी खेली।

नीतीश शुरुआती दिनों में इस खेल के प्रति गंभीर नहीं थे, लेकिन एक दिन उन्होंने आर्थिक तंगी से जूझ रहे अपने पिता की आंखों में आंसू देखे। बस इसके बाद उन्होंने कुछ करने की ठानते हुए इस खेल को अपना लिया। उन्होंने क्रिकेटर बनने के लिए खूब मेहनत की। उनकी यह मेहनत आईपीएल में रंग लाई और उन्हें पर्थ में भारत के लिए पहला टेस्ट खेलने का मौका मिला। नीतीश ने पर्थ में 41 और 38 रन की पारियां खेलीं और एक विकेट भी लिया।

पिता ने मेरे लिए नौकरी छोड़ दी

बीसीसीआई की ओर से जारी वीडियो में नीतीश बताते हैं, 'अगर ईमानदारी से कहूं तो जब वह छोटे थे तो क्रिकेट के प्रति गंभीर नहीं थे। पिता ने मेरे लिए अपनी नौकरी छोड़ दी। मेरी सफलता के पीछे उनका बहुत बड़ा त्याग छुपा है। हम लोग उस दौरान आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। मुझे लगा, मैं ऐसा नहीं हो सकता हूं, मेरे पिता त्याग कर रहे हैं और मैं सिर्फ मजे के लिए क्रिकेट खेल रहा हूं। उस समय मैं क्रिकेट के प्रति गंभीर हुआ और खूब मेहनत की। इसके बाद मैं सफलता की सीढ़ियां चढ़ता गया। एक मध्यम वर्गीय परिवार से होने के नाते, मुझे गर्व है कि मैं अपने पिता को खुश कर पाया। मैंने जब अपनी पहली जर्सी अपने पिता को दी तो उनके चेहरे पर खुशी देखते बनती थी।'

विराट के साथ खेलने के लिए उम्र की गणना करता था

2018 में नीतीश ने बीसीसीआई अवॉर्ड नाइट के दौरान विराट और उनकी पत्नी अनुष्का के साथ सेल्फी ली थी। नीतीश बताते हैं कि मैं बचपन से विराट भइया का बड़ा प्रशंसक हूं। मैं उनका हर मैच देखता था। मुझे उनका शतक के बाद जश्न मनाने का अंदाज पसंद था। उस दौरान मैं अपनी उम्र की गणना करता था कि जब मैं भारत के लिए खेलूंगा तो वह कहीं संन्यास तो नहीं ले लेंगे। आज मैं उनके साथ खेल रहा हूं। पर्थ में उनके साथ साझेदारी के दौरान मैं यही सोच रहा था कि वह अब शतक से 10 रन दूर हैं, अब पांच रन दूर हैं। मुझे अपने पहले अर्धशतक का ख्याल तक नहीं था।'

एडिलेड टेस्ट में क्या हुआ?

टीम इंडिया की शुरुआत खराब रही थी। यशस्वी मैच की पहली ही गेंद पर एल्बीडब्ल्यू आउट हो गए थे। वह खाता नहीं खोल सके। इसके बाद केएल राहुल और शुभमन गिल के बीच दूसरे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को स्टार्क ने तोड़ा। उन्होंने राहुल को पवेलियन भेजा। राहुल 37 रन बना सके। उनके आउट होते ही विकेट की झड़ी लग गई। विराट कोहली सात रन, शुभमन गिल 31 रन और कप्तान रोहित शर्मा तीन रन बनाकर आउट हुए। जहां भारत का स्कोर एक वक्त एक विकेट पर 69 रन था, वो कुछ देर बाद पांच विकेट पर 87 रन हो चुका था। यानी 18 रन बनाने में भारत ने चार और विकेट गंवा दिए थे।

इसके बाद ऋषभ पंत ने टिकने की कोशिश की, लेकिन कमिंस ने उन्हें भी पवेलियन भेज दिया। पंत ने 21 रन बनाए। अश्विन ने नीतीश रेड्डी के साथ पारी संभालने की कोशिश की और सातवें विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी निभाई। स्टार्क ने फिर एकबार खलल डाला और अश्विन को चलता किया। वह 22 रन बना सके। हर्षित राणा और जसप्रीत बुमराह खाता खोले बिना आउट हुए। नीतीश आखिरी विकेट के रूप में 54 गेंद में तीन चौके और तीन छक्के की मदद से 42 रन बनाकर स्टार्क के छठे शिकार बने। स्टार्क के अलावा पैट कमिंस और बोलैंड को दो-दो विकेट मिले।

अश्विन को सुंदर की जगह टीम में शामिल करने की क्या है वजह?

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। दूसरा मुकाबला एडिलेड में छह दिसंबर से खेला जा रहा है। यह एक डे नाइट टेस्ट या यूं कहें पिंक बॉल टेस्ट है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इस मैच के लिए टीम इंडिया में तीन बदलाव हुए। खुद रोहित, शुभमन गिल और रविचंद्रन अश्विन की वापसी हुई। देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल और वॉशिंगटन सुंदर को बेंच पर बैठाया गया है। भारतीय टीम फिलहाल सीरीज में 1-0 से आगे है। पर्थ में खेले गए पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने 295 रन से जीत दर्ज की थी। बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन के बाद भारतीय तेज गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया में इससे पहले सिर्फ एक डे नाइट टेस्ट खेला है और 2020 में एडिलेड में ही खेले गए उस मुकाबले में टीम इंडिया को कंगारुओं के हाथों से करारी शिकस्त मिली थी। भारतीय टीम उस हार को भुलाकर एक नई शुरुआत करने उतरी है। दूसरे टेस्ट से पहले सबसे बड़ा सवाल यह था कि क्या रविचंद्रन अश्विन को खेलने का मौका मिल पाएगा? क्योंकि पिछले टेस्ट में बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करने के लिए वॉशिंगटन सुंदर को खिलाया गया था। हालांकि, सुंदर न तो गेंदबाजी और न ही बल्लेबाजी कुछ खास कर पाए थे। ऐसे में अश्विन को मौका दिया गया। हालांकि, इसके पीछे एक और वजह भी है। अश्विन का SENA देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में सबसे बढ़िया गेंदबाजी प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया में 2020 में एडिलेड डे नाइट टेस्ट में ही आया था। ऐसे में एक मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने के लिए उन्हें मौका दिया गया है।

अश्विन को प्लेइंग-11 में मौका

भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के नाम टेस्ट क्रिकेट में 536 विकेट हैं। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई टीम में वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा की मौजूदगी के कारण प्लेइंग-11 में उनके लिए जगह बना पाना काफी मुश्किल दिख रहा था। पर्थ में तेज गेंदबाजों की मददगार पिच को देखते हुए टीम ने अश्विन और अनुभवी जडेजा की जगह सुंदर को बेहतर बल्लेबाजी के कारण शामिल किया था। हालांकि, 38 साल के अश्विन के पास काफी अनुभव है जो एडिलेड में दिन आगे बढ़ने पर मदद कर सकता है।

वैसे तो आमतौर पर ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका यानी SENA देशों में प्रदर्शन को पैमाना बनाए तो प्लेइंग-11 में अश्विन से मजबूत दावेदारी जडेजा की दिखती है। जडेजा ने इन देशों में बेहतर बल्लेबाजी की है। हालांकि, इस बार मैनेजमेंट ने पिछले रिकॉर्ड को नहीं देखा। अश्विन ने SENA देशों में एक बार भी पारी में पांच विकेट नहीं चटकाए हैं। उन्होंने इन देशों में 43 मैचों में 83.7 की स्ट्राइक रेट से 71 विकेट लिए हैं। वहीं, जडेजा ने 35 मैचों में इसी स्ट्राइक रेट से 52 विकेट हासिल किए हैं। पिछले कई वर्षों से विदेशों में जडेजा को बेहतर बल्लेबाजी कौशल के कारण अश्विन पर तरजीह मिलती रही है। इन देशों में उनके नाम एक शतक और पांच अर्धशतक हैं। उन्होंने लगभग 30 के औसत से रन बनाए हैं, जबकि अश्विन के नाम दो अर्धशतक हैं। अश्विन इस रिकॉर्ड को भी बेहतर करने की कोशिश करेंगे और चाहेंगे कि जरूरत पड़ने पर लोअर ऑर्डर में कुछ रन बनाएं।

ऋषभ पंत के कायल हुए लखनऊ सुपरजाएंट्स के कोच जस्टिन लैंगर, बोले - अब वह मेरा दोस्त है

लखनऊ सुपरजाएंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कहा कि भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अब उनके दुश्मन नहीं है, बल्कि दोस्त बन चुके हैं। पंत को हाल ही में लखनऊ फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। पंत इस तरह आईपीएल इतिहास के सबसे ज्यादा दाम पर बिकने वाले खिलाड़ी बन गए थे।

पंत लखनऊ के कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं क्योंकि टीम के पूर्व कप्तान केएल राहुल अब दिल्ली कैपिटल्स से लेकिन लखनऊ के उन्हें लेने के बाद अब पंत उनके दोस्त होंगे। लैंगर ने कमेंट्री के दौरान कहा, पंत ने पिछली दो सीरीज में मुझे बहुत डराया।

एक सप्ताह पहले ही वह मेरे लिए दुनिया के सबसे पसंदीदा व्यक्ति बन है क्योंकि लखनऊ ने उन्हें अपने साथ जोड़ा है। अब पंत मेरे दुश्मन, नहीं बल्कि दोस्त हैं।

पंत 2020-21 दौरे पर रहे थे हिट

पंत ने 2020-21 के ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने सिडनी टेस्ट के पांचवें दिन 96 रन बनाए थे। भारत उस मैच को ड्रॉ करने में सफल रहा था जिस कारण सीरीज 1-1 से ड्रॉ हो गई थी और इसका फैसला ब्रिसबेन के गाबा में हुए अंतिम टेस्ट से हुआ था।

जुड़ गए हैं। ऐसे में अब पंत लैंगर के साथ आईपीएल में करीब से काम करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर लैंगर ने पंत को उस वक्त अपना दोस्त बताया जब वह बल्लेबाजी के लिए उतर रहे थे।

लैंगर ने याद किया कि किस तरह पंत ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरों पर उन्हें डरा दिया करते थे,

पंत ने गाबा मैदान पर 89 रन बनाए थे और मैच विजयी पारी खेलकर भारत को सीरीज अपने नाम कराने में अहम भूमिका निभाई थी। पंत की पारी के दम पर ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया का गाबा का घमंड तोड़ा था।

एडिलेड ओवल में मैच के दौरान चार मिनट के अंदर दो बार बिजली गुल

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन एक अजीब घटना देखने मिली। ऑस्ट्रेलियाई पारी के 18वें ओवर में दो बार एडिलेड ओवल मैदान की बिजली दो बार गुल हो गई जिससे मैदान कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज हर्षित राणा हालांकि, इससे परेशान हुए और अपना गुस्सा व्यक्त करने से खुद को नहीं रोक पाए।

भारत को पहली पारी में समेटने के बाद पहली पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई पारी के 18वें ओवर में यह घटना घटी। सबसे पहले भारतीय समयानुसार दोपहर तीन बजकर 52 मिनट पर पहली बार बिजली गई जो दो मिनट बाद यानी तीन बजकर 54 मिनट पर आई। इसके बाद बिजली तीन बजकर 55 मिनट पर दोबारा चली गई और कुछ मिनट बाद आई। इससे खेल तो प्रभावित हुआ ही, लेकिन भारतीय खिलाड़ी अचरज में पड़ गए क्योंकि मैदान पर अंधेरा छा गया।

मैच में कमेंट्री कर रहे कमेंटेटर भी इस बारे में बात करने से खुद को नहीं रोक सके। कमेंटेटर ने कहा, 'लगता है कि किसी ने बिजली का स्विच बंद कर दिया है।' दो बार बिजली जाने से दर्शक भी हैरान रह गए थे। हालांकि, मैच में फिर बाधा नहीं आई और बिना किसी रुकावट के पहले दिन का खेल पूरा हुआ।

मैच देखने रिकॉर्ड संख्या में पहुंचे दर्शक

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड ओवल मैदान पर खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन भारी संख्या में दर्शक मुकाबला देखने पहुचे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसके आंकड़े जारी किए जिसके अनुसार, शुरुआती दिन डे-नाइट टेस्ट देखने कुल 36225 दर्शक स्टेडियम पहुंचे जो एक रिकॉर्ड है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार पिछला रिकॉर्ड 2011-12 की सीरीज के दौरान 35,081 दर्शकों का था जिसमें मेजबान टीम ने भारत का 4-0 से सूपड़ा साफ किया था।

पहले दिन का खेल समाप्त

एडिलेड डे नाइट टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त हो चुका है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम अपनी पहली पारी में महज 180 रन पर सिमट गई थी। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दिन का खेल खत्म होने तक अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 86 रन बना लिए। फिलहाल मार्नश लाबुशेन 20 रन और नाथन मैकस्वीनी 38 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दोनों के बीच अब तक 62 रन की साझेदारी हो चुकी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी भी भारत से 94 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया को एकमात्र झटका उस्मान ख्वाजा के रूप में लगा। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने स्लिप में कप्तान रोहित शर्मा के हाथों कैच कराया। वह 13 रन बना सके।

मुश्ताक अली ट्रॉफी में आया भुवनेश्वर कुमार का तूफान

हैट्रिक लेकर दिलाई टीम को जीत

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार इन दिनों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते दिख रहे हैं। वह उत्तर प्रदेश के कप्तान हैं और दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को 34 वर्षीय गेंदबाज ने हैट्रिक लेकर सुर्खियां बटोरीं। आईपीएल 2025 से पहले उनके इस तरह के प्रदर्शन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के फैंस का दिल जीत लिया है।

भुवनेश्वर कुमार ने ली हैट्रिक

उत्तर प्रदेश और झारखंड के बीच खेले गए मुकाबले में भुवनेश्वर कुमार ने अपनी घातक गेंदबाजी से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने पारी के 17वें ओवर में लगातार तीन विकेट चटकाए।

उन्होंने पहली गेंद पर रॉबिन मिन्ज को आउट किया, इसके बाद दूसरी गेंद पर बालकृष्ण को चलता किया। वहीं, तीसरी गेंद पर उन्होंने झारखंड के विवेकानंद को अपना शिकार बनाया। रॉबिन ने 11 रन बनाए जबकि बाकी दोनों बल्लेबाज खाता खोले बिना पवेलियन लौटे।

मैच में क्या हुआ?

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्तर प्रदेश ने 20 ओवर में 160 रन बनाए। रिंकू सिंह ने 28 गेंदों का सामना किया और 45 रन बनाए। जवाब में झारखंड की टीम सिर्फ 150 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। इस तरह यूपी ने झारखंड को इस मुकाबले में 10 रन से हरा दिया।

भुवनेश्वर पर हुई नोटों की बारिश

आईपीएल 2025 से पहले भुवनेश्वर कुमार के दमदार प्रदर्शन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का दिल जीत लिया। बता दें कि, आरसीबी ने हाल ही में अनुभवी गेंदबाज को 10.75 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था। नीलामी से पहले उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद ने रिलीज कर दिया था। भारतीय तेज गेंदबाज आरसीबी के नए तेज गेंदबाजी आक्रमण में जोश हेजलवुड के साथ दिखेंगे।

एडिलेड में काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, इन दो दिग्गजों को दी श्रद्धांजलि

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शुक्रवार को पूर्व क्रिकेटरों फिलिप ह्यूज और इयान रेडपाथ की याद में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान बांह पर काली पट्टी बांधकर खेले। एडिलेड ओवल का यह मुकाबला डे नाइट है और गुलाबी गेंद से खेला जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज ह्यूज की 2014 में शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान सिर पर गेंद लगने से मौत हो गई थी। रेडपाथ भी सलामी बल्लेबाज थे। उनका इस महीने की शुरुआत में निधन हो गया था।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने डे नाइट मैच के दौरान ह्यूज की 10वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने का फैसला किया था। खेल शुरू होने से पहले एडीलेड ओवल में ह्यूज के जीवन पर एक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। पिछले हफ्ते शेफील्ड शील्ड के मुकाबलों के

दौरान भी खिलाड़ी न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी ह्यूज को श्रद्धांजलि देने के लिए बांह पर काली पट्टी बांधकर खेले थे।

ह्यूज ने फरवरी 2009 में जोहानिसबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डेब्यू करने के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए 26 टेस्ट खेले। उन्होंने 2013 से 2014 के बीच 25 वनडे मैच और एकमात्र टी20 मैच भी खेला। रेडपाथ का एक दिसंबर को 83 साल की उम्र में बीमारी के कारण निधन हो गया था। उन्होंने 1964 से 1976 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 66 टेस्ट और पांच वनडे मैच खेले।

मैच की बात करें तो टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इस मैच के लिए भारतीय टीम में तीन बदलाव हुए, जबकि ऑस्ट्रेलिया में एक बदलाव हुआ। रोहित, शुभमन गिल और रविचंद्रन अश्विन की वापसी हुई। देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल और वॉशिंगटन सुंदर को बेंच पर बैठाया गया। वहीं, चोटिल जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड को ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया।

भारत को मैच की पहली ही गेंद पर झटका लगा था। स्टार्क ने यशस्वी को एल्बीडब्ल्यू आउट किया था। वह खाता नहीं खोल सके थे। इसके बाद शुभमन गिल और केएल राहुल ने जिम्मेदारी संभाली। एक वक्त टीम इंडिया ने 69 रन पर सिर्फ एक विकेट गंवाया था। इसके बाद 12 रन बनाने में भारत ने तीन और विकेट गंवा दिए। केएल राहुल (37), विराट कोहली (7) के बाद शुभमन गिल भी पवेलियन चलते बने। उन्हें स्कॉट बोलैंड ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह 31 रन बना सके।

आरबीआई ने किसानों को दी बड़ी सौगात

बिना ब्याज के मिलेगा 2 लाख का लोन

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने अपने आखिरी मॉनेटरी पॉलिसी में किसानों को बड़ी राहत दी है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बढ़ती महंगाई से किसानों को राहत देने के मकसद से बिना गारंटी के अब दो लाख रुपए तक का कर्ज उपलब्ध कराने की घोषणा की है। अभी यह सीमा 1.6 लाख रुपए है। इससे पहले आरबीआई ने लगातार 11वीं बार रेपो रेट में कोई बदलाव ना करने का फैसला लिया। इसका मतलब है कि रेपो रेट 6.5 फीसदी पर कायम रहेगा। दूसरी ओर सरकार ने कैश रिजर्व रेश्यो में कटौती करते हुए 4 फीसदी पर कर दिया है। जिससे देश के बैंकों को 1.15 लाख करोड़ रुपए का बूस्ट मिलेगा।

किसानों को बड़ी राहत

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समीक्षा की जानकारी देते हुए बुधवार को कहा कि महंगाई और कृषि में उपयोग होने वाले कच्चे माल की लागत में वृद्धि को देखते हुए गारंटी फ्री एग्री लोन की सीमा को 1.6 लाख रुपए से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने का निर्णय किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे वित्तीय संस्थानों से कर्ज लेने को लेकर छोटे और सीमांत किसानों का दायरा बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने 2010 में कृषि क्षेत्र को बिना किसी गारंटी के एक लाख रुपये देने की सीमा तय की थी। बाद में, 2019 में इसे बढ़ाकर 1.6 लाख रुपए कर दिया गया था। आरबीआई ने कहा कि इस संबंध में सर्कूलर जल्द ही जारी किया जाएगा।

रेपो रेट में 11वीं बार कोई बदलाव नहीं

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की पांचवीं मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग में लगातार 11वीं बार पॉलिसी रेट में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। हालांकि इकोनॉमी में नकदी बढ़ाने के मकसद से केंद्रीय बैंक ने सीआरआर (कैश रिजर्व रेश्यो) को 4.5 फीसदी से घटाकर चार फीसदी कर दिया। इस कदम से बैंकों में 1.16 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त नकदी उपलब्ध होगी।सीआरआर के तहत वाणिज्यिक बैंकों को अपनी जमा का एक निर्धारित हिस्सा नकद भंडार के रूप में केंद्रीय बैंक के पास रखना होता है। इसके साथ ही आरबीआई ने मौजूदा स्थिति को देखते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को भी 4.5 प्रतिशत बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है।

सोने का भाव 301 गिरकर 76,152 पर आया, चांदी 213 रुपए सस्ती हुई

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 6 दिसंबर को गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 301 रुपए गिरकर 76,152 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 76,453 रुपए प्रति दस ग्राम थी। चांदी के दाम में भी गिरावट है। ये 213 रुपए गिरकर 90,997 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। इससे पहले चांदी 91,210 रुपए पर थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,770 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,620 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,150 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,620 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,620 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,670 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 71,150 रुपये है।

धीमी जीडीपी वृद्धि पर बोलीं वित्त मंत्री सीतारमण तीसरी तिमाही में होगी मंदी की भरपाई

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। सितंबर तिमाही में जीडीपी में मंदी व्यवस्थित नहीं थी और तीसरी तिमाही में बेहतर सार्वजनिक व्यय के साथ आर्थिक गतिविधि मंदी की भरपाई कर सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को यह बात कही। भारत ने जुलाई-सितंबर वित्त वर्ष 25 में 5.4 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर्ज की, जो सात तिमाहियों में सबसे कम थी। पहली तिमाही में वृद्धि 6.7 प्रतिशत थी। सीतारमण ने एक कार्यक्रम में कहा, यह एक व्यवस्थित मंदी नहीं है। यह सार्वजनिक व्यय, पूंजीगत व्यय और इसी तरह की अन्य गतिविधियों में कमी की वजह से है... मुझे उम्मीद है कि तीसरी तिमाही इन सबकी भरपाई कर देगी। वित्त मंत्री ने कहा, इसलिए, विकास दर की संख्या ऐसी चीज है जो जरूरी नहीं कि बुरी तरह प्रभावित हो। हमें कई अन्य कारकों पर जोर देने की जरूरत है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत अगले साल और उसके बाद भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा।आम चुनाव और पूंजीगत व्यय में कमी की वजह से पहली तिमाही में विकास की गति कम रही। इसका असर दूसरी तिमाही पर भी पड़ा है। पहली छमाही में, सरकार ने वित्त वर्ष 25 के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये के अपने पूंजीगत व्यय लक्ष्य का केवल 37.3 प्रतिशत खर्च किया। वित्त मंत्री की टिप्पणी भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से चालू वित्त वर्ष के लिए अपने विकास अनुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत करने के कुछ ही देर बाद आई। सीतारमण ने कहा कि विकास को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों में वैश्विक मांग में स्थिरता शामिल है, जिसने निर्यात वृद्धि को प्रभावित किया। उन्होंने कहा, भारतीयों की क्रय शक्ति में सुधार हो रहा है, लेकिन भारत में, आपको पर्याप्त वेतन की भी चिंता करनी होती है। हम इन कारकों से अच्छी तरह वाकिफ हैं, जिनका भारत की अपनी खपत पर असर हो सकता है। वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 24 के लिए अपने आर्थिक सर्वेक्षण में चालू वित्त वर्ष के लिए 6.5-7 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया था। उन्होंने कहा, हमारे पास एक ऐसा प्रधानमंत्री है जो हर चुनौती में अवसर तलाशता है। कोविड-19 के दौरान चुनौती को सुधार लाने के अवसर के रूप में देखा गया।

मुकेश अंबानी का जलवा,5जी के मामले में भारत ने ब्रिटेन को बनाया फिसड्डी

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। साल 2016 में सितंबर के महीने में जब मुकेश अंबानी ने रिलायंस जियो को लॉन्च किया था, तो उन्होंने एक बात कही थी कि आने वाला भविष्य ऐसा होगा जहां 'डेटा नया तेल है' होगा। उनकी इस बात के दो मायने थे, एक वो डेटा जो आज आप और हम लाइक, कमेंट, शेयर, चैट, पोस्ट के माध्यम से दुनिया की बड़ी-बड़ी टेक कंपनियों को दे रहे हैं, दूसरा डेटा की स्पीड यानी 4जी और 5जी की दुनिया। रिलायंस जियो का ही कमाल है कि आज 5जी जैसी टेक्नोलॉजी में भारत ने ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया है। जी हां, मोबाइल इंटरनेट स्पीड के मामले ऊक्ला के ग्लोबल स्पीडटेस्ट इंडेक्स में भारत की रैंकिंग ब्रिटेन के साथ-साथ कई यूरोपीय देशों से बेहतर है। भारत आज की तारीख में एक 5जी रेडी कंट्री है, जबकि यूरोप के कई देश इस मामले में फिसड्डी बने हुए हैं।

ब्रिटेन से आगे निकला भारत

ग्लोबल स्पीडटेस्ट इंडेक्स में मोबाइल इंटरनेट स्पीड कैटेगरी में भारत की रैंकिंग 26 है, जबकि क्रोएशिया, माल्टा, कनाडा और ब्राजील जैसे देश भी भारत से पीछे हैं। वहीं इस कैटेगरी में ब्रिटेन की रैंकिंग 53वीं है। इतना ही नहीं अगर बात मोबाइल पेनेटेरेशन की करें, तो भारत की स्थिति इस मामले में भी काफी बेहतर है। भारत की 78 प्रतिशत आबादी के पास मोबाइल कनेक्शन मौजूद है। इतना ही नहीं, भारत में मोबाइल से इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले यूजर्स की संख्या 93.61 करोड़ तक पहुंच चुकी है। मोबाइल सब्सक्राइबर्स के लिहाज से रिलायंस जियो देश की सबसे बड़ी कंपनी है। इसके सब्सक्राइबर्स की संख्या 46.37 करोड़ है। जबकि भारती एयरटेल 38 I34 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर है।

मुकेश अंबानी और भारत में 5जी टेक्नोलॉजी

मुकेश अंबानी ने जब रिलायंस जियो लॉन्च किया था, तब वह देश में इकलौती कंपनी थी जो पूरी तरह से 4जी रेडी थी। शुरुआत में कंपनी ने 6 महीने तक इंटरनेट मुफ्त दिया जिसकी वजह से जहां उसके सब्सक्राइबर बढ़े, वहीं देश में 4जी पेनेटेरेशन तेजी से हुआ। इतना ही नहीं रिलायंस जियो ने मार्केट में काफी कॉम्पिटीटिव कीमत पर इंटरनेट प्लान को लॉन्च किया, जिससे देश में इंटरनेट की कीमत सस्ती हुई।रिलायंस जियो की मार्केट स्ट्रैटजी को लेकर कई आपत्तियां भी रहीं, लेकिन एक कंज्यूमर की दृष्टि से भारत में दो बड़े बदलाव देखने को मिले। एक तो देश की सभी टेलीकॉम कंपनियों ने 4जी और 5जी टेक्नोलॉजी पर निवेश करना शुरू किया। वहीं सभी के मोबाइल प्लान कॉल रेट की बजाय इंटरनेट यानी डेटा पर शिफ्ट हो गए। भारत में आज लोगों के पास दुनिया का सबसे सस्ता इंटरनेट मौजूद है। भारत 6जी के लिए तैयार, ब्रिटेन बना रहा 5जी ब्रिटेन जैसे देश में हाल में वोडाफोन और थ्री जैसी टेलीकॉम कंपनियों के मर्जर को इसी शर्त पर मंजूरी मिली है कि वह 5जी टेक्नोलॉजी पर अरबों डॉलर का निवेश करेंगे। ब्रिटेन जहां अभी खुद को 5जी टेक्नोलॉजी के लिए अपडेट कर रहा है, तो भारत में 6जी की भी तैयारी शुरू हो गई है।

आरबीआई पॉलिसी के दिन हल्की गिरावट पर बंद बाजार, बैंक निफ्टी मायूस-आईटी भी टूटा

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। आरबीआई की क्रेडिट पॉलिसी के पहले और बाद में बाजार में आज उतार-चढ़ाव देखा गया. आज के सत्र में बाजार में सधा हुआ कारोबार देखा गया. ऑटोमोबाइल सेक्टर में खासी हलचल रही और एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस शेयरों में भी उठापटक बनी रही. गिरने वाले और चढ़ने वाले शेयरों को देखें तो 1694 शेयरों में तेजी रही और 1127 शेयरों में गिरावट देखी गई है.

किन स्तरों पर हुई बाजार की क्लोजिंग

बीएसई का सेंसेक्स 56.74 अंक गिरकर 81,709.12 के लेवल पर क्लोज हुआ है और एनएसई का निफ्टी आज 30.60 अंकों की गिरावट के साथ 24,677 पर क्लोज हुआ है.

सेक्टोरल इंडेक्स का कैसा रहा हाल

आरबीआई की क्रेडिट पॉलिसी के आने के तुरंत बाद बैंक शेयर जरूर मजबूती पर दिखे थे लेकिन बाजार बंद होते समय ये लाल निशान में फिसल गया था. बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक जैसे शेयरों में आज तेजी रही लेकिन बैंकिंग शेयरों में कुल मिलाकर मायूसी ही छाई रही. बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, आईटी, मीडिया, फार्मा, हेल्थकेयर इंडेक्स और रियल्टी सेक्टर में गिरावट देखी गई और ये मार्केट क्लोजिंग के समय कमजोरी के साथ दिखाई दिए.

सेंसेक्स के शेयरों का क्या रहा हाल

सेंसेक्स के 30 में से 14 शेयरों में मजबूती के साथ कारोबार बंद हुआ और यहां टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, एलएंडटी, आईटीसी और टाटा स्टील इसमें टॉप गेनर्स रहे हैं. सेंसेक्स के गिरने वाले शेयरों की संख्या 16 रही और इसमें अडानी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट रही है.

बीएसई के मार्केट कैपिटलाइजेशन को जानें

बीएसई के मार्केट कैपिटलाइजेशन को देखें तो ये 459.23 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है. इसमें 4088 शेयरों में कारोबार बंद हुआ जिसमें से 2399 शेयरों में उछाल पर ट्रेड क्लोज हुआ जबकि 1590 शेयरों में गिरावट देखी गई है. 410 शेयर अपर सर्किट पर बंद हुए जबकि 191 शेयरों में लोअर सर्किट रहा

आलू-टमाटर के दाम जेब कर रहे खाली, अक्टूबर में 7% महंगी हुई घर की थाली

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। जब से टमाटर और आलू की कीमतों में इजाफा देखने को मिला है, तब से आम लोगों की जेब लगातार ढीली होती जा रही है। इस महंगाई के कारण घर की साधारण शाकाहारी थाली, नॉन वेज थाली के मुकाबले लगातार तेजी के साथ महंगी होती जा रही है।

अक्टूबर महीने के आंकड़े को देखें तो घरेलू वेज थाली की कीमत में 7 फीसदी तक का इजाफा देखने को मिला है। जबकि समान महीने में नॉन वेज थाली की कीमत में फीसदी तक की तेजी देखने को मिली है। अब आप समझ जाइए कि आलू और टमाटर की कीमत ने आम लोगों के साधारण भोजन को भी कितना महंगा कर दिया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर क्रिसिल की ओर से आई रिपोर्ट में किस तरह की जानकारी दी गई है।

महंगी हुई वेज थाली

टमाटर और आलू की कीमतें बढ़ने से नवंबर के महीने में घरेलू शाकाहारी भोजन साल भर पहले की तुलना में सात प्रतिशत तक महंगा हो गया। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की मासिक 'रोटी चावल दर' रिपोर्ट कहती है कि नवंबर महीने में शाकाहारी थाली की कीमत सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 32.7 रुपये हो गई। शाकाहारी थाली महंगी होने का मुख्य कारण टमाटर की कीमतों में 35 प्रतिशत और आलू की कीमतों में 50 प्रतिशत की उच्च बढ़ोतरी है। पिछले महीने टमाटर के दाम 53 रुपये प्रति किलो और आलू के दाम 37 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए। इसके अलावा, दालों की कीमतों में भी 10 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला।

कब कम होंगे दाम

हालांकि रिपोर्ट कहती है कि दिसंबर महीने में नई फसलों की आवक आने से इन उत्पादों के दाम गिरने की संभावना है। नवंबर में आयात शुल्क में बढ़ोतरी की वजह से वनस्पति तेल की कीमतें भी 13 प्रतिशत तक बढ़ गईं।

राहत की बात यह रही कि एलपीजी की कीमतों में कटौती से फ्यूल लागत 11 प्रतिशत घट गई। इससे घरेलू थाली की लागत पर दबाव कम करने में मदद मिली। अब देखने वाली बात ये होगी कि नवंबर और दिसंबर महीने की क्रिसिल रिपोर्ट के आंकड़े किस तरह की कहानी बयां करते हैं। वैसे सरकारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर महीने की खुदरा महंगाई 6 फीसदी से ऊपर चली गई थी। जिसमें खाद्य महंगाई का योगदान सबसे ज्यादा देखने को मिला था।

नॉन वेज थाली में दो फीसदी का इजाफा

बीते महीने मांसाहारी थाली की कीमत भी दो प्रतिशत बढ़कर 61.5 रुपये हो गई। इस दौरान ब्रॉयलर मुर्गे की कीमत तीन फीसदी का इजाफा देखने को मिला है।

मांसाहारी थाली की गणना में ब्रॉयलर का वेटेज 50 फीसदी है। अक्टूबर की तुलना में शाकाहारी थाली की कीमत में दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई जिसके पीछे टमाटर की कीमतों में 17 प्रतिशत की मासिक गिरावट की अहम भूमिका रही। वहीं मांसाहारी थाली की कीमत स्थिर रही।

तय हो गया साई लाइफ साइंसेज का प्राइस बैंड, कम से कम कितने शेयरों के लिए लगानी होगी बोली

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)।वाली कंपनी साई लाइफ साइंसेज प्रथमिक बाजार से करीब 3,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है। निवेशक इस कंपनी के आईपीओ में आगामी 11 दिसंबर से बोली लगा सकेंगे। यह आईपीओ आगामी 13 दिसंबर तक बोली लगाने के लिए खुला है।

क्या है कंपनी की योजना

साई लाइफ साइंसेज आईपीओ के जरिये 3043 करोड़ रुपये तक जुटाना चाहती है। आईपीओ के तहत 3.81 करोड़ शेयरों को ऑफर फोर सेल के जरिये बेचा जाएगा जबकि 900 करोड़ रुपये का फ्रेश इयू आ रहा है। इन दोनों को मिला दिया जाए तो इश्यू का कुल आकार 2,940 करोड़ रुपये से 3,043 करोड़ रुपये तक है। इस आईपीओ में कुल इश्यू शेयर का 35 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए, 50 प्रतिशत योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए और 15 प्रतिशत गैर-योग्य संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित है।

क्या है आईपीओ का प्राइस बैंड

साई लाइफ साइंसेज आईपीओ का प्राइस बैंड 522 रुपये से 549 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इसमें अप्लाई करने के लिए निवेशकों को कम से कम 27 शेयर खरीदने होंगे। इससे ऊपर इतने शेयरों के गुणक में ही निवेश करना होगा। खुदरा निवेशकों के लिए न्यूनतम निवेश राशि 14,823 रुपये है।

कौन हैं बुक रनिंग लीड मैनेजर

साई लाइफ साइंसेज का आईपीओ में कोटक महिंद्रा कैपिटल, आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज, जेफरीज इंडिया और मॉर्गन स्टेनली इंडिया बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। कैफीन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड साई लाइफ साइंसेज के आईपीओ का आधिकारिक रजिस्ट्रार है।

कब होगा शेयरों का अलॉटमेंट और लिस्टिंग

कंपनी सोमवार 16 दिसंबर को शेयरों का आवंटन कर सकती है। शेयरों को अगले दिन (17 दिसंबर) सफल बोलीदाताओं के डीमैट खाते में जमा किया जा सकता है। जो लोग शेयर पाने में विफल रहे, उन्हें मंगलवार, 17 दिसंबर को पैसा वापस कर दिया जाएगा। साई लाइफ साइंसेज का शेयर 18 दिसंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकता है। (डिस्क्लेमरः यहां दी गई जानकारी केवल सूचनात्मक उद्देश्यों के लिए है। यहां यह उल्लेख करना जरूरी है कि बाजार में निवेश करना बाजार जोखिमों के अधीन है।एक निवेशक के रूप में, पैसा निवेश करने से पहले हमेशा किसी विशेषज्ञ से सलाह लें। 'नवभारत टाइम्स' किसी को भी पैसा निवेश करने की सलाह नहीं देता है।

18 साल से कम उम्र है तो इन लोगों को पैन कार्ड बनाना हुआ जरूरी

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पैन कार्ड अब सिर्फ बड़ों के लिए ही नहीं, बल्कि बच्चों के लिए भी बनेगा। आयकर अधिनियम की धारा 160 में पैन कार्ड बनाने के लिए कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है। यानी कि अब 18 साल से कम उम्र के नाबालिग बच्चों का भी पैन कार्ड बनेगा। अगर माता-पिता भविष्य के लिए बच्चों को फाइनेंशियली सिक्योर बनाना चाहते हैं, तो पैन कार्ड बनाना जरूरी है। यदि आप शेयर , म्युचुअल फंड्स या अपने किसी और इंवेस्टमेंट में अपने बच्चों को नॉमिनी बनाना चाहते हैं, तो इस सिलसिले में पैन कार्ड बनाना जरूरी है। टैक्स से बचने के लिए आमतौर पर नाबालिगों की आय को माता-पिता की आय से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन यदि 18 साल से कम उम्र के बच्चे नौकरी या बिजनेस या किसी और पेशेवर तरीके से इनकम करते हैं, तो वे टैक्स पेयर की कैटेगरी में आते हैं और इसके लिए पैन कार्ड का होना जरूरी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-37
सूर्यास्त. - 17-37
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	वृश्चिक	मे	वृश्चिक-	05-03	बजे
चंद्र-	कुंभ	मे	धनु----	07-16	बजे
मंगल	कर्क	मे	मकर...	09-21	बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	कुंभ--	11-13	बजे
गुरु-	वृष	मे	मीन--	12-51	बजे
शुक्र-	मकर	मे	मेष---	14-26	बजे
शनि-	कुंभ	मे	वृष---	16-12	बजे
राहु-	मीन	मे	मिथुन-	18-12	बजे
केतु-	कन्या	मे	कर्क---	20-25	बजे
			सिंह---	22-36	बजे
			कन्या--	00-43	बजे
			तुला---	02-49	बजे

दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी 11-06 तक उपरान्त सप्तमी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल , शनिवार 07 December
नक्षत्र - धनिष्ठा 16-50 तक उपरान्त शतभिषा
योग - व्याघात 08-41 तक उप हर्षण
करण- तैतिल 11-06 तक उप गर
विशेष:- चम्पाषष्ठी स्कंद गुहषष्ठी
व्रत -त्योहार - मित्र सप्तमी

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:21 से 10:45 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:37 - 07:58	अशुभ	लाभ.	17:37 - 19:17	शुभ
शुभ.	07:58 - 09:21	शुभ	उत्पात	19:17 - 20:54	अशुभ
रोग	09:21 - 10:45	अशुभ	शुभ.	20:54 - 22:31	शुभ
उत्पात	10:45 - 12:08	अशुभ	अमृत.	22:31 - 00:08	शुभ
चंचल	12:08 - 13:31	शुभ	चंचल	00:08 - 01:45	शुभ
लाभ	13:31 - 14:54	शुभ	रोग	01:45 - 03:22	अशुभ
अमृत	14:54 - 16:17	शुभ	काल.	03:22 - 04:59	अशुभ
काल	16:17 - 17:37	अशुभ	लाभ.	04:59 - 06:37	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
व्यावहारिक स्थिति आज आपको काफी तीव्रता से काम करने के लिए मजबूर कर रही हैं, पर आपका मन अपने परिवार के साथ समय बिताने में अधिक रुचिकर दिखेगा । इसलिए, आपको दक्षता से अपनी दोनों प्रतिबद्धताओं को निभाना होगा । आप अपने काम को नजरअंदाज न करें , हालाँकि आपका मन इधर उधर भागेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा । काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा । आप अपने एक सुरक्षित भविष्य के लिए एक बीमा पॉलिसी में खुद को पंजीकृत कर सकते हैं।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन आपकी प्रगति रुक सकती है। अगर आपने किसी भी गैजेट या कुछ रचनात्मक वस्तु का उत्पादन किया है, तो उसे जल्द से जल्द उस पर क़ानूनी एकाधिकार करवा ले । लोग ये साबित करने की कोशिश कर सकते हैं की ये वस्तु उन्ही की है , हालांकि वास्तविकता में वे शायद ही कोई भी उत्पाद की एक प्रतिकृति के निर्माण में आपके करीब आ सकते हैं।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप एक दार्शनिक मुद्रा में रहेंगे और गहरी सोच वाली ऐसी किसी भी नौकरी में आज आप सफलता को छुएंगे । शिक्षकों, वकीलों, दार्शनिकों, प्रचारकों और राजनेताओ के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा । लेकिन आपको सांसारिक एवं जीवन के गहरे सवालों के बीच ध्यान देने की जरूरत है।व्यावहारिक स्थिति से अपना मुख मोड़ना आज आपकी सबसे बड़ी समस्या है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
बेहतर संचार आप के लिए लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगा और आपको इस मोड़ पर बुद्धिमानी से इस कौशल का उपयोग करना होगा । आपका व्यवसायिक विवेक आज शीर्ष स्तर पर रहेगा । आपको भविष्य में बिक्री और सहभागिता के आंकलन के लिए कहा जा सकता है। आपकी मजबूत ज्ञान युक्त व विवेकपूर्ण क्षमता इसमें आपकी मदद करेगी ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप अपने सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे और कार्य क्षेत्र में शांति का माहौल रहेगा , लेकिन व्यापार के मामलों में किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करें। धोखाधड़ी की संभावना है। यदि संभव हो तो अपनी व्यापारिक सौदों को दूसरे दिन पर ठाले और अपने सहयोगियों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप अपने वित्त के संबंध में दुविधा की स्थिति में रहेंगे । विरोधाभासी ग्रहों के प्रभाव की वजह से अलग अलग दिशाओं में आपका अंतर्मन भागेगा । आप महंगी खरीदारी के बारे में सोचेंगे , लेकिन आखिरी समय में अंतिम निर्णय लेने में आपको मुश्किल हो सकती है। इस तरह की दुविधा आपके निवेश में भी प्रतिबिंबित होगी ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज का दिन अपने सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए एकदम सही है। आप किन्ही बाहरी कारणों से समय पर अपना काम खत्म नहीं कर पाये , इसलिए आपको शीघ्रता दिखानी होगी , क्योंकि आपका काफी कार्य लंबित है । आज नयी प्रतिबद्धताओं का दबाव कम होगा , इसलिए आप अपनी पुरानी प्रतिबद्धताओं को समय पर खत्म कर पाएंगे।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप एक साथ कई परियोजनाओं के बोझ तले दबा हुआ सा महसूस कर सकते हैं। आप अपने कार्य को कुछ देर से शुरू कर पायेंगे क्यों की काम के बोझ से आप अपने को थका हुआ महसूस करेंगे । आप एक के बाद एक काम के कारण अपने आपको एक दुष्चक्र में फंसा हुआ महसूस करेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है । आपको एक नए घर का स्वामित्व मिल सकता है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
प्रमुख परिवर्तन आज आपके कार्यस्थल पर होने की उम्मीद हैं। वास्तव में आपके आय अर्जित करने के साधन में परिवर्तन आ सकता है , और आप ऐसे कार्य में लिप्त हो सकते है जिसको आप करना चाह रहे थे परन्तु आपने सपने में भी नहीं सोचा था , की ऐसा अवसर आपको मिल सकता है । आप अपने कार्यस्थल पर नवीन विचारो एवं नए दृष्टिकोण के साथ आ सकते है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
सौहार्द और सार्वभौमिक जयकार का माहौल आज आपके कार्यस्थल में रहेगा और आप जिस कार्य को करने में आम तौर पर नफरत करते है उसे आप आनंद के साथ करेंगे । आज आप अपने कार्य के लिए नए उत्साह एवं ऊर्जा पाएंगे और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए अपने सहयोगियों से सक्रिय समर्थन की प्राप्ति होने की भी संभावना प्रबल है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सिंहदेव बोले- कांग्रेस संगठन कैडर बेस्ड नहीं

पूर्व डिप्टी सीएम ने चुनावी नतीजों पर कहा- हमारे कार्यकर्ता बंधे हुए नहीं, एक्सरसाइज की जरूरत

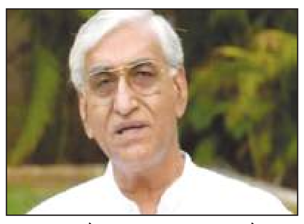

रायपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व डिप्टी सीएम सिंहदेव ने चुनावों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि, कमियां तो हैं जिसका आकलन करना होगा। कांग्रेस के पास जो वर्कर हैं उन्हें काफी ढीला छोड़ दिया गया है, बंधे हुए नहीं हैं। आगे उन्होंने कहा कि, कांग्रेस का जो स्वरूप है वो कैडर बेस्ड नहीं है। बीजेपी और कुछ पार्टियां कई दशकों से कैडर बनाकर काम कर रही हैं। आरएसएस से भी साइलेंट वर्क फोर्स बीजेपी को मिल रहा है। बीजेपी में जो संगठन हैं वहां लगातार मीटिंग हो रही है, उनका संगठन अपने वर्कर को लगातार दौड़ा रहा है। ऐसा कैडर बनाने में कांग्रेस को टाइम लगेगा। एक्सरसाइज की जरूरत है।

सिंहदेव ने कहा कि, हम 72 से 35 सीटों पर क्यों आ गए? हम लोकसभा की भी सीट जीत सकते थे, लेकिन वहां भी नहीं जीत पाए। समीक्षा भी हुई है, लेकिन अब उस पर अमल करने की जरूरत है। बीजेपी में जो है, वो कांग्रेस में नहीं है। कांग्रेस लोगों की पार्टी है, लेकिन कैडर हमारे यहां नहीं है। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर हॉर्स ट्रेडिंग का आरोप लगाया है, चंद्राकर के आरोपों पर टीएस ने कहा कि नगरीय निकाय का चुनाव डायरेक्ट है, तो प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री भी डायरेक्ट चुनना चाहिए। हॉर्स ट्रेडिंग का डर यहां है तो प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री चुनने में भी हो सकता है। आजकल चलन में है ऑपरेशन लोटस। ये जो आयाराम, गयाराम की स्थिति है, इस पर सख्त कानून बनाना चाहिए। अगर कोई ऐसे दूसरी पार्टी में शिफ्ट हो तो एक निश्चित समय तक चुनाव लड़ने नहीं देना चाहिए।

कारोबारी को ईडी ने किया गिरफ्तार

डीएमएफ घोटाले में निलंबित आईएएस रानू साहू से लेनदेन का आरोप, सीजीपीएससी वाले पैटर्न में ही डील

रायपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर के एक कंस्ट्रक्शन उद्योग से जुड़े कारोबारी को ईडी ने अरेस्ट किया है। गुरुवार की शाम इसे रायपुर की ईडी अदालत में पेश किया गया। मनोज कुमार द्विवेदी नाम के इस कारोबारी को अदालत ने 4 दिन की ईडी रिमांड दी है। अब प्रवर्तन निदेशालय के अफसर इससे पूछताछ कर रहे हैं।

निदेशालय के वकील सौरभ पांडेय ने बताया कि डीएमएफ घोटाले से इस कारोबारी का लिंक होने के सबूत मिले थे। इसी के बाद ये कार्रवाई की गई। इस पर आरोप है कि इसने अपनी बनाई एनजीओ में डीएमएफ फंड का पैसा हासिल किया। इसके बाद कमीशन आईएएस रानू साहू तक पहुंचाया। कितने की लेनदेन हुई, ये ईडी की पूछताछ में पता चलेगा।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मनोज ने अफसरों से 10 करोड़ से ज्यादा रुपए की डील की है। हाल ही में इस मामले में गिरफ्तार हुई एक और अधिकारी माया वारियर भी इस डीलिंग में शामिल रही हैं। मनोज कुमार द्विवेदी खुद उदगम सेवा समिति के नाम से संस्था चलाता था। कंस्ट्रक्शन के ठेके भी लिया करता था। डीएमएफ मामले में निलंबित आईएएस अफसर रानू साहू और सीजीपीएससी भर्ती गड़बड़ी मामले में आईएएस टामन सोनवानी जेल में बंद है। दोनों ही घोटालों में शुरुआती जांच में अधिकारियों द्वारा रुपयों के लेनदेन का जो पैटर्न है एक सा है।

आईएएस रानू साहू, इस वक्त रायपुर की जेल में बंद हैं

डीएमएफ घोटाले में मनोज की संस्था को सरकारी पैसे मिले, इसमें अफसरों ने कमीशन लिया। सीजीपीएससी में आईएएस सोनवानी की पत्नी की बनाई संस्था को कारोबारी श्रवण गोयल ने पैसे दिए। गोयल के रिश्तेदार पीएससी में सरकारी पदों पर सिलेक्ट भी हुए।

छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से जारी की गई जानकारी के मुताबिक प्रवर्तन निदेशालय की रिपोर्ट के आधार पर ईओडब्ल्यू ने धारा 120 बी 420 के तहत केस दर्ज किया है। इस केस में यह तथ्य निकाल कर सामने आया है कि डिस्ट्रिक्ट माइनिंग फंड कोरबा के फंड से अलग-अलग टेंडर आवंटन में बड़े पैमाने पर आर्थिक अनियमित की गई है।

टेंडर भरने वालों को अवैध लाभ पहुंचाया गया। अब तक की जांच रिपोर्ट में यह पाया गया है कि टेंडर की राशि का 40% सरकारी अफसर को कमीशन के रूप में इसके लिए दिया गया है। प्राइवेट कंपनियों के टेंडर पर 15 से 20% अलग-अलग कमीशन सरकारी अधिकारियों ने ली है।

ईडी ने अपनी जांच रिपोर्ट में पाया था कि आईएएस अफसर रानू साहू और कुछ अन्य अधिकारियों ने अपने-अपने पद का गलत इस्तेमाल किया।

दिसंबर में चार डिग्री तक गिरा तापमान

आठ को सात जिले में बारिश की संभावना, कुहासे और बादल के बीच बढ़ेगी ठंड

रांची, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिलेगा। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से राज्य के कुछ जिलों में बारिकी संभावना जताई गई है। वहीं कई जिलों में बादल छाए रहने का पूर्वानुमान किया गया है। मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि आठ और नौ को बारिश हो सकती है।

आठ नवंबर को सात जिले में बारिश होगी। जबकि अन्य जिलों में कुहासा और बादल छाए रहेंगे। मौसम की ऐसी ही स्थिति नौ दिसंबर को भी रहेगी। इन दोनों दिन पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा और रांची में बारिश होगी।

बीते 24 घंटे के मौसम की बात करें तो रांची में दिन में तेज धूप से मौसम में गर्माहट रही लेकिन शाम होते ही पारा में गिरावट आने से ठंड लगने लगी। गुरुवार को रांची का न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि बुधवार को न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस था। कांके का न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

माइनिंग कंपनी के कार्यालय में सेंट्रल-जीएसटी की रेड

टैक्स चोरी के शक में छापेमारी, 4 गाड़ियों में पहुंचे अधिकारी, खंगाले जा रहे दस्तावेज

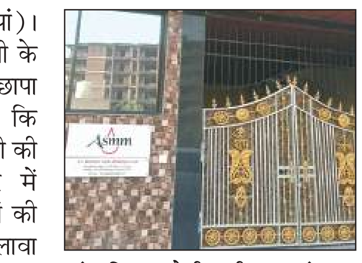

रायपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर में एक माइनिंग कंपनी के दफ्तर पर सेंट्रल जीएसटी ने छापा मारा है। बताया जा रहा है कि टैक्स चोरी के शक में छापेमारी की गई है। कंपनी के दफ्तर में जीएसटी अधिकारी दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। इसके अलावा कंपनी के कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है। सेंट्रल जीएसटी की टीम के अधिकारी चार गाड़ियों में सवार होकर पहुंचे हैं। सूत्रों में मुताबिक, जीएसटी अफसरों को रायपुर के शंकर नगर वीआईपी स्टेट स्थित एएस माइनिंग एंड मिनरल्स कंपनी में टैक्स चोरी की शिकायत मिल रही थी, जिसके चलते शुक्रवार सुबह जीएसटी की करीब 12 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारियों की टीम माइनिंग कंपनी के दफ्तर में दबिश दी। साथ ही जीएसटी के अफसर कंपनी के कार्यालय में मौजूद कागजात खंगाल रहे हैं, जिससे कंपनी का आय व्यय की जानकारी मिल सके। बताया जा रहा है कि कंपनी मालिक के घर से ही संचालित होती थी। यहां पर ऑफिस के साथ निवास भी है। 2 महीने पहले ही इस मकान में ऑफिस खोला गया था। फिलहाल ये जानकारी सामने नहीं आ पाई है कि कंपनी किस व्यक्ति या समूह की है। सेंट्रल जीएसटी की टीम ने 2 हफ्ते पहले अंबिकापुर में भी छापा मारा था। यहां महामाया रोड स्थित कोल ट्रांसपोर्टर, हर्ष रोड लाइंस इंटरप्राइजेस के ठिकाने पर दबिश दी गई थी। बताया गया कि, कोल ट्रांसपोर्टर ने करीब 8 कंपनियां बनाई।

इनमें करोड़ों का कारोबार हुआ और फिर ये कंपनियां बंद कर दी गईं। करोड़ों रुपए की जीएसटी राशि की गड़बड़ी की आशंका इसमें जताई गई है।

छत्तीसगढ़ में पुलिस-नक्सली मुठभेड़

जवानों ने नक्सलियों पर दागे बीजीएल, कांकेर में शहीद के अंतिम संस्कार में रो पड़ा पूरा गांव

बीजापुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर पुलिस-नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। फायरिंग में 2 जवान घायल हो गए हैं। हालांकि इनको मामूली चोट आई है। मुठभेड़ के बीच नक्सलियों पर बीजीएल से अटैक करते जवानों का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें जवान फायर करते दिख रहे हैं। मामला पामेड़ थाना क्षेत्र का है। दरअसल, ये मुठभेड़ गुरुवार की देर रात सुकमा-बीजापुर जिले के बॉर्डर झिडपल्ली-2 में हुई है। बताया जा रहा है कि हाल में खुले कैंप के आउटर में जवान ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान नक्सलियों ने जवानों पर हैवी फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में नक्सली भाग निकले। वहीं कांकेर के शहीद जवान के अंतिम संस्कार में परिवार रो पड़ा, अंतिम यात्रा में पूरा गांव शामिल हुआ। वहीं 4 दिसंबर को नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एक डीआरजी जवान शहीद हो गया। बस्तर आईजी सुंदरराज पी की मौजूदगी में श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद पार्थिव शरीर को गृह ग्राम कांकेर के मर्रामपानी के आश्रित ग्राम बावालाड़ी पहुंचा। जहां बेटियों ने अर्थी को कंधा दिया। अंतिम संस्कार में पूरा गांव रो पड़ा। परिजन भी बिलखते रहे।

सोनपुर और कोहकामेटा बॉर्डर के पास जंगल में बीएसएफ और डीआरजी की टीम नक्सलियों के एंबुश में फंस गई थी। बुधवार दोपहर 1 बजे से दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग हुई। मुठभेड़ के दौरान नारायणपुर में हेड कॉन्स्टेबल बीरेंद्र कुमार सोरी (36) को गोली लगी, जिससे उनकी मौके पर शहादत हो गई। नक्सली शहीद जवान का हथियार लूटकर ले गए थे। अबूझमाड़ में नक्सली पीएलजीए (पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी) की वर्षगांठ मना रहे थे। सोनपुर कोहकामेटा थाना क्षेत्र के परादी और गारपा के जंगलों में बड़े नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर जवानों को सर्च ऑपरेशन के लिए निकाला गया था।

बीरेंद्र कुमार सोरी 2010 में नारायणपुर जिला बल में कॉन्स्टेबल के पद पर भर्ती हुए थे। 2018 में नक्सल ऑपरेशन में वीरतापूर्ण कार्य के लिए उन्हें हेड कॉन्स्टेबल के पद पर पदोन्नत किया गया था। वे कांकेर के नरहरपुर के रहने वाले थे।

जवान की तीन बेटियां निकिता, आराधना और झरना शोरी पिता के पार्थिव शरीर आते ही बिलख पड़ीं। तीनों पिता के जाने के बाद अब अपने दादा और चाचाओं के भरोसे रह गई हैं। ग्रामीणों के अनुसार दादा नारायण शोरी जनपद में बाबू, छोटे चाचा अजय शोरी नगर पंचायत में बाबू और मंझले चाचा हरिचन्द शोरी शिक्षा कर्मी हैं। गांव में अंतिम यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने फूल बरसाकर शहीद जवान को श्रद्धांजलि दी। शहीद जवान के सामने बाइक रैली निकाली गई साथ ही क्षेत्र के दुकानदार भी अपनी दुकानें बंद रख अंतिम यात्रा में शामिल हुए।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में दिखा टाइगर

ग्रामीण इलाके में राहगीरों ने मोबाइल में किया रिकॉर्ड, अमरकंटक के पास भैंस का किया था शिकार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में शुक्रवार सुबह टाइगर दिखा है। जंगल से निकलकर ग्रामीण इलाके में बाघ घूमते दिखा। बाघ को लेकर इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं वन विभाग की टीम अलर्ट मोड पर है। मामला मरवाही वन परिक्षेत्र के परासी गांव का है।

मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार रात में परासी गांव के छोटे लाल कैवर्त ने पहली तस्वीर खींची, फिर परासी गांव के पास सुबह राहगीरों ने गुजर नाले के पास फिर बाघ को देखा, तो वीडियो भी बनाया। वीडियो में दिख रह है कि टाइगर कार के साइड से घूरते हुए निकल रहा है। बताया जा रहा है कि ये टाइगर पहले एटीआर में दिखा था। वहां से एमपी के अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ चला गया था। वहां से अब गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के परासी गांव में नजर आया है। मरवाही वन परिक्षेत्र में बाघ के मूवमेंट को ट्रैक करने में वनकर्मी जुट गए हैं। मरवाही वनमंडल के डीएफओ रौनक गोयल के मुताबिक, उनकी टीम लगातार मरवाही वन परिक्षेत्र में बाघ के मूवमेंट को ट्रैक कर रहे है। इसके पहले यह बाघ अमरकंटक क्षेत्र में विचरण कर रहा था। कयास लगाए जा रहे हैं कि बाघ घूमते हुए छत्तीसगढ़ के मरवाही वनमंडल में प्रवेश किया होगा।

बता दें कि 2 दिन पहले अनूपपुर जिले के वन परिक्षेत्र अमरकंटक के मेढ़ाखार गांव में बाघ को देखा गया था। बाघ मेढ़ाखार गांव में 2 दिन से डेरा जमाए हुए था, जहां एक भैंस का शिकार भी किया था। इस दौरान बाघ की गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए ट्रैप कैमरे भी लगाए गए थे। वन परिक्षेत्र अमरकंटक के दोनिया-बिजौरी गांव के बीच कुछ राहगीरों ने टाइगर देखा था, जिसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था। इस पर वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी रात भर गश्त कर निगरानी कर रहे थे।

सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत

सूरजपुर में स्कॉर्पियो पलटने से 3 की गई जान विश्रामपुर-प्रतापपुर में दो ने तोड़ा दम

सूरजपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में 3 अलग-अलग सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह चंद्रपुर के पास नेशनल हाइवे-43 पर स्कॉर्पियो का टायर फट गया। गाड़ी बेकाबू होकर पलट गई। इसमें 2 महिला और एक पुरुष की मौके पर मौत हो गई, जबकि 2 लोग घायल हैं। मिली जानकारी के मुताबिक पांचों लोग शादी में शामिल होने मनेंद्रगढ़ गए थे। वहां से अंबिकापुर लौट रहे थे। इसी दौरान सुबह-सुबह हादसे का शिकार हो गए। घायलों को तत्काल राहगीर और स्थानीय लोगों की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। वहीं विश्रामपुर और प्रतापपुर में एक-एक मौत हुई है।

स्कॉर्पियो वाहन पलटने से आनंद चौधरी (28) निवासी झारसुगुड़ा ओडिशा, रीता चौधरी (46) दरीपारा, अंबिकापुर और पुष्पा माझी (40) निवासी एनटीपीसी कोरबा की मौत हो गई। दुर्घटना में अजय नाथ चौधरी (38) और अनिकेत चौधरी (10) को चोट आई है। पिता-पुत्र को जिला अस्पताल सूरजपुर से अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है। वाहन में सवार दो अन्य महिलाएं सुरक्षित हैं।

वहीं कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतकों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के शिकार हुए स्कॉर्पियो सवार मनेंद्रगढ़ में शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे।

सभी एयरबैग खुल गए, फिर भी नहीं बची जान

पुलिस ने बताया कि सुबह-सुबह कोहरा और टायर फटने से गाड़ी पलटी है। हादसा इतना भयंकर था कि गाड़ी चकनाचूर हो गई है। सभी एयरबैग खुल गए हैं। इसके बाद भी 3 लोगों की जान नहीं बची। पुलिस मामले को लेकर जांच कर रही है।

वहीं विश्रामपुर में एक तेज रफ्तार ट्रक ने युवक को कुचल दिया, जिससे युवक की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। वहीं प्रतापपुर में अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। चंद्रभान भरकर पटेल प्रतापपुर के स्वास्थ्य केंद्र रामकोला में पदस्थ थे। हादसे के बाद स्थानीयों लोगों में आक्रोश का माहौल है। रात में मृतकों के परिजनों ने विश्रामपुर चौक पर करीब 2 घंटे प्रदर्शन किया। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग की। इसके बाद दिन में भी परिजन सड़क पर उतरे और हंगामा किया।

7 साल की बच्ची को रेपकर मार डाला

पत्थर से कुचलकर रेलवे-ट्रैक पर फेंकी थी लाश, हाईकोर्ट ने फांसी को उम्र कैद में बदला

बिलासपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में पड़ोसी ने 7 साल की बच्ची से रेप कर उसे मार डाला। बच्ची के सिर को पत्थर से कुचलकर रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने इस केस में दोषी को फांसी की सजा सुनाई थी, जिसे अब हाईकोर्ट ने उम्र कैद में बदल दिया है। केस की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस एके प्रसाद की डिवीजन बेंच में हुई।

इस दौरान डिवीजन बेंच ने कहा कि घटना भयानक और दर्दनाक है। ये जघन्य अपराध तो है पर इसे रेयर ऑफ रेयरेस्ट की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। सुनवाई के बाद डिवीजन बेंच ने दुष्कर्म और हत्या के दोषी दीपक बघेल की अपील को स्वीकार कर फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदलने का आदेश दिया है। दरअसल, कोतवाली थाना क्षेत्र में 28 फरवरी 2021 की रात करीब 8.30 बजे पड़ोसी दीपक बघेल झांकी दिखाने के बहाने अपने साथ बच्ची को ले गया था। बच्ची के साथ उसका 5 साल का भाई भी था।

इस दौरान भाई को झांकी समारोह में छोड़कर दीपक बच्ची को अपने साथ रेलवे ट्रैक के किनारे ले गया। इस दौरान बच्ची से दुष्कर्म किया। फिर उसके सिर पर पत्थर से वार कर कुचल दिया। हत्या के बाद लाश को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया।

झारखंड का मोस्ट वांटेड गैंगस्टर मयंक सिंह यूरोप से अरेस्ट!

एफबी पर लिखा- सुनील मीणा और मुझे एक समझा जा रहा, जबकि मैं आजाद हूं

रांची, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड पुलिस के मोस्ट वांटेड अपराधी और इंटरनेशनल गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई के दोस्त मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा को अरेस्ट कर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उसकी गिरफ्तारी पूर्वी यूरोप और एशिया के बीच बसे देश अजर बैजान से हुई है। हालांकि, उसके अजर बैजान में पकड़े जाने के मामले में झारखंड पुलिस का कोई भी अधिकारी कुछ नहीं बोल रहा। इस बीच मयंक सिंह ने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। उसमें उसने अपने आपको आजाद बताते हुए, लिखा है कि पुलिस मयंक सिंह और सुनील मीणा को एक समझ रही है। जो सही नहीं है। मयंक के इस दावे पर भी पुलिस कुछ भी बोलने से इनकार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक केस में फरार रहने की वजह से झारखंड पुलिस ने उसका पासपोर्ट जब्त कर लिया था। इसी मामले में सीबीआई के माध्यम से झारखंड पुलिस ने इंटरपोल के पास मयंक के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने का प्रस्ताव भेजा था।

इसके बाद से उसकी गिरफ्तारी अजर बैजान से हो सकी है। फिलहाल वह इंटरपोल के कब्जे में है। उसे प्रत्यर्पण संधि के तहत झारखंड लाने की तैयारी की जा रही है। मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा को इंटरनेशनल गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई का बचपन का दोस्त कहा जाता है। अपराध की दुनिया में लॉरेंस और मयंक ने एक साथ कदम रखा है। झारखंड पुलिस के मुताबिक, पिछले 2 साल से वह मलेशिया में बैठकर लॉरेंस के कहने पर झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर अमन साव के साथ काम कर रहा था। अमन और लॉरेंस बिश्नोई के बीच की अहम कड़ी मयंक सिंह ही है। झारखंड पुलिस के अनुसार, सुनील मीणा ही मयंक सिंह है। वह मूल रूप से राजस्थान के अनूपगढ़ जिले के नई मंडी थाना के जीडीए पुरानी मंडी घड़साना का रहने वाला है। उसके राजस्थान स्थित घर पर भी जाकर झारखंड पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया है। इधर, मीडिया में गिरफ्तारी की खबर आने के बाद मयंक सिंह ने अपने कथित फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट किया है। इसमें उसने दावा किया है कि मैं आज भी आजाद हूं और रहूंगा। उसने लिखा है- कुछ माध्यमों से पता चला कि सुनील कुमार मीणा और मयंक सिंह को एक समझा और बोला जा रहा है। जो सही नहीं है। सुनील मीणा सिर्फ मेरा मित्र है।

पोस्ट में यह भी लिखा है कि उसके प्रिय मित्र सुनील कुमार मीणा को अजर बैजान के एक होटल में 28 अक्टूबर की सुबह वीजा एक्सपायर होने पर और दो घंटे देरी से रिन्यू होने के बाद वीजा चेकिंग ऑफिसर ने डिटेन किया था। वो अभी अजर बैजान के डिटेंशन सेंटर में है। उसने आगे लिखा है- उम्मीद कि जल्द मेरे मित्र सुनील मीणा को झारखंड (इंडिया) लाया जाएगा।

पुलिस के साथ मुठभेड़ करने वाला उग्रवादी गिरफ्तार

पहले भी जा चुका है जेल, टीएसपीसी का है सक्रिय सदस्य

पलामू, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पलामू पुलिस ने उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार उग्रवादी जितेंद्र कुमार सिंह उर्फ मंत्री जी उर्फ अभियंता (28) पुलिस के साथ मुठभेड़ सहित आधा दर्जन कांड में शामिल रहा है। जितेंद्र उर्फ मंत्री नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के सलैया खुर्द गांव का रहने वाला है। इसकी गिरफ्तारी नौडीहा बाजार इलाके के बाराखाड़ डैम के पास से हुई है। शुक्रवार को अभियान एसपी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि सुबह में पुलिस को सूचना मिली थी कि जितेंद्र उर्फ मंत्री नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के बाराखाड़ डैम के पास आने वाला है। इस सूचना पर पुलिस ने उसकी घेराबंदी की। नौडीहा बाजार थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम बाराखाड़ डैम के पास छापेमारी के लिए पहुंची तो एक व्यक्ति भोवराहा पहाड़ी की ओर से डैम की तरफ आता दिखा। वो पुलिस को देखकर पीछे की ओर भागने लगा। पुलिस जवानों ने उसे दौड़ा कर पकड़ा। पूछताछ में उसने टीएसपीसी के साथ अपने संबंधों की जानकारी दी। अभियान एसपी ने बताया कि वर्ष 2021 से जितेंद्र उर्फ मंत्री टीएसपीसी का सक्रिय सदस्य है। इसके पूर्व वह टीएसपीसी के समर्थक के तौर पर मुखबिर का काम करता था। पहले भी वह जेल जा चुका है। फिलहाल वह अपने घर आ रहा था। इसलिए दस्ता के पास ही हथियार छोड़कर आया था। टीएसपीसी कमांडर नगीना के दस्ता का यह सदस्य है। इसी साल 24 अक्टूबर को छतरपुर थानाक्षेत्र के तिलदाग पहाड़ी पर पुलिस पर फायरिंग करने में जितेंद्र उर्फ मंत्री शामिल रहा था।

शराब दुकान में चोरी, 20 लाख की बोतल ले गए

गुमला, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। गुमला में चोरों ने एक शराब की दुकान को निशाना बनाया और करीब 20 लाख की बोतल ले गए। घटना जशपुर रोड के काली मंदिर के पास स्थित सरकारी शराब दुकान की है। साथ ही कुछ कैश की भी चोरी की गई है। चोरों ने शराब दुकान का एस्बेस्टस उखाड़ कर वारदात को अंजाम दिया। दुकानदार को घटना की जानकारी शुक्रवार की सुबह मिली।

शराब दुकान के कर्मी सुबह करीब साढ़े दस बजे दुकान खोलने पहुंचे तो देखा एस्बेस्टस कटा हुआ है। साथ ही शराब की बोतलें गायब हैं। इसके बाद कर्मियों के होश उड़ गए। कर्मियों ने वापस शटर को गिरा कर घटना की जानकारी उत्पाद विभाग के अधिकारी को दी। साथ ही थाना पहुंच कर घटना की मौखिक जानकारी दी।

पुलिस चोरी हुए शराब का सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मिलान करने में जुटी हुई है। इधर, कर्मियों ने बताया कि वे लोग गुरुवार की रात करीब साढ़े 9 बजे दुकान बंद कर घर लौट गए थे। चोरों ने कुछ शराब की बोतलें बाहर भी फेंक दी थीं।

चोरों ने शराब दुकान से कुछ नगद राशि की भी चोरी की है। गुरुवार के सेल का पैसा काउंटर में ही था। इसे चोर ले उड़े हैं। राशि कितनी थी, इसका खुलासा नहीं हो सका है।

बाइक की सीधी भिड़ंत, दो की मौत

गुमला, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। गुमला में दो बाइक की आमने-सामने टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना शुक्रवार को डुमरी थाना क्षेत्र के नवाडीह पंचायत अंतर्गत बिर्री पेट्रोल पंप के पास हुई। मृतकों में अनमोल कुजूर (35) और पिंगल मिंज (30) शामिल हैं। वहीं, घायलों में जेम्स मिंज (45), प्रताप केरकेट(30) और माइकल बरवा (32) को गंभीर अवस्था में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों बाइक सवार साप्ताहिक बाजार से आ रहे थे। एक बाइक पर दो लोग जबकि दूसरी गाड़ी पर तीन लोग सवार थे। हादसे के बाद ग्रामीणों और राहगीरों के सहयोग से 108 नंबर पर फोन किया गया। साथ ही पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना के बाद मौके पर एंबुलेंस के पहुंचने पर सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरी पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया।

आईएएस मंजूनाथ भजंत्री की याचिका पर 7 जनवरी को सुनवाई

रांची, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में आईएएस मंजूनाथ भजंत्री की एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस पंकज मित्तल की बेंच ने ईसीआई से अपना पक्ष रखने को कहा है। अब इस मामले में 7 जनवरी को सुनवाई होगी। आईएएस मंजूनाथ भजंत्री ने अपनी याचिका के माध्यम से उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें चुनाव कार्य से दूर रखते हुए विभाग कार्रवाई करने को कहा गया था। निर्वाचन आयोग ने 6 दिसंबर 2021 को राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर देवघर के तत्कालीन उपायुक्त पद से मंजूनाथ को हटाने तथा उन्हें चुनाव कार्य में नहीं लगाने का आदेश दिया था। मुख्य सचिव को मंजूनाथ के खिलाफ आरोप पत्र गठित कर विभागीय कार्यवाही करने का भी निर्देश दिया था। गोड्डा के सांसद डॉक्टर निशिकांत दुबे पर एक दिन में पांच थाना में केस दर्ज करने के मामले में शिकायत को आयोग ने सही पाया था। मंजूनाथ ने हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर कर इस आदेश को चुनौती दी थी, लेकिन राहत नहीं मिली थी।

दरअसल, आईएएस मंजूनाथ भजंत्री और गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे के बीच विवाद मधुपुर उपचुनाव के समय शुरू हुआ। तब सांसद ने डीसी की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कई पोस्ट किए थे। उन्हीं को आधार बनाते हुए नगर थाना, देवीपुर थाना, कुंडई थाना, मधुपुर थाना व चितरा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। केस दर्ज होने के बाद सांसद ने अपनी प्रतिक्रिया भी सोशल मीडिया पर दी थी। उन्होंने कहा था- सभी कार्यकर्ता शांति बनाए रखें। जितना केस मुकदमा हो, उतना ही खुशी मनाइए। देवघर डीसी बाल सुलभ हरकत करते हैं, हमारा और आपका मनोरंजन होता है, उनका दूध-भात। जय भाजपा।"

साउथ कोरिया में राष्ट्रपति का हटना लगभग तय

महाभियोग चलाने में साथ दे सकती है सत्ताधारी पार्टी, राष्ट्रपति ने देश में मार्शल लॉ लगाया था

सियोल, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ कोरिया की सत्ताधारी पार्टी ने राष्ट्रपति यून सुक-योल पर महाभियोग चलाने के संकेत दिए हैं। पीपुल्स पावर पार्टी के महासचिव हान डोंग-हुन ने कहा कि वे राष्ट्रपति की संवैधानिक शक्ति को कम किया जाना जरूरी है।

इससे पहले सत्ताधारी पार्टी ने राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग चलाने से इनकार कर दिया था। डांग-हुन ने गुरुवार को कहा था कि वे महाभियोग के प्रस्ताव को खारिज करने की कोशिश करेंगे। हालांकि तब भी उन्होंने राष्ट्रपति के मार्शल लॉ को लागू करने के फैसले को असंवैधानिक करार दिया था। लेकिन अब उनके बयान को राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग चलाने के समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है।

साउथ कोरिया में राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर को मार्शल लॉ लागू कर दिया था। उन्होंने विपक्षी पार्टी पर उत्तर कोरिया के साथ सांठगांठ रखने और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। हालांकि यह सिर्फ 6 घंटे ही रह पाया क्योंकि विपक्षी

साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक-योल पत्नी के साथ

पार्टियों ने संसद में वोटिंग कराकर इसे पलट दिया। इसके बाद से विपक्षी पार्टियां राष्ट्रपति यून से इस्तीफा मांग रही हैं। 6 पार्टियों ने मिलकर राष्ट्रपति को हटाने के लिए महाभियोग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शनिवार को इस पर वोटिंग हो सकती है।

राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग सफल होगा?

साउथ कोरिया में मार्शल लॉ लागू होने के अगले ही दिन विपक्षी दलों ने मिलकर राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। विपक्षी दलों के पास कुल 192 सांसद हैं। 300 सीटों वाले कोरियाई संसद में महाभियोग चलाने के लिए दो-तिहाई यानी कि 200 सांसदों की जरूरत होती है। पीपुल्स पार्टी के पास 108 सीटें हैं। विपक्षी पार्टियों को महाभियोग चलाने के लिए सिर्फ 8 वोटों की जरूरत है। सत्ताधारी पीपुल्स पार्टी के महासचिव डांग-हुन के बयान के बाद माना जा रहा है कि पार्टी के कुछ विरोधी नेता राष्ट्रपति को हटाने के लिए, महाभियोग का समर्थन कर सकते हैं।

डांग-हुन को पहले राष्ट्रपति यून का करीबी माना जाता था, क्योंकि दोनों ने वकालत करते हुए कई साल साथ काम किया था। डांग-हुन पहले राष्ट्रपति यून की सरकार में कानून मंत्री के पद पर थे, लेकिन पीपुल्स पार्टी का महासचिव बनने के बाद दोनों के संबंध काफी खराब हो गए हैं। डांग-हुन, राष्ट्रपति की पत्नी से जुड़े घोटालों को लेकर काफी नाराज माने जाते हैं। उनका मानना है कि इससे पार्टी की छवि पर बुरा असर पड़ा है। राष्ट्रपति योल के मार्शल लॉ के ऐलान के बाद पूरा विपक्ष थोड़ी ही देर में संसद पहुंच गया। मार्शल लॉ कानून को हटाने के लिए संसद में 150 से ज्यादा सांसद होने चाहिए। जब तक सेना संसद पर कब्जे के लिए पहुंची पर्याप्त सांसद संसद पहुंच चुके थे और कार्यवाही शुरू हो गई थी। हालांकि, सेना ने कार्यवाही रोकने की कोशिश की। संसद में वोटिंग के लिए जा रहे कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। अंदर घुसने के लिए संसद की खिड़कियां तोड़नी शुरू कीं। लेकिन, जब तक जवान भीतर पहुंचते, नेशनल असेंबली के 300 में से 190 सांसदों ने राष्ट्रपति के मार्शल लॉ वाले प्रस्ताव को मतदान कर गिरा दिया। दक्षिण कोरिया के संविधान के मुताबिक अगर संसद में सांसदों का बहुमत देश में मार्शल लॉ हटाने की मांग करता है तो राष्ट्रपति को इसे मानना होगा। संविधान के इसी प्रावधान का विपक्षी नेताओं को फायदा मिला और सेना को अपनी कार्यवाही रोकनी पड़ी। सेना ने तुरंत संसद को खाली कर दिया और वापस लौट गए। संसद के ऊपर हेलिकॉप्टर और सड़क पर मिलिट्री टैंक तैनात थे, उन्हें वापस जाना पड़ा। राष्ट्रपति योल को मार्शल लॉ लगाने की जरूरत क्यों पड़ी? दक्षिण कोरिया की संसद में कुल 300 सीटें हैं। इस साल की शुरुआत में हुए चुनाव में जनता ने विपक्षी पार्टी डीपीके को भारी जनादेश दिया था। सत्ताधारी पीपल पावर को सिर्फ 108 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी पार्टी डीपीके को 170 सीटें मिलीं।

बुजुर्ग आबादी बढ़ी, लेबर पावर घटा

फर्टिलिटी रेट 0.97 पर पहुंची, एलन मस्क बोले- सिंगापुर गायब हो जाएगा

सिंगापुर सिटी, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया भर में कई देश लो फर्टिलिटी रेट से जूझ रहे हैं। सिंगापुर में तो फर्टिलिटी रेट 0.97 पर पहुंच गया है। जो जनसंख्या संतुलन बनाये रखने के लिए जरूरी 2.1 के फर्टिलिटी रेट से काफी कम है। एलन मस्क ने इसे लेकर ट्वीट करते हुए कहा कि सिंगापुर खत्म हो रहा है। सिंगापुर में बढ़ती बुजुर्ग आबादी घटते श्रमिक और कम होते लेबर पावर की वजह से फैक्ट्रियों से लेकर फूड डिस्ट्रीब्यूशन तक में रोबोट का इस्तेमाल किया जा रहा है। 2030 तक सिंगापुर की 25% आबादी की उम्र 65 साल से ज्यादा होगी। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रोबोटिक्स के मुताबिक, सिंगापुर में हर 10,000 कर्मचारियों पर रोबोट की संख्या 770 है। इस वजह से यहां हर जगह रोबोकॉप, रोबो-क्लीनर, रोबो-वेटर और रोबो-डॉग की भरमार हो गई है। 1970 के दशक तक, दक्षिण कोरिया, जापान और चीन जैसे देशों में एक महिला के औसतन पांच से ज्यादा बच्चे होते थे। अब इन देशों में औसतन एक

महिला पर एक बच्चा भी नहीं है। पिछले 70 सालों में पूरी दुनिया में फर्टिलिटी रेट में 50% की गिरावट देखी गई है। दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर में हालात काफी चिंताजनक है। दक्षिण कोरिया में तो फर्टिलिटी रेट कम होकर 0.72 हो गया है। जापान पहले ही दुनिया का सबसे तेजी से बूढ़ा होने वाला देश बन चुका है। दक्षिण कोरिया ने महिलाओं को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए कैश देने की स्कीम भी शुरू की है। सरकारी योजना के मुताबिक, 2022 के बाद से बच्चे पैदा करने वाली महिला को डिलीवरी से पहले का खर्च पूरा करने के लिए 1,850 अमेरिकी डॉलर (1,57,000 रुपए) का नकद बोनस मिलेगा। किसी भी देश, समाज या समूह की एक महिला अपने जीवनकाल में औसतन कितने बच्चों की मां बनती है, इसे उस देश, समाज या समूह का फर्टिलिटी रेट कहते हैं। जैसे यदि भारत की एक महिला अपने पूरे जीवनकाल में औसतन तीन बच्चों की मां बनती है तो भारत का फर्टिलिटी रेट 3 होगा। किसी भी देश की जनसंख्या चक्रवृद्धि दर से बढ़ती है यानी आगे चलकर बच्चों के भी बच्चे होते हैं। इस फार्मूले के मुताबिक अगर किसी देश, समाज या समूह की प्रजनन दर 2.1 है तो आने वाले समय में उसकी मौजूदा आबादी नई आबादी से रिप्लेस हो जाएगी। कई विशेषज्ञ घटती जन्म दर से निपटने के लिए संबंधित क्षेत्रों में बाहरी लोगों के इमिग्रेशन को बढ़ावा देने की सिफारिश करते हैं। लेकिन, यह इलाज कारगर नहीं होगा। अमीर देशों में आज इमिग्रेशन रिकॉर्ड उच्च स्तर पर है। इस कारण कुछ देशों में वर्करों की कमी दूर हो रही है।

लेकिन दुनियाभर में जन्मदर में गिरावट के कारण इस सदी के मध्य तक युवा शिक्षित वर्करों की कमी हो जाएगी।

बांग्लादेश ने कोलकाता-त्रिपुरा से डिप्लोमैट्स वापस बुलाए

असिस्टेंट हाई कमीशन में तोड़-फोड़ को लेकर एक्शन, ढाका में इंडियन प्रोडक्ट्स का बायकॉट

ढाका, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने कोलकाता और त्रिपुरा से अपने 2 डिप्लोमैट्स को वापस बुला लिया है। 2 दिसंबर को अगरतला में बांग्लादेशी हाई कमीशन में तोड़-फोड़ हुई थी। कोलकाता में भी डिप्टी हाई कमीशन के बाहर विरोध प्रदर्शन हुए थे। इन्हीं घटनाओं को लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने 3 दिसंबर को डिप्लोमैट्स को वापस बुलाने का फैसला किया था। हालांकि, इसकी जानकारी अब सामने आई है। कोलकाता में बांग्लादेश के एक्टिंग डिप्टी हाई कमिश्नर मोहम्मद अशरफुर रहमान ढाका पहुंच चुके हैं। उन्होंने बांग्लादेशी सरकार के फॉरेन एडवाइजर तौहीद हुसैन से मुलाकात भी की। अशरफुर ने तौहीद को अगरतला में हुए हमले और ताजा हालात की जानकारी दी। त्रिपुरा के बांग्लादेशी असिस्टेंट हाई कमिश्नर आरिफ मोहम्मद फिलहाल ढाका नहीं पहुंचे हैं। उधर, अगरतला-

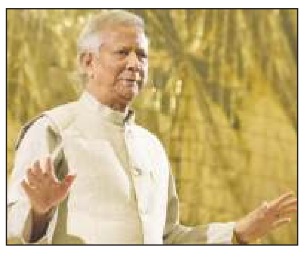

कोलकाता की घटना के जवाब में बांग्लादेश में भी प्रदर्शन हो रहे हैं। गुरुवार को बांग्लादेशी नेताओं ने ढाका में भारतीय साड़ी जलाकर इंडियन प्रोडक्ट्स को बायकॉट करने की अपील की।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय का आरोप है कि भारतीय हिंदुत्व संगठनों के समर्थकों ने 2 दिसंबर को अगरतला के हाई कमीशन में बांग्लादेशी झंडे का अपमान किया था। उन्होंने परिसर पर हमला भी किया था। 3 दिसंबर को बांग्लादेश ने हाई कमीशन को बंद कर दिया था। बांग्लादेश सरकार की ओर से अभी बताया नहीं गया है कि दोनों डिप्लोमैट्स को वापस भारत कब भेजा जाएगा। अगरतला के हाई कमीशन को वापस शुरू करने को लेकर भी अभी कोई सूचना नहीं दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों डिप्लोमैट्स भारत में बांग्लादेश के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन की स्थिति की रिपोर्ट पेश करेंगे। 2 दिसंबर को बांग्लादेशी मिशन के आसपास कई लोगों ने बांग्लादेश इस्कॉन के पूर्व प्रमुख चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के विरोध में रैली निकाली थी। इसी दौरान 50 से ज्यादा प्रदर्शनकारी अगरतला स्थित बांग्लादेशी असिस्टेंट हाई कमीशन के परिसर में घुस गए थे। इस मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। प्रदर्शनकारियों के परिसर में घुसपैठ के मामले में तीन सब इंस्पेक्टरों को सस्पेंड कर दिया गया। एक डीएसपी को ड्यूटी में लापरवाही के चलते पुलिस हेडक्वार्टर में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी कहा था कि उन्हें इस घटना को लेकर बहुत ही अफसोस है। चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी का असली नाम चंदन कुमार धर है। वे चटगांव इस्कॉन के प्रमुख हैं। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच 5 अगस्त 2024 को पीएम शेख हसीना ने देश छोड़ दिया था। इसके बाद बड़े पैमाने पर हिंदुओं के साथ हिंसक घटनाएं हुईं। इसके बाद बांग्लादेशी हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के लिए सनातन जागरण मंच का गठन हुआ।

चिन्मय प्रभु इसके प्रवक्ता बने। सनातन जागरण मंच के जरिए चिन्मय ने चटगांव और रंगपुर में कई रैलियों को संबोधित किया। इसमें हजारों लोग शामिल हुए।

भारत के दोस्त रूस की पाकिस्तान से बढ़ी करीबी

दोनों देशों में चलेगी सीधी ट्रेन, क्या है पुतिन और शहबाज का प्लान

मॉस्को, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान और रूस के बीच रिश्ते बीते कुछ समय से लगातार मजबूत होते दिख रहे हैं। अब दोनों देश सीधी रेलवे लाइन से भी जुड़ने जा रहे हैं। पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्री अवैस अहमद खान लेघारी ने आरटी के साथ एक साक्षात्कार में इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि रूस और पाकिस्तान को नई मालगाड़ी लाइन से जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवा शुरू करने पर भी बातचीत चल रही है, जिस पर जल्दी ही फैसला लिया जा सकता है। दोनों देशों का बेहतर होता रिश्ता इसलिए ध्यान खींच रहा है क्योंकि रूस ऐतिहासिक रूप से भारत का दोस्त रहा है लेकिन बीते कुछ समय में उसने पाकिस्तान से अपने संबंधों को सुधारने पर जोर दिया है। पाकिस्तान के रूस में राजदूत मुहम्मद खालिद जमाली ने इस साल खांटी-मानसीस्क में हुए अंतरराष्ट्रीय आईटी फोरम में

आईएनएसटीसी (इंटरनेशनल नार्थ-साउथ ट्रान्सपोर्ट कारीडोर) में शामिल होने की इच्छा जताई थी। आईएनएसटीसी एक 7,200 किलोमीटर लंबा परिवहन मार्ग है जो रूस और पश्चिम एशिया को ईरान के रास्ते भारत से जोड़ता है। लेघारी ने बताया कि अगले साल मार्च में पहली बार रूस से पाकिस्तान के लिए मालगाड़ी चलेगी। ये ट्रेन ईरान और अजरबैजान होते हुए रूस से पाकिस्तान का सफर करेगी। लेघारी ने बताया कि दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवा शुरू करने पर भी बातचीत चल रही है। दोनों ही तरफ से इसमें काफी रुचि दिखाई जा रही है और उम्मीद है कि इस मामले में कोई ठोस नतीजा निकलेगा। इसी साल अक्टूबर में रूस के फेडरेशन काउंसिल के एक प्रतिनिधिमंडल की इस्लामाबाद यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच परिवहन और रसद परियोजनाओं पर चर्चा हुई थी। लेघारी ने कहा है कि सीधी रेलवे लाइन से दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंध मजबूत होंगे। इस्लामाबाद और मॉस्को दोनों ने व्यापार में सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है। दोनों देशों के बीच व्यापार करीब एक बिलियन डॉलर का है। लघारी ने कहा, 'आईएनएसटीसी प्रोजेक्ट से पाकिस्तान को रूस और पश्चिम एशिया के बाजारों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। इससे पाकिस्तान के व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। सीधी हवाई सेवा शुरू होने से दोनों देशों के लोगों के बीच आवाजाही आसान होगी। यह पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा। दोनों देशों के बीच बढ़ता सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है।'

पाकिस्तान और रूस दोनों ही बीते कुछ समय में अपने रिश्तों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की कोशिश करते दिखे हैं। इसी दिशा में नई कड़ी रेलवे लाइन है।

सीरिया में दो बड़े शहरों पर विद्रोहियों का कब्जा

राजधानी दमिश्क की तरफ बढ़ रहे लड़ाके, सेना ने रोकने के लिए हाईवे को बम से उड़ाया

दमिश्क, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया के एक और बड़े शहर हमा पर विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम (एचटीएस) का कब्जा हो गया है। एचटीएस के लड़ाके अब सीरिया के अहम शहर होम्स की तरफ बढ़ रहे हैं। उन्होंने होम्स के कुछ इलाके पर कब्जा भी कर लिया है। होम्स पर कब्जा करने के बाद वे राजधानी दमिश्क की तरफ बढ़ेंगे। सीरियाई सेना ने विद्रोहियों को रोकने के लिए होम्स और हमा को जोड़ने वाली हाईवे पर हवाई हमले कर उसे नष्ट कर दिया है। होम्स शहर, हमा से सिर्फ 40 किमी की दूरी पर है। हमा पर कब्जे के बाद होम्स शहर में रहने वाले शिया समुदाय के लोग शहर से भागने लगे हैं।

एचटीएस के विद्रोहियों को रोकने के लिए रूसी सेना ने कई मिसाइलें दागी हैं, लेकिन वे उनकी बढ़त को रोक नहीं पाए हैं। हमा पर कब्जे के बाद एचटीएस के कमांडर अबू मोहम्मद अल जुलानी ने जीत का संदेश दिया है।

जुलानी ने कहा कि उनका मकसद सीरिया से असद सरकार को उखाड़ फेंकना है। सीरिया में एक गुप्त जगह से उसने सीएनएन को इंटरव्यू दिया। जुलानी ने कहा कि सीरिया में तानाशाही खत्म होगी और लोगों की सरकार चुनी जाएगी। उसने कहा कि सीरिया में 40 साल से असद खानदान का राज है। लेकिन अब असद सरकार मर चुकी है।

ईरानियों की मदद से यह कुछ समय तक जिंदा रहा। बाद में रूसियों ने भी उनकी मदद की, लेकिन हकीकत ये है कि उनके शासन के अब गिनती के दिन बाकी रह गए हैं। सीरिया में बीते 27 नवंबर से सेना और एचटीएस के बीच संघर्ष जारी है। विद्रोहियों ने 1 दिसंबर को इससे पहले सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया था। सीरिया में इस जंग में अब तक 826 लोग मारे गए हैं। सीरिया में 2011 में गृहयुद्ध शुरू होने के बाद ये सबसे भीषण लड़ाई है। हमा पर कब्जे के लिए विद्रोही लड़ाके पिछले 3 दिनों से सेना के साथ लड़ रहे थे। सेना ने आरोप लगाया कि विद्रोहियों ने डिफेंस लाइन को तोड़ने के लिए आत्मघाती हमले किए थे। इस दौरान विद्रोहियों से लड़ते हुए कई सैनिक मारे गए हैं।

हमा सीरिया का चौथा सबसे बड़ा शहर है। 2011 में सीरिया में शुरू हुए सिविल वॉर के दौरान भी हमा पर विद्रोहियों का कब्जा नहीं हो पाया था। तब भी ये शहर सरकारी नियंत्रण में था। ऐसे में यहां इस बार विद्रोहियों का कब्जा उनके लिए बड़ी जीत है।

डीआर कांगो में अज्ञात बीमारी से 150 लोगों की मौत

तेज बुखार, सिरदर्द, खांसी और फ्लू जैसे लक्षण, बच्चे और महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित

किंशासा, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अफ्रीका महाद्वीप के देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआर कांगो) में फ्लू जैसे लक्षणों वाली एक अज्ञात बीमारी से लगभग 150 लोगों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, डीआर कांगो के पांजी राज्य में 10 नवंबर से 25 नवंबर के बीच ये मौतें दर्ज की गई। बच्चे और महिलाएं इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। पांजी राज्य के स्वास्थ्य मंत्री अपोलिनेयर युम्बा ने बताया- इस रहस्यमयी बीमारी के लक्षण फ्लू जैसे हैं और इसमें तेज बुखार, तेज सिरदर्द, खांसी और एनीमिया शामिल हैं। कई लोगों की मौत वक्त पर इलाज नहीं होने की वजह से हो गई। एक्सपर्ट्स लगातार इसे मॉनिटर कर रहे हैं। स्टेट के डिप्टी गवर्नर रेमी साकी के मुताबिक मरने वालों की संख्या 67 से 143 के बीच है। बीमारी से बचने के लिए लोगों को शवों दूर रहने के लिए कहा गया है। साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मदद की अपील की गई है।

लोकल लीडर सेफोरियन मंजांजा ने एपी से कहा- जैसे-जैसे बीमार लोगों की तादाद बढ़ रही है, हालात काफी चिंताजनक होते जा रहे हैं। पांजी एक ग्रामीण इलाका है, इस वजह से यहां दवाओं के पहुंचने में भी काफी मुश्किल हो रही है। कई लोग देखभाल न होने की वजह से अपने घर में ही मारे गए हैं। लोकल एक्सपर्ट के मुताबिक, इस बीमारी से सबसे ज्यादा महिला और बच्चे प्रभावित हुए हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के प्रवक्ता ने कहा पिछले हफ्ते ही इस बीमारी का पता चला है।

ब्रिटेन में मुहम्मद सबसे लोकप्रिय नाम बना

4700 लोगों ने बच्चों का यह नाम रखा लड़कियों में ओलिविया टॉप पर

लंदन, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में 2023 में बच्चों का सबसे ज्यादा रखा गया नाम 'मुहम्मद' रहा। ऑफिस फॉर नेशनल स्टैटिक्स (ओएनएस) के मुताबिक पिछले साल 4,661 बच्चों का 'मुहम्मद' नाम से रजिस्ट्रेशन कराया गया। यह 2023 की तुलना में 484 ज्यादा है। डेली मेल के मुताबिक यह पहली बार है जब किसी ईसाई देश में मुस्लिम नाम टॉप पर है। 2016 से 'मुहम्मद' सबसे ज्यादा रखे गए लड़कों के टॉप-10 नामों में शामिल रहा है, लेकिन पहली बार यह नाम टॉप पर आया है। इससे पहले ब्रिटेन में 'नूंह' सबसे ज्यादा रखा जाने नाम था। नूंह को मुसलमान और क्रिश्चियन दोनों ही अपना पैगंबर मानते हैं। वहीं, लड़कियों के टॉप 3 नामों में ओलिविया, एमिलिया और इस्ला शामिल हैं। ये तीनों पिछले 3 साल से टॉप-3 नामों में रहे हैं। ओलिविया नाम 2016 से टॉप पर कायम है। मुहम्मद, इस्लाम के आखिरी पैगंबर का नाम है। अंग्रेजी में मुहम्मद को 2 और तरीके से भी लिखा जाता है- मोहम्मद (28) और मुहम्मद(68) ये दोनों नाम भी टॉप-100 में शामिल हैं। मुहम्मद नाम इस्लाम के 'हमद' शब्द से निकला है। इसका मतलब 'प्रशंसा करना' होता है।

'मुहम्मद' नाम साल 2016 से टॉप 10 में और 1997 से टॉप 100 में है। इस नाम ने पहली बार 1924 में ब्रिटेन के 100 लड़कों के नामों में 91वें नंबर पर एंट्री मारी थी। ब्रिटेन में मुहम्मद नाम तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, क्योंकि वहां पर मुस्लिम समुदाय की आबादी में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। ब्रिटेन में साल 2001 में मुसलमान 15 लाख थे, जो 2011 में बढ़कर 27 लाख और 2021 में 39 लाख हो गए। इसके अलावा मोहम्मद फराह, मुहम्मद अली, मोहम्मद सलाह जैसे खेल हस्तियों के नाम की वजह से भी लोग यह नाम रख रहे हैं। लड़कों के लिए टॉप-15 नामों की लिस्ट में सबसे ज्यादा उछाल 'लुका' नाम को मिला। यह पिछले साल 12वें नंबर पर था लेकिन इस बार यह 7वें नंबर पर है। 'हेनरी' नाम पिछले साल 13वें नंबर पर था, इस साल यह 10वें नंबर पर है। नाम रखने के पीछे 'हॉलीवुड' का बड़ा प्रभाव रहा है। बार्बी और ओपनहाइमर जैसी फिल्मों की वजह से 'सीलियन' और 'मार्गोट' जैसे कई नाम काफी लोकप्रिय हुए हैं। सर्वे से यह भी पता चला है कि अब पारंपरिक शाही नामों की तुलना में रियलिटी टीवी कार्दशियन-जेनर परिवार के नाम- रेन, सेंट, स्टार्मी ज्यादा लोकप्रिय हो रहे हैं।

ये है दुनिया का सबसे उम्रदराज पक्षी

74 साल की आयु में दिया अंडा

वाशिंगटन, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे उम्रदराज, ज्ञात जंगली पक्षी ने लगभग 74 साल की उम्र में अंडा दिया है, जो चार साल में उसका पहला अंडा है। अमेरिकी प्रशांत क्षेत्रीय मत्स्य एवं वन्यजीव सेवा ने इस सप्ताह 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में कहा कि 'विजडम' नामक लंबे पंखों वाला समुद्री पक्षी 'लेसन अल्बाट्रॉस' हवाई द्वीपसमूह के उत्तर-पश्चिमी किनारे पर स्थित मिडवे एटोल राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य में वापस लौटा है और उसने जो अंडा दिया है। इस पक्षी के बारे में अमेरिकी विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह उसका 60वां अंडा हो सकता है। 4 साल में पहली बार इसने अंडा दिया है।

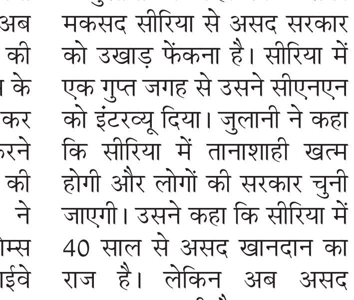

विशेषज्ञों ने बताया कि 'विजडम' और उसका नर साथी 'अकेकामाई' 2006 से ही अंडे देने और सेने के लिए प्रशांत महासागर के एटोल पर लौटे थे। 'लेसन अल्बाट्रॉस' प्रजाति के पक्षी हर साल एक अंडा देते हैं। हालांकि, अकेकामाई को कई सालों से नहीं देखा गया है और अधिकारियों का अनुमान है कि पिछले हफ्ते पानी लौटने पर 'विजडम' ने दूसरे नर के साथ मेलजोल बढ़ाना शुरू कर दिया।

ट्रंप सरकार में एक और अहम नियुक्ति

अरबपति डेविड सैक्स होंगे व्हाइट हाउस के एआई और क्रिप्टो जार

वॉशिंगटन, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रशासन में एक और अहम नियुक्ति की है। ट्रंप ने अपने करीबी और अरबपति उद्योगपति डेविड सैक्स को व्हाइट हाउस का एआई और क्रिप्टो जार नियुक्त किया है। डेविड सैक्स कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टो करेंसी पर ट्रंप सरकार को सलाह देंगे। डेविड के नाम का एलान करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि 'डेविड सरकार की एआई और क्रिप्टोकरेंसी पर नीतियों का नेतृत्व करेंगे। ये दोनों क्षेत्र भविष्य में अमेरिकी प्रतिस्पर्धा के लिहाज से बेहद अहम हैं। डेविड ऑनलाइन फ्री स्पीच की रक्षा करेंगे और हमें बड़ी तकनीकी कंपनियों और उनकी सेंसरशिप से दूर रखेंगे।'

डेविड सैक्स फिनटेक कंपनी पेपाल के पूर्व सीओओ (चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर) हैं। सैक्स की संपत्ति अरबों डॉलर है और वे कथित पेपाल माफिया कहे जाने वाले समूह का हिस्सा हैं। इस समूह में अन्य प्रभावशाली उद्योगपति एलन मस्क और पीटर थिएल भी शामिल हैं। ट्रंप ने सैक्स को एक और अहम जिम्मेदारी दी है, जिसके तहत डेविड सैक्स विज्ञान और तकनीक के मुद्दे पर राष्ट्रपति परिषद के सलाहकार के रूप में भी काम करेंगे। साल 2002 में पेपाल को ईबे द्वारा खरीद लिया गया था। उसके बाद डेविड सैक्स ने अन्य तकनीकी कंपनियों जैसे यामेर आदि को बनाने में मदद की, जिसे बाद में माइक्रोसॉफ्ट ने खरीद लिया था। एलन मस्क की तरह ही डेविड सैक्स का जन्म भी दक्षिण अफ्रीका में हुआ था। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया और गुरुवार को यह एक लाख डॉलर के आंकड़े को भी पार कर गई। डोनाल्ड ट्रंप को क्रिप्टो करेंसी समर्थक माना जाता है और हाल ही में ट्रंप ने क्रिप्टो करेंसी के ही मुखर समर्थक पॉल एटकिंस को अमेरिका के सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन का प्रमुख नियुक्त किया है। ऐसे में क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने वाले लोगों में इसे लेकर उत्साह है और उन्हें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में क्रिप्टो की कीमतों में और उछाल आ सकता है।

अफगानिस्तान की महिलाओं के लिए उठी आवाज

मेडिकल प्रशिक्षण पर पाबंदी को वापस लेने की मांग

काबुल, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने अफगानिस्तान के निजी चिकित्सा संस्थानों में महिलाओं द्वारा प्रशिक्षण हासिल करने पर थोपी गई पाबंदी पर गहरा दुख और नाराजगी जताई है। यूएन उच्चायुक्त वोल्कर टर्क ने इस प्रतिबंध को सत्तारूढ़ तालेबान प्रशासन द्वारा अफगान महिलाओं व लड़कियों के विरुद्ध एक और सीधा प्रहार करार देते हुए इसे वापिस लेने की मांग की है। यूएन कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने गुरुवार को उच्चायुक्त टर्क की ओर से जारी एक वक्तव्य में तालेबान प्रशासन के इस कदम को बेहद भेदभावपूर्ण बताया और सचेत किया कि इससे महिलाओं व लड़कियों के जीवन के लिए कई प्रकार के जोखिम उत्पन्न होंगे। यूएन मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार, राजसत्ता द्वारा प्रायोजित भेदभावपूर्ण निर्णयों की एक लंबी फेहरिस्त में यह नई कड़ी है, जिनके जरिए अब तक शिक्षा, कामकाज समेत अन्य क्षेत्रों में महिलाओं व लड़कियों को निशाना बनाया गया है। मानवाधिकार उच्चायुक्त ने कहा है कि ऐसे कदमों को उठा करके, अफगानिस्तान के भविष्य को पूरी तरह से अपने कब्जे में लेने की कोशिश की जा रही है। तालिबान ने अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता हथिया ली थी, जिसके बाद से महिला अधिकारों के लिए हालात तेजी से खराब हुए हैं। उनके बुनियादी अधिकारों और स्वतंत्रता को नकारा जा रहा है, जिनमें शिक्षा, कार्य, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य, आवाजाही, भय से आजादी और भेदभाव से मुक्ति के अधिकार हैं। लड़कियों को माध्यमिक स्तर की शिक्षा से दूर कर दिया गया है और महिलाओं के युनिवर्सिटी में पढ़ाई-लिखाई पर पहले ही पाबंदी लगा दी गई थी।

सरकारी हॉस्पिटलों में बंपर सौगात

37 जांच कराएं बिल्कुल मुफ्त

जयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भजनलाल सरकार का दिसंबर महीने में 1 साल का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इसको लेकर सरकार अपनी उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने के लिए जुटी हुई है। इस बीच सरकार लोगों को 15 दिसंबर से लोगों को बड़ी सौगात देगी।

इसके तहत प्रदेश भर में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान अगले साल 31 जनवरी 2025 तक चलने वाले शिविर में राजस्थान के सभी सरकारी अस्पतालों में 37 प्रकार के जांचें निःशुल्क होगी। इसके अलावा शिविर में स्पेशलिस्ट डॉक्टर भी रोगियों को परामर्श भी देंगे। सरकार के एक साल कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य पर आयोजित शिविर में स्पेशलिस्ट डॉक्टर भी सेवाएं देंगे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि इन शिविरों में एलोपैथी के साथ ही आर्युवेदिक से भी रोगों का उपचार किया जाएगा। इसके अलावा स्पेशलिस्ट डॉक्टर टेली कंसल्टेशन से भी रोगियों को परामर्श देंगे। इसी तरह गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, बच्चों का टीकाकरण, असंक्रामक रोग, डायबिटीज, हाइपरटेंशन, कॉमन कैंसर एवं अंधता रोगियों की स्क्रीनिंग भी की जाएगी। इस दौरान आवश्यकता होने पर रोगियों को एम्बुलेंस के माध्यम से उच्च चिकित्सा संस्थान पर ले जाकर भी उनका इलाज किया जाएगा।

शिविर में बनेंगे दिव्यांग जन के यूडीआईडी प्रमाण पत्र

चिकित्सा सचिव राठौड़ ने बताया कि इसके अलावा गुणवत्तापूर्ण एवं समग्र उपचार की दृष्टि से पंचायत समिति मुख्यालयों पर फॉलोअप एवं जिला स्तर पर रेफरल शिविरों का भी आयोजन होगा। इन शिविरों में भी विशेषज्ञ चिकित्सक सेवाएं देंगे। साथ ही फॉलोअप शिविरों में भी अतिविशिष्ट विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं विशेषज्ञ चिकित्सक टेली कंसल्टेशन की सेवाए देंगे। इसके अलावा शिविरों में मेडिकल बोर्ड के माध्यम से जांच करवाकर दिव्यांगजन को यूडीआईडी प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

'मस्जिद के नीचे मंदिर नहीं, वोट बैंक ढूंढ रहे हैं'

अजमेर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अजमेर दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर के दावे के बाद विवाद बढ़ता जा रहा है। अब पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा ने कहा है कि- यह लोग मस्जिदों के नीचे मंदिर नहीं ढूंढ रहे हैं, बल्कि उन्हें लगता है की मस्जिदों के नीचे उनका वोट बैंक मिलेगा। इल्तिजा ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में कहा कि ये दिखाना चाहते हैं कि हमने मुसलमानों को तंग किया।

दरअसल, हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने अजमेर दरगाह के नीचे मंदिर होने का दावा किया है। उनके इस दावे की याचिका को अजमेर सिविल कोर्ट ने सुनवाई के योग्य माना है। इसी के बाद देश भर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती दरगाह को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। इस बीच पूरे मुद्दे पर लगातार राजनीतिक बयानबाजी भी हो रही है।

कोर्ट में महिला बोली-मुझे आपसे न्याय की उम्मीद नहीं

सुनवाई के दौरान कहा-आप चाहे मुझे जेल भेज दो, मामला दर्ज

अजमेर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अजमेर कोर्ट में एक महिला ने जज से अभद्र व्यवहार किया। इसके बाद महिला के खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने का मामल दर्ज करवाया गया है। कोर्ड रीडर ने महिला कॉन्स्टेबल के जरिए सिविल लाइन थाने में शिकायत दी थी। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। महिला सुनवाई के दौरान वह कहने लगे कि मुझे न्याय की उम्मीद नहीं है। इससे पूर्व जब महिला चिल्लाने लगी तो वहां मौजूद महिला पुलिसकर्मी उसे कोर्ट परिसर से बाहर लेकर आई। मामले की जांच सब इंस्पेक्टर भारती गिर्राज की ओर से की जा रही है।

कोर्ट में कहा-मुझे आपसे न्याय की उम्मीद नहीं

सिविल लाइन थाने में दी रिपोर्ट के अनुसार- पुरानी आरपीएससी के भवन में पीसीपीएनडीटी कोर्ट है। गुरुवार को दहेज मामले में महिला सुनवाई होनी थी। इस दौरान महिला अभद्र भाषा का उपयोग करते हुए जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। साथ ही कहने लगे कि- मुझे आपसे न्याय की उम्मीद नहीं है। जब तक मेरी पत्रावली (शिकायत) का किसी दूसरे कोर्ट में ट्रांसफर नहीं हो जाता, तब तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर सकती। गुस्से में चिल्ला कर कहने लगी, चाहे मुझे जेल भेज दो शिकायत में बताया कि कोर्ट में प्रकरण सरकार बनाम राजाराम वर्ग में अभियोजन अधिकारी उपस्थित थे। उनके द्वारा गवाह करण सिंह का मुख्य परीक्षण करवाया जा रहा था। इसमें भी महिला द्वारा जोर-जोर से चिल्लाने से राजकार्य में बाधा डाल रही थी। कोर्ट रीडर द्वारा महिला को समझाने का काफी प्रयास किया गया लेकिन महिला और उग्र होते हुए जोर-जोर से चिल्लाते हुए कहने लगी कि आप मुझे चाहे जेल भेज दो पर मेरे प्रकरण को इस कोर्ट में नहीं चलाना चाहती। सिविल लाइन थाना पुलिस में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिविल लाइन थाना प्रभारी छोटूलाल ने बताया कि कोर्ट रीडर के जरिए थाने पर मुकदमा दर्ज हुआ है। शिकायत में एक महिला पर जज से अभद्र व्यवहार करने की शिकायत दी है।

अलवर के 2 लड़कों ने डिजिटल-अरेस्ट कर ठगे 54 लाख

अलवर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर में सैलून की दुकान में काम करने और पॉलिटेक्निक में डिप्लोमा कर रहे 2 लड़कों को आज (शुक्रवार) छत्तीसगढ़ की बिलासपुर साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बिलासपुर के रिटायर्ड अधिकारी जय सिंह चंदेल (71) को डिजिटल अरेस्ट कर 54 लाख 30 हजार की ठगी की थी। बिलासपुर क्राइम ब्रांच के अधिकारी विजय चौधरी ने बताया- अलवर से दो लड़कों को गिरफ्तार किया है। इनमें निकुंज (20) पुत्र ताराचन्द निवासी स्कीम तीन और लक्ष्य सैनी (20) पुत्र बाबूलाल सैनी निवासी शिवाजी पार्क है। तीसरा आरोपी गौरव फरार है। इनके मोबाइल और बैंक दस्तावेज जब्त किए हैं।

एक लड़का सैलून में काम करता है, दूसरा पॉलिटेक्निक डिप्लोमा कर रहा है। एक के पिता टेन्ट हाउस चलाते हैं और दूसरे के कुरियर कंपनी में काम करते हैं। एक युवक के बैंक अकाउंट में ठगी की कुछ राशि ट्रांसफर हुई है। उसके अकाउंट से 8 से 9 लाख रुपए बरामद हुए हैं। दूसरे के फोन का इस्तेमाल ओटीपी के लिए किया गया है। इनका तीसरा साथी फरार है। इस मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। इसी साल जुलाई में बिलासपुर (छत्तीसगढ़) रेंज साइबर थाने में एक एफआईआर दर्ज कराई गई।

एकलिंगजी मंदिर में छोटे कपड़े पहनकर आने पर रोक

मिनी-स्कर्ट, नाइट सूट में नहीं कर सकेंगे दर्शन; मोबाइल पर भी लगाई पाबंदी

उदयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के मंदिरों में पवित्रता को बनाए रखने के लिए मंदिरों में नए नियम लागू किए जा रहे हैं। उदयपुर के एकलिंगजी मंदिर में कपड़ों और मोबाइल को लेकर नए नियम लागू किए गए हैं। नए नियमों के तहत यहां दर्शन करने आने वाले भक्त छोटे कपड़े (मिनी स्कर्ट, बरमूडा) और नाइट सूट पहन कर दर्शन नहीं कर पाएंगे। वहीं मोबाइल ले जाने पर भी पाबंदी लगा दी गई है।

उदयपुर से करीब 22 किलोमीटर दूर कैलाशपुरी गांव में एकलिंग जी मंदिर है। इन्हें मेवाड़ के आराध्य के तौर पर पूजा जाता है। मंदिर प्रबंधन की ओर से नए नियमों को लेकर बैनर शुक्रवार को परिसर में लगा दिया गया है।

मंदिर कमेटी की अपील, पवित्रता बनाए रखें

मंदिर कमेटी की ओर से जारी किए गए नए नियमों में मंदिर की पवित्रता को बनाए रखने का आग्रह किया गया है। मंदिर प्रबंधन का कहना है कि मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले कई भक्तों की ओर से इस तरह के कपड़े को लेकर शिकायत की गई थी। कहना था कि- भगवान के मंदिर में भक्तों का पहनावा ऐसा नहीं होना चाहिए। इसके बाद इस नियम को जोड़ा गया है।

अब मोबाइल भी नहीं ले जा सकेंगे

कपड़ों के साथ मंदिर में मोबाइल ले जाने पर भी पाबंदी लगा दी गई है। इससे पहले एकलिंग जी मंदिर में यहां आने वाले भक्तों और टूरिस्ट को मोबाइल स्विच ऑफ कर अंदर ले जाने की परमिशन थी। वहीं मंदिर में फोटो खींचने पर भी पाबंदी थी। इसके अलावा मंदिर में पालतू जानवर और किसी भी प्रकार के हथियार ले जाना भी प्रतिबंधित है।

सांवरा सेठ को भक्त ने दिए 11 लाख के हार

55 ग्राम सोना भी मिक्स, मुंबई का ज्वेलर हैं भक्त

चित्तौड़गढ़, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मेवाड़ के कृष्णधाम सांवलियाजी में एक श्रद्धालु ने हीरे मोती जड़े हुए सोने से बनी हुई गले में पहनने के 2 हार भेंट किए। इनमें 55 ग्राम सोना भी लगा हैं। इन दोनों हार की कीमत करीब 11 लाख रुपए बताई गई हैं। भक्त ने अपना नाम गुप्त रखा हैं। भक्त की मुंबई में ज्वेलरी शॉप हैं। इसके अलावा बढ़ते चढ़ावे को देखते हुए मंदिर मंडल की ओर से बड़ा दानपात्र बनाया जा रहा है। इसमें चांदी की पतरे लगाने का काम शुरू हो चुका है।

चित्तौड़गढ़ में मंडफिया स्थित श्री सांवलिया जी में लाखों भक्त आते है। सिर्फ राजस्थान से ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल सहित कई देश विदेश से भक्त आते है। सभी भक्त अपनी मनोकामना पूरी होने पर अपने श्रद्धा के अनुसार चढ़ावा चढ़ाते है। ऐसे ही मुंबई में जेम्स एंड ज्वेलरी का व्यापार करने वाले एक श्रद्धालु परिवार ने सांवलियाजी पहुंचकर मंदिर के भेंट कक्ष में 2 हार अर्पित किए। जिसमें एक 7 लड़ियों वाला मोतियों का हार और दूसरा 3 लड़ियों वाला कान के कुंडल सहित बना हार है। इन दोनों हार को बनाने में करीब 55 ग्राम सोना, हीरा, पन्ना और मोती आदि रत्नों का उपयोग किया गया।

दुष्कर्म के आरोपी को अर्थदंड के साथ 20 साल का कठोर कारावास

भाई-बहन के रिश्ते को किया था शर्मसार

केकड़ी, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अजमेर की पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है तथा एक लाख 55 हजार के अर्थदंड से भी दंडित किया है। आरोपी रिश्ते में पीड़िता का भाई लगता है, उसने पीड़िता को अलग-अलग जगह पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया था।

पॉक्सो कोर्ट 1 के सरकारी वकील रूपेंद्र परिहार ने बताया कि 17 जुलाई 2023 को पीड़िता के परिवार ने केकड़ी शहर थाने में शिकायत दी थी कि 15 जुलाई की रात पीड़िता दुकान पर सामान लेने गई थी, लेकिन 2 घंटे बाद भी घर नहीं पहुंची। इस पर परेशान घरवालों ने उसकी तलाश की लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। इस बीच उन्हें सूचना मिली की एक युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। सरकारी वकील ने बताया कि पुलिस द्वारा करवाए गए बयानों में पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे रास्ते में मिला और कहा कि उसकी बुआ बीमार है और उसे विश्वास में लेकर अस्पताल में मिलवाने की बात कहकर मोटर साइकिल पर बैठाकर ले गया और एक खेत में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी उसे जयपुर सहित अलग-अलग स्थान पर ले गया और वहां भी उसके साथ गलत काम किया। पीड़िता के बयानों के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया गया। गुरुवार को मामले में कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 13 गवाह और 25 दस्तावेज पेश किए गए। डीएनए और एफएसएल रिपोर्ट में पीड़िता से दुष्कर्म की पुष्टि हुई, जिसके आधार पर न्यायालय ने आरोपी को 20 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही आरोपी पर 1 लाख 55 हजार रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया गया है।

'कहा था मेरी बीवी को समझाओ'

ट्रेन से कटकर युवक की मौत, फिर आया सुसाइड वाला वीडियो

बालोतरा , 6 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बालोतरा में एक युवक ने ट्रेन से कटकर मौत हो गई. युवक की मौत के बाद से एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. जिसमें वह पत्नी और ससुराल पक्ष पर प्रताड़ित करने का आरोप लगा रहा है. हालांकि, वायरल हो रहे इस वीडियो को मृतक के परिजन पुराना बता रहे हैं. वीडियो सामने आने के बाद पुलिस बारीकी से मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षत विक्षत मृतक के शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया. जहां पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है. मृतक के भाई भैराराम का कहना है कि 'मैं और मेरा भाई गणेश (28) निवासी माडपुरा बालोतरा से कवास की तरफ जा रहे थे. कवास नजदीक आने के चलते नीचे उतरने की जल्दबाजी में थे. भंवरलाई गांव के पास भाई को ट्रेन के गेट पर चक्कर आ गया और वह नीचे गिर गया. यहां कटने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।'

9 फूड सेफ्टी ऑफिसरों को नोटिस

नमूनों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड न करने पर कार्रवाई

जयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लिए गए नमूनों की जानकारी केंद्र के पोर्टल पर दर्ज न करना नौ फूड सेफ्टी ऑफिसरों (एफएसओ) को भारी पड़ गया। इस लापरवाही के चलते खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान ने इन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

इस साल अप्रैल से अक्टूबर तक लिए गए नमूनों और उन पर की गई कार्रवाई की जानकारी फूड सेफ्टी कंप्लायंस सिस्टम (एफएसएसएआई पोर्टल) पर अपलोड नहीं की गई। विभागीय जांच में सामने आया कि कुल 132 मामलों से जुड़ी जानकारी पोर्टल पर दर्ज नहीं की गई। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए आयुक्त ने एफएसओ नरेन्द्र कुमार चेजारा, रतन सिंह गोदारा, नरेन्द्र शर्मा, पवन कुमार गुप्ता, दीपक सिंधी, राजेश नागर, रमेश चंद यादव, नंद किशोर कुमार और अवधेश गुप्ता को नोटिस जारी किए। आयुक्त ने सभी अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगते हुए निर्देश दिए कि भविष्य में इस तरह की चूक न हो। उन्होंने इस कार्रवाई को खाद्य सुरक्षा मानकों के सख्ती से पालन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम बताया। फूड सेफ्टी विभाग की सभी कार्रवाईयों की जानकारी फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) की साइट पर अपलोड की जाती है।

मसाज पार्लर की आड़ में अनैतिक गतिविधियों का भंडाफोड़

पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लिया

बीकानेर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने मॉर्डन मार्केट स्थित एक मशहूर मसाज पार्लर में छापा मारकर सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया। कोटगेट थाना पुलिस की इस कार्रवाई में पांच युवतियों और दो युवकों को आपत्तिजनक स्थिति में गिरफ्तार किया गया। छापेमारी का नेतृत्व सीओ सिटी श्रवणदास संत और थानाधिकारी मनोज शर्मा ने किया।

पुलिस को मुखबिर से मसाज पार्लर की आड़ में अनैतिक गतिविधियां होने की सूचना मिली थी। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से छापा मारकर मौके पर संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त सभी लोगों को हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह गोरखधंधा लंबे समय से संचालित हो रहा था। पुलिस गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर रही है और इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। कार्रवाई के बाद मसाज पार्लर संचालकों और ऐसे धंधे से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। बीकानेर में मसाज पार्लर की आड़ में चल रही संदिग्ध गतिविधियों ने आम जनता और प्रशासन को चिंता में डाल दिया है। पुलिस का कहना है कि आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

'किसी को भी पता नहीं चलेगा मैं कैसे मरूंगा'

इंस्टाग्राम पर स्टेटस लगाकर युवक ने दी जान

जैसलमेर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। जैसलमेर के देवा गांव के पास स्थित एक खेत में बने कमरे में एक युवक ने पंखे के हुक पर फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। उससे पहले सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर 2 स्टेटस लगाये थे। जिसको देखकर जब ग्रामीण खेत पर पहुंचे तो युवक फंदा लगाकर लटका हुआ मिला। ग्रामीणों ने मोहनगढ़ थाना पुलिस को जानकारी दी। मोहनगढ़ थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को हुक से नीचे उतारा और मोहनगढ़ स्थित मॉर्च्युरी में रखवाया। मोहनगढ़ थाना प्रभारी प्रेम प्रकाश ने बताया- मृतक युवक गणपत राम (22) बाड़मेर जिले के सेडवा गांव का निवासी था। वो हाल ही में देवा गांव में खेती के काम के लिए आया था। मृतक के परिजनों को सूचना देकर बुलाया है। परिजनों के आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम के बाद अब एईएन को जड़ा गया थप्पड़

बूंदी की डाबी थाना पुलिस ने दर्ज किया मारपीट का केस

बूंदी, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। टोंक में एसडीएम अमित चौधरी के साथ थप्पड़ कांड के बाद अब बूंदी में एईएन को थप्पड़ जड़ने का मामला सामने आया है। तालेडा पंचायत समिति के एईएन रमेश चंद्र मेघवाल ने आरोप लगाया है कि विकास कार्यों के निरीक्षण करने के बहाने से उन्हें बुलाया गया। वहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने थप्पड़ जड़ा।

यह घटना 3 नवंबर की घटना बताई गई है। पीड़ित एईएन ने मारपीट की रिपोर्ट डाबी थाना पुलिस को सौंपी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा ने घटना की निंदा की है।

गलत तरीके से भुगतान करवाना चाहते थे आरोपी!

पीड़ित एईएन रमेश चंद्र मेघवाल ने बताया कि ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत डोरा नरेंद्र गुप्ता विभिन्न योजनाओं में करवाये गये निर्माण कार्यों का माप मूल्यांकन और भौतिक सत्यापन करवाने के पहुंचे थे। उन्होंने रमेश चंद्र और कनिष्ठ तकनीकी सहायक दीपक अग्रवाल को अपने साथ रखा था।अगले दिन शिविर का आयोजन होना था। उन्होंने कहा कि 'मैं और अन्य अधिकारी मोटरसाइकिल पर बैठकर गए थे। जहां पर विभिन्न मदों से 15 कार्यों का अवलोकन किया था। लेकिन संबंधित ठेकेदार की ओर से जो कार्य दिखाए गए उनमें केवल 13 कार्य ही पूरे पाए गए। जबकि दो कार्य मौके पर नहीं थे। लेकिन संबंधित व्यक्ति बार-बार कहने के बाद भी दो कार्य नहीं बता पाया।' उन्होंने बताया कि इसके अलावा भी चार ग्रेवल सड़कों का अवलोकन किया। जहां पर निरीक्षण में पाया गया कि ग्रेवल सड़क में मिट्टी का काम कम था। जो काम मौके पर हुआ था उसे भी जेसीबी की सहायता से करवाया हुआ था। लेकिन संबंधित व्यक्ति अधूरे कार्य के भुगतान को लेकर ही अड़े रहे। जब इन आधे अधूरे कार्य के भुगतान की मनाई की तो आरोपियों ने एईएन के साथ मारपीट कर दी।

भाजपा कार्यकर्ताओं पर लगाया मारपीट का आरोप

पीड़ित एईएन रमेश चंद्र मेघवाल ने बताया आरोपी पप्पू भाट और अर्पित भाट सहित अन्य लोगों ने उसके साथ मारपीट की घटना को अंजाम दी। उधर ग्रामीणों ने बताया कि दोनों आरोपियों की ओर से कथित रूप से सरपंच प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर रहे हैं। राजनीतिक अप्रोच बताकर क्षेत्र में अधिकारियों पर दबाव डालकर ठेकेदारी का काम करते हैं। कई बार इन पर आधे अधूरे काम का भुगतान उठाने के आरोप भी सामने आये हैं।

सोनिया गांधी का जन्मदिन पूरे प्रदेश में भव्य तरीके से मनाने का निर्णय : महेश गौड़

बीआरएस में केवल केसीआर और केटीआर बचे

किशन रेड्डी बन गए किस्मत रेड्डी, तेलंगाना के लिए कुछ नहीं किया

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने स्पष्ट किया कि तेलंगाना ने 9 दिसंबर को सोनिया गांधी की जयंती मनाने का फैसला किया है। समारोह में पूर्व सीएम केसीआर को आमंत्रित किया गया है। यह राज्य के लोगों का त्योहार है। इसमें सभी को शामिल होने का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा, सोनिया गांधी के बिना तेलंगाना का अस्तित्व नहीं है। शुक्रवार को गांधी भवन में महेश गौड़ ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राजीव गांधी के परिवार ने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी।

केटीआर ने तेलंगाना के लिए क्या बलिदान दिया? सीएम रेवंत के नेतृत्व में तेलंगाना सभी क्षेत्रों में विकास करेगा। विपक्ष पर हमलावर तेवर दिखाते हुए महेश गौड़ ने कहा कि सत्ता खो चुके केटीआर ने अपना घमंड बिल्कुल भी नहीं खोया है। बीआरएस के शासनकाल में लाखों करोड़ की लूट हुई।

बीआरएस पार्टी के सत्ता में आने की कोई संभावना नहीं है। कांग्रेस पार्टी जो मूर्ति लगा रही है, वह तेलंगाना का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत के शासन में कोई प्रतिबंध नहीं है। हर किसी को स्वतंत्र रूप से विरोध करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि अगर वे शांति और सुरक्षा को बाधित करने की कोशिश करेंगे तो शांति नहीं होगी। जिस तरह से बीआरएस काम कर रही है, उससे पिता-पुत्र के अलावा पार्टी में बने रहने की कोई स्थिति नहीं है।

टीपीसीसी प्रमुख ने खुलासा किया कि कौशिक रेड्डी द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा ऐसी थी कि समाज के सदस्य भ्रमित हो गए। महेश गौड़ ने कहा, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष किशन रेड्डी किस्मत रेड्डी की तरह बन गए हैं। उन्होंने मांग की कि किशन रेड्डी बताएं कि उन्होंने तेलंगाना के लिए क्या अच्छा किया है। मूसी की बात करने वाले बीजेपी नेता साबरमती की बात क्यों नहीं कर रहे? उन्होंने याद दिलाया कि वहां गरीबों को एक भी घर नहीं दिया गया। महेश गौड़ ने साफ किया कि बीजेपी नेताओं को गरीबों के बारे में बात करने का अधिकार नहीं है।

बीआरएस विधायक दल की बैठक रविवार को

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति विधायक दल (बीआरएसएलपी) की बैठक रविवार को दोपहर 1 बजे पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के एर्रावेली स्थित आवास पर होगी। यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विधानसभा का सत्र 9 दिसंबर से शुरू होने वाला है। बीआरएस विधायकों और विधान पार्षदों को बैठक में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है, जहां पार्टी नेतृत्व तेलंगाना के लोगों की ओर से विधानसभा में उठाए जाने वाले मुद्दों पर चर्चा करेगा और रणनीति तैयार करेगा तथा अधूरे वादों पर राज्य सरकार से सवाल पूछेगा।

वाहन चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी की चिलकलगुडा पुलिस ने वाहनों की चोरी के आरोपी में एक युवक समेत दो किशोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो किशोर समेत पी. वम्शी तेजा उर्फ नागुला बांदा, आटो मैकेनिक, निवासी जंगममेट, स्टेशन रोड फलकनुमा, हैदराबाद शामिल हैं। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी का वम्शी का जन्म और पालन-पोषण भोलकपुर में हुआ, बाद में उसके पिता ने परिवार को फलकनामा में स्थानांतरित कर दिया। एक मैकेनिक की दुकान में मजदूरी करने वाले वम्शी की खमाई उसके आलीशान जीवन जीने के लिए पर्याप्त नहीं थी, इसलिए वह शराब और ताड़ी पीने का आदि हो गया। इस तरह उसने नकली चाबी का उपयोग करके दोपहिया वाहनों को चोरी करने की योजना बनाई क्योंकि उसे ताले खोलने का ज्ञान था। वर्ष 2023 में वह यादगिरी गुट्टा गया और गांजा का सेवन किया। इसके बाद यादगीरीगुट्टा पीएस ने एनडीपीएस का मामला दर्ज किया और उसे जेल भेज दिया। जेल से रिहा होने के बाद, वह सुल्तान बाजार गया और एक सेल फोन छीन लिया। पुलिस सुल्तान बाजार ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वह सितंबर 2024 के महीने में जेल से रिहा हुआ। बाद में, दो किशोर दोस्तों के साथ मिलकर विभिन्न स्थानों से सात मोटर साइकिल चोरी की।

नई फिल्मों के लिए लाभकारी शो की अनुमति देने के फैसले पर पुनर्विचार : कोमाटीरेड्डी

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के संध्या थिएटर में हुई भगदड़ की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, जहां पुष्पा-2 फिल्म के लाभकारी शो के दौरान एक महिला की मौत हो गई, सिनेमेटोग्राफी मंत्री कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बताया कि राज्य सरकार आने वाले दिनों में नई फिल्मों के लिए लाभकारी शो की अनुमति देने के फैसले पर पुनर्विचार कर रही है। इस घटना पर खेद व्यक्त करते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस मामले पर गंभीरता से विचार कर रही है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए निर्णय लेगी। 4 दिसंबर को, अभिनेता अल्लू अर्जुन पुलिस को कोई सूचना दिए बिना अपनी पुष्पा-2 फिल्म का लाभकारी शो देखने के लिए हैदराबाद के संध्या थिएटर में आए। अल्लू अर्जुन के आने की सूचना मिलने पर, थिएटर में प्रशंसकों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे भगदड़ मच गई और एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने फिल्म यूनिट और संध्या थिएटर के प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया। इस समय कोमाटीरेड्डी का बयान तेलंगाना में महत्वपूर्ण हो गया है।

मंत्री के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर क्राइम पुलिस, हैदराबाद सिटी ने दो आरोपी व्यक्तियों थोडुपुनोरी विजय भानु प्रसाद , निवासी वारसुगुडा, हैदराबाद और गडे प्रकाशश, निवासी हनमाकोंडा, वारंगल को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार बीते अगस्त-2024 के महीने में यह पाया गया कि आरोपी व्यक्तियों ने कैबिनेट मंत्री पंचायत राज और ग्रामीण विकास, आरडब्ल्यूएस, और महिला एवं बाल कल्याण, सीतक्का के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां पोस्ट कीं, जिसका उद्देश्य उनकी गरिमा और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना था, जिससे समाज में कानून और समस्या पैदा हो सकती है। साइबर अपराध पुलिस ने आरोपी व्यक्तियों का पता लगाया और गिरफ्तार कर लिया।

हेरोइन के साथ दो तस्कर और एक उपभोक्ता गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ ज़ोन टीम ने मुगलपुरा पुलिस के साथ मिलकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास हैदराबाद और उसके आस-पास के इलाकों में जरूरतमंद ग्राहकों को बेचने के लिए अवैध रूप से नारकोटिक ड्रग यानी ब्राउन हेरोइन बरामद हुई है। पुलिस ने इस मामले में जमाल मोमिन, निवासी मोगलपुरा, हैदराबाद, शेख शाहबाज उर्फ शाबाज खान, निवासी मीरचौक, हैदराबाद और उपभोक्ता सैयद अब्दुल मजीद उर्फ गिद्दा मजीद, निवासी मीरचौक, हैदराबाद को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस को 50 ग्राम ब्राउन हेरोइन, तीन सेल फोन आदि मिला है। मिली जानकारी के अनुसार मुख्य आरोपी जमाल मोमिन पश्चिम बंगाल राज्य का मूल निवासी है। वह हैदराबाद में आकर राजमिस्त्री का काम करता है। वह कभी-कभी अपने परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए अपने पैतृक स्थान पर जाता है। लेकिन उसकी कमाई उसके परिवार का भरण-पोषण करने के लिए पर्याप्त नहीं है। उसने हैदराबाद और उसके आस-पास के इलाकों में नारकोटिक ड्रग्स की बहुत मांग सुनी। फिर उसने हैदराबाद में ड्रग्स बेचने की योजना बनाई और अपने पैतृक स्थान से सस्ते दामों पर ब्राउन हेरोइन खरीदना शुरू कर दिया और हैदराबाद में शेख शाहबाज को बेचकर अवैध रूप से आसानी से पैसा कमाना शुरू कर दिया। बाद में, शेख शाहबाज इसे नशे के आदी लोगों को बेच रहा है और भारी मुनाफा कमा रहा है। सूचना के आधार पर, कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ ज़ोन टीम, हैदराबाद ने मोगलपुरा पुलिस के साथ मिलकर आरोपियों को गिरफ्तार किया है, आरोपियों की निशानदेही पर ड्रग सामग्री और अन्य वस्तुएं जब्त की हैं। पकड़े गए आरोपियों और जब्त सामग्री को आगे की कार्रवाई के लिए एसएचओ मोगलपुरा पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

चोरी करने वाली दो महिला पकड़ी गई, आभूषण बरामद

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफ नगर पुलिस ने चोरी करने वाली दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी के आभूषण को बरामद किया है। बीते 5 दिसंबर को डी. शिवा नंदू ने अपने घर में चोरी होने की प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले में बंदारुपल्ली वैष्णवी पत्नी बी.अप्पा राव निवासी कट्टुकाचारम, नेलाकोंडापल्ली, खम्मम, मुतियाला विजया कुमारी पत्नी पी.राम चंद्र निवासी डीवीआर मॉडल कॉलोनी, कांचीकाचेरला, कृष्णा जिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी मां और बेटी हैं तथा शिकायतकर्ता की दूर की रिश्तेदार हैं। वे पांच दिसंबर को सुबह 8.20 बजे शिकायतकर्ता के घर आए और शाम तक रुके। इस दौरान दोनों ने शिकायतकर्ता के घर का निरीक्षण किया। शिकायतकर्ता ने अपनी बहन की शादी के लिए सोने के आभूषण खरीदे थे तथा उसे अलमारी के लॉकर में रखा था। इस दौरान दोनों ने सारे सोने के आभूषण चुराने की योजना बनाई तथा मौके का इंतजार किया। शिकायतकर्ता का परिवार अन्य घरेलू कामों में व्यस्त था। इसलिए दोनों ने चालाकी से अलमारी की चाबी लिया और शाम 4.30 बजे पूरे सोने के गहने चुरा लिए। उन्हें अपने सामान के बैग में रख लिया और शाम 5 बजे शिकायतकर्ता के घर से भाग गए। कुछ समय बाद शिकायतकर्ता ने देखा कि अलमारी के लॉकर से सोने के गहने गायब थे। तुरंत उसने शाम 6.30 बजे पुलिस आसिफनगर से संपर्क किया। आसिफनगर पुलिस ने डीआई आसिफनगर पी.एस. के नेतृत्व में 4 टीमों का गठन करके त्वरित कार्रवाई की और पूरे रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों की छानबीन की और आखिरकार अपराधियों का पता लगाने में सफल रही। एमजी बस स्टैंड, हैदराबाद से दोनों आरोपियों को पकड़ लिया और उनके कब्जे से चोरी की गई संपत्ति लगभग 20 तोला वजन के सोने के गहने बरामद किए।

सामुदायिक रसोईघर का उद्घाटन

नाश्ता योजना शुरू

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के कोडंगल में सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए पौष्टिक नाश्ता योजना शुरू की गई है। इस पहल से विकाराबाद जिले के कोडंगल, बोमरसपेट, दुदयाल और दौलताबाद मंडलों के साथ-साथ नारायणपेट जिले के गुंडुमल, कोसगी, कोथापल्ली और मद्दुर मंडलों के 312 सरकारी स्कूलों के लगभग 28,000 छात्रों को लाभ मिलेगा।

नाश्ता नवनिर्मित केंद्रीयकृत रसोई से तैयार और वितरित किया जाएगा। केंद्रीयकृत रसोई के उद्घाटन और कार्यक्रम की शुरूआत में मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा, डी. श्रीधर बाबू और जुपल्ली कृष्ण राव ने गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में भाग लिया और इसकी अध्यक्षता हरे कृष्ण आंदोलन के अध्यक्ष श्री सत्य गौर चंद्र दास प्रभुजी और वियाट्रिस के भारत सीएसआर और प्रशासनिक सेवाओं के प्रमुख मिशेल डोमिनिका ने की।

मिड-डे मील में अनियमितताओं पर कार्रवाई

एजेंसी का अनुबंध रद्द, एक शिक्षक निलंबित

आदिलाबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एकीकृत आदिवासी विकास क्षेत्र (आईटीडीए)-उटनूर परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता ने आश्रम स्कूल में छात्रों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने वाली एजेंसी का अनुबंध रद्द कर दिया, एक शिक्षक को निलंबित कर दिया और बिना पूर्व अनुमति के ड्यूटी से अनुपस्थित रहने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया। उन्होंने शुक्रवार को नारनूर मंडल में कई स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया।

खुशबू ने गंगापुर गांव के एक प्राथमिक विद्यालय में मेनू के अनुसार भोजन उपलब्ध न कराने के लिए एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की और प्राथमिक विद्यालय में काम करने के लिए यशवंत को निलंबित कर दिया। उन्होंने उच्च अधिकारियों से पूर्व अनुमति के बिना अपने स्थान पर दूसरे शिक्षक को नियुक्त करने के लिए यशवंत की आलोचना की।

थडीहाथनूर गांव के एक स्कूल में एक रिसोर्स पर्सन को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। उन्होंने जिला कल्याण अधिकारी को देवरागुडा गांव में एक आंगनवाड़ी शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के लिए कहा। बाद में उन्होंने एक मॉडल स्कूल का निरीक्षण किया और अधिकारियों से सरकार द्वारा निर्धारित मेनू के अनुसार छात्रों को भोजन परोसने के लिए कहा।

एनएमडीसी मुख्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड के मुख्यालय में आज उच्चाधिकारियों के लिए एक दिवसीय विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में रुद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने हिंदी कार्यशाला के आयोजन, उद्देश्य एवं रूपरेखा के संबंध में जानकारी दी तथा संकाय सदस्य श्रीमती नीलिभा तिवारी, सहायक निदेशक का परिचय प्रतिभागियों से कराया।

श्रीमती नीलिभा तिवारी ने हिंदी पत्राचार एवं शब्दावली पर सत्र लिया तथा प्रतिभागियों को अभ्यास करवाया। उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने संसदीय राजभाषा समिति के गठन एवं उक्त समिति द्वारा निरीक्षण के संबंध में जानकारी देते हुए प्रश्नावली पर चर्चा की।

कार्यशाला का तृतीय सत्र राजेश कुमार गोंड ने कार्यालयीन कार्यों में यूनीकोड के प्रयोग पर लिया। उन्होंने दैनिक कार्यालयीन कार्यों को राजभाषा हिंदी में यूनीकोड के माध्यम से निष्पादित करने के संबंध में जानकारी दी तथा अभ्यास कराया। कार्यशाला के अंतिम सत्र में राजभाषा विभाग के अधिकारियों देबाशीष घोष, वरिष्ठ प्रबंधक, डॉ. रजिन्दर कौर, वरिष्ठ प्रबंधक एवं एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक ने प्रतिभागियों के साथ सामूहिक चर्चा की।

एक शाम बाबा रामदेवजी के नाम जागरण 10 को

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिवरामपल्ली स्थित भाग्यनगर की पावन धरा पर चमत्कारिक रामदेवरा दरबार में श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में मिंगसर सुदी दशमी के अवसर पर मंगलवार 10 दिसंबर रात्रि 8 बजे से 3 बजे तक बाबा रामदेवजी के नाम भव्य जागरण एवं भंडारा महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

विज्ञप्ति में बाबा के भक्तों ने बताया कि मिंगसर सुदी दशमी के पावन अवसर पर प्रात: वेला में रामदेवरा दरबार को विशेष फूलों व लाईटिंग से सजाकर बाबा का विशेष श्रृंगार व जागरण के लिए विशेष पंडाल सजाकर सायं 7 बजे बाबा की आरती के पश्चात् रात्रि 8 बजे से विशाल जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें राजस्थानी अंदाज में भजन गायक प्रकाश माली एवं सहयोगी भजन गायक नरपत देवासी बाबा के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे।

रामदेवरा बाबा का मंदिर प्रात: 7 बजे से 12 बजे तक एवं सांय 4 बजे से मध्यरात्रि 12 बजे तक दर्शन के लिए खुला रहेगा। पधारे भक्तों के लिए भंडारा महाप्रसादी का आयोजन रात्रि 8 बजे से 2 बजे तक मंदिर प्रांगण में किया जाएगा। विशाल जागरण का विशेष युट्युब लाईव प्रसारण हरि ओम साउंड चैनल पर किया जाएगा।

रामदेवरा दरबार के अनन्य भक्त पधारे भक्तों की सेवार्थ कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहेंगे। सभी भक्तों से निवेदन है सपरिवार, इष्टमित्रों सहित समय पर पधारकर बाबा रामदेवजी के दर्शन, भजनों व भंडारा महाप्रसादी का लाभ लेवे।

राजभाषा कार्यान्वयन में सहयोग देने वाले कई अधिकारी सम्मानित

मुख्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक शुक्रवार को मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक ए.के.श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मुख्य राजभाषा अधिकारी ने सभी अधिकारियों से स्वयं हिंदी में काम करने और अपने विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि राजभाषा विभाग द्वारा जारी प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। बैठक के आरंभ में राजभाषा अधिकारी/प्र.का. एम.के.नाग राजु ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। डॉ. श्याम सुंदर साहु, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी मदों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन में सहयोग देने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों भास्कर रेड्डी पिन रेड्डी, उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/दावा, के. हरि किशोर, वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक आरक्षण, के. राजेश दमरे जन संपर्क अधिकारी, एस. कल्याण , प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधख सचिव, एस. नाग रमण शर्मा उप प्रधानाचार्य/क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, मौलाली, जी श्रीनिवास नायक, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी सचिव डी. नरसिम्हा ,सहायक कार्मिक अधिकारी, एम.वी.प्रसाद सहायक कार्मिक अधिकारी/बिल/कार्मिक विभाग, जी. दाशरथी कृष्णा, सहायक वित्त सलाहकार/लेखा विभाग को पुरस्कार प्रदान किए गए।

रालप्रो टेक्नो को बंद करने का आदेश

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीजीपीसीबी) ने संगारेड्डी जिले के तुर्कलखानापुर स्थित रालप्रो टेक्नो क्राफ्ट्स एलएलपी को कथित अवैध परिवहन और नक्का वागु में अनुपचारित अपशिष्टों को डंप करने के लिए बंद करने का आदेश जारी किया है। शुक्रवार को यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, पीसीबी ने कहा कि 29 नवंबर को एक रात्रि गश्ती दल ने संगारेड्डी में इस्माइलखानपेट पुल के पास नक्का वागु में अपशिष्ट छोड़ते समय बिना पंजीकरण संख्या वाले एक अवैध अपशिष्ट टैंकर को पकड़ा।

टैंकर का चालक भाग गया, जबकि उसका सहायक पकड़ा गया। वाहन से संबंधित कोई दस्तावेज या टैंकर में मौजूद सामग्री की चालान प्रतियां नहीं थीं। अधिकारियों ने अपशिष्टों के पीएच की जांच की जो 12 पाया गया, जो दर्शाता है कि टैंकर में अपशिष्ट की उपस्थिति अत्यधिक क्षारीय प्रकृति की थी। पीसीबी अधिकारियों ने अवैध अपशिष्ट निर्वहन में शामिल व्यक्तियों की पहचान करने के लिए संगारेड्डी ग्रामीण पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और यह भी पाया कि निर्वहन स्थल से लगभग 6 किमी दूर स्थित रालप्रो टेक्नो क्राफ्ट्स से लिए गए नमूने का भौतिक विवरण, टैंकर से लिए गए नमूने से मेल खाता था।

उद्योग के निरीक्षण और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद, पीसीबी ने कहा कि वह इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि उद्योग टैंकर के माध्यम से अनुपचारित अपशिष्टों के अवैध परिवहन और डंपिंग में लिप्त था तथा सहमति शर्तों और बोर्ड के निर्देशों का पालन नहीं कर रहा था। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए बोर्ड ने शुक्रवार को बंद करने का आदेश जारी किया।

पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने में नवीन विज्ञान पर जोर जरूरी : जितेंद्र सिंह

मंत्रियों ने पर्यावरण अनुकूल उत्पाद लॉन्च किए

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रीनवर्क्सबायो ने सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी) के सहयोग से शुक्रवार को यहां सीएसआईआर-आईआईसीटी में अपने अभिनव पर्यावरण अनुकूल उत्पाद- सिंगल-यूज प्लास्टिक (एसयूपी) के लिए कम्पोस्टेबल और बायोडिग्रेडेबल विकल्प लॉन्च किए। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने तेलंगाना के आईटी मंत्री श्रीधर बाबू के साथ उत्पादों को लॉन्च किया। इस अभूतपूर्व पहल का उद्देश्य टिकाऊ समाधानों के साथ प्लास्टिक प्रदूषण का मुकाबला करना है और यह एक चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देते हुए एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। ग्रीनवर्क्सबायो की नई उत्पाद श्रृंखला में खाद बनाने योग्य कणिकाएं, पर्यावरण के अनुकूल टेबलवेयर, टिकाऊ स्वच्छता समाधान और बहुत कुछ शामिल हैं, जो विविध उद्योग आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। सीएसआईआर-आईआईसीटी के साथ साझेदारी में विकसित ये उत्पाद स्टार्च और कृषि अपशिष्ट जैसे नवीकरणीय संसाधनों से बने हैं और कड़े राष्ट्रीय संयोजन मानकों को पूरा करते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने में नवीन विज्ञान-संचालित समाधानों के महत्व पर जोर दिया। सीएसआईआर-आईआईसीटी के साथ ग्रीनवर्क्सबायो का सहयोग दर्शाता है कि कैसे प्रौद्योगिकी सतत विकास को आगे बढ़ा सकती है। यह लॉन्च एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को खत्म करने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, इस साझेदारी के माध्यम से, हम न केवल पारंपरिक प्लास्टिक के लिए अभिनव, पर्यावरण के अनुकूल विकल्प पेश कर रहे हैं, बल्कि दुनिया की कुछ सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी की क्षमता का भी प्रदर्शन कर रहे हैं। मंत्री श्रीधर बाबू ने हरित नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा, तेलंगाना को स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य में योगदान देने वाली पहलों की मेजबानी और समर्थन करने पर गर्व है। ग्रीनवर्क्सबायो के उत्पाद प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ हमारी सामूहिक लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाते हैं।

जूनियर कॉलेजों में सीधे प्रवेश

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सामाजिक कल्याण आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसाइटी के छात्र दसवीं कक्षा की परीक्षा पास करने पर सीधे सोसाइटी के जूनियर कॉलेजों में प्रवेश ले सकते हैं। अगले साल से सोसायटी ने अपने दसवीं कक्षा उत्तीर्ण छात्रों को प्रवेश परीक्षा आयोजित किए बिना इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष में प्रवेश देने का फैसला किया है। यह सुनिश्चित करने के लिए है कि इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष में कोई रिक्तियां न हों। वर्तमान में, छात्रों को समाज कल्याण आवासीय जूनियर कॉलेजों में इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने और मेरिट हासिल करने की आवश्यकता होती है।

इसी तरह की प्रवेश प्रक्रिया सोसायटी के उत्कृष्टता केंद्रों में प्रवेश के लिए अपनाई जाएगी, जो जेईई, एनईईटी-यूजी जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग प्रदान करते हैं। इससे पहले, बीसी वेलफेयर रेजिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस सोसायटी ने अपने छात्रों को दसवीं कक्षा की परीक्षा पास करने के बाद इंटरमीडिएट में प्रमोट करने का फैसला किया था।

वास्तविकता की ओर बढ़ रहा है सौर संयंत्र

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नवीकरणीय संसाधनों के माध्यम से राज्य की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रमुख जलाशयों और पंप स्टोरेज हाइड्रो-इलेक्ट्रिक उत्पादन में फ्लोटिंग सौर ऊर्जा संयंत्रों की संभावनाओं का पता लगाने के लिए राज्य सरकार की योजना के हिस्से के रूप में, करीमनगर जिले के थिम्मापुर मंडल के अलुगुनूर गांव में निचले मनैर बांध पर 300 मेगावाट का फ्लोटिंग सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने लोअर मनैर बांध पर 300 मेगावाट का सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पहले ही तैयार कर ली है।

दिल्ली स्थित पावर एंड एनर्जी कंसल्टेंट्स लिमिटेड को 1,640.66 करोड़ रुपये की लागत से लोअर मनैर बांध के पानी पर 300 मेगावाट का फ्लोटिंग सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन तैयार करने और मल्लन्ना सागर जलाशय पर 500 मेगावाट के फ्लोटिंग सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए डीपीआर तैयार करने का काम सौंपा गया था। कंपनी ने कथित तौर पर जलाशय पर निर्माण कार्य शुरू करने के लिए राज्य सरकार से अनुमति मांगी है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

डे-नाइट टेस्ट मैच का पहला दिन ऑस्ट्रेलिया के नाम

> स्टार्क का छक्का और फंस गई टीम इंडिया <

एडिलेड, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच डे नाइट टेस्ट मैच के पहले दिन का रोमांच खत्म हो गया है। पहले दिन का खेल पूरी तरह से ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। ऑस्ट्रेलिया ने मैच में पहले गेंदबाजी में अपना कहर बरपाया और टीम इंडिया को सिर्फ 180 रन के स्कोर पर समेट दिया। इसके बाद बल्लेबाजी में भी कंगारू टीम ने जबरदस्त शुरुआत करते हुए एक विकेट के नुकसान पर 86 रन बना लिए हैं। इस तरह भारतीय टीम की पहली पारी में बढ़त अब सिर्फ 94 रन की रह गई है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए उस्मान ख्वाजा के रूप में एकमात्र विकेट गिरा है। ख्वाजा ने पारी की शुरुआत करते हुए 13 बनाए। ख्वाजा के आउट होने के बाद मार्नस लाबुशेन ने नाथ मैकस्वीनी के साथ मिलकर भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया। नाथन मैकस्वीनी खेल के पहले दिन की समाप्ति तक 38 रन बनाकर नाबाद लौटे जबकि लाबुशेन ने 20 रन बना लिए हैं। दोनों ही बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ अच्छी लय में दिख रहे थे।

बुमराह ने दिलाई टीम इंडिया को सफलता

भारत की तरफ से गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह एकमात्र ऐसे गेंदबाज रहे जिन्हें विकेट मिला। भारतीय पारी में बुमराह ने खेल के पहले दिन 11 ओवर की गेंदबाजी की जिसमें उन्होंने सिर्फ 13 रन दिए। इसके अलावा मोहम्मद सिराज और हर्षित राणा ने भी विकेट लेने के लिए अपना खूब जोर लगाया, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। वहीं अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन से कप्तान रोहित शर्मा ने सिर्फ 1 ओवर की गेंदबाजी कराई। हालांकि, उम्मीद है कि दूसरे दिन अश्विन टीम इंडिया के लिए लगातार बॉलिंग करते हुए दिखेंगे।

बल्लेबाजी में टीम इंडिया रही फ्लॉप

पिंक बॉल से खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया की बल्लेबाजी बुरी तरह से फ्लॉप रही। पर्थ में कमाल दिखाने वाले यशस्वी जायसवाल अपना खाता भी नहीं खोल सके। हालांकि, पारी का आगाज करने उतरे केएल राहुल ने जरूर कुछ समय के लिए क्रीज पर समय बिताया, लेकिन वह भी बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं रहे।

केएल राहुल ने 64 गेंद में 37 रन बनाए। राहुल के अलावा शुभमन गिल ने 31 रनों का योगदान दिया। टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली भी बल्लेबाजी में पूरी तरह से बेअसर दिखे।

विराट कोहली 7 गेंद में 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा कप्तान रोहित शर्मा छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 3 रन ही बना पाए। हालांकि, ऑलराउंडर नीतिश कुमार ने रेड्डी ने जरूर 42 रनों की पारी खेली, जिससे टीम इंडिया एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पाई।

भारत अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में

श्रीलंका को 7 विकेट से हराया-वैभव सूर्यवंशी ने 67 रन बनाए, 5 छक्के भी लगाए

शरजाह, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अंडर-19 एशिया कप के दूसरे सेमीफाइनल में भारत ने श्रीलंका को 7 विकेट से हरा दिया है। 8 दिसंबर को फाइनल में टीम इंडिया का सामना बांग्लादेश से होगा। वहीं शारजाह में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने इंडिया को 174 रन का टारगेट दिया। जवाब में भारत ने 21.4 ओवर में 3 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। 13 साल के वैभव सूर्यवंशी ने सबसे ज्यादा 67 रन बनाए।

उन्होंने अपनी पारी में 5 छक्के और 6 चौके लगाए। आयुष म्हात्रे ने 34 रन बनाए। कप्तान अमान ने सिक्स लगाकर मैच जिताया। इससे पहले चेतन शर्मा के तीन विकेट की मदद से भारत ने श्रीलंका को 46.2 ओवर में 173 रन पर ऑलआउट कर दिया था।

श्रीलंका की तरफ से लैकविन अबेसिंघे ने सबसे ज्यादा 69 रन बनाए। टीम के 6 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए।

श्रीलंका अंडर-19 टीम

पुलिंदु परेरा, डुलनिथ सिगेरा, शारुजन शनमुगनाथन (विकेटकीपर), विमथ दिनसारा, लैकविन अबेसिंघे, कविजा गामागे, वीरन चामुदिथा, विहास थेवमिका (कप्तान), प्रवीण मनीषा, न्यूटन रंजीत कुमार, मथुलन कुगाथास

भारत अंडर-19 टीम

आयुष म्हात्रे, वैभव सूर्यवंशी, आंद्रे सिद्धार्थ सी, मोहम्मद अमान (कप्तान), केपी कार्तिकेय, निखिल कुमार, हरवंश सिंह (विकेटकीपर), किरण चोरमले, हार्दिक राज, चेतन शर्मा, युद्धजीत गुहा

भारत-पाकिस्तान मैच दुबई में फरवरी में शुरू होगा

दुबई, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी हाइब्रिड मॉडल में होगी और तय समय पर ही होगी। पाकिस्तान भी 2 देशों में होस्टिंग के लिए मान गया। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप मैच 1 मार्च को दुबई में हो सकता है। यूएई में ही भारत अपने सभी मैच खेलेगा, यहां 2 नॉकआउट मैच भी होंगे।

, वेन्यू के लिए आईसीसी ने आज दुबई में मीटिंग रखी थी, इस मीटिंग में वेन्यू फाइनल हुआ। हालांकि, आईसीसी ने अब तक इसे कन्फर्म नहीं किया है। चैंपियंस ट्रॉफी फरवरी से शुरू होनी है। टूर्नामेंट का डीटेल्ड शेड्यूल 7 दिसंबर तक रिलीज किया जा सकता है। पाकिस्तान टूर्नामेंट का डिफेंडिंग चैंपियन है, टीम ने 2017 में भारत को फाइनल हराकर खिताब जीता था।

सभी 15 मेंबर्स हाइब्रिड मॉडल के लिए माने

आईसीसी के नए चेयरमैन जय शाह की मौजूदगी में गुरुवार शाम 5 बजे सभी बोर्ड मेंबर्स की मीटिंग हुई। शाह आज ही दुबई स्थित हेड क्वार्टर भी पहुंचे थे। मीटिंग में सभी 15 बोर्ड मेंबर्स हाइब्रिड मॉडल के लिए मान गए। पाकिस्तान ने भी मीटिंग में फैसले का विरोध नहीं किया।

15 में से 5 मैच यूएई में होंगे

8 टीमों के बीच 15 मैच का टूर्नामेंट फरवरी से शुरू होकर मार्च तक होना है। भारत अपने तीनों ग्रुप स्टेज मैच यूएई में खेलेगा। यहां एक सेमीफाइनल और फाइनल भी खेला जाएगा। जबकि, टूर्नामेंट के बाकी 10 मैच पाकिस्तान में होंगे।

पीसीबी ने मीटिंग में 4-5 मांगें रखीं, लेकिन आईसीसी ने ज्यादातर मांगों को ठुकरा दिया।

पीसीबी ने भारत के साथ ट्राई सीरीज कराने की मांग की

पीसीबी ने भविष्य में भारत के साथ किसी न्यूट्रल वेन्यू पर ट्राई सीरीज कराने की मांग की, लेकिन बीसीसीआई और आईसीसी दोनों ने इस पर हामी नहीं भरी। भारत और पाकिस्तान के बीच 2012 से कोई सीरीज नहीं हुई है, दोनों टीमें आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट में ही भिड़ी हैं। पाकिस्तान ने यह भी मांग रखी कि अगर भारत में कोई टूर्नामेंट हो तो उसके मैच भी न्यूट्रल वेन्यू पर हों। हालांकि, बीसीसीआई ने कहा कि भारत में सिक्योरिटी को लेकर कोई परेशानी नहीं है, इसलिए पाकिस्तान के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर नहीं होंगे। चैंपियंस ट्रॉफी के 5 मैच पाकिस्तान से छीने गए, पीसीबी ने इसके लिए कॉम्पनसेशन भी मांगा, इस डिमांड को आईसीसी ने मान लिया।

आ गया चैम्पियंस ट्रॉफी का शेड्यूल !

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अगले साल पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर घमासान धीरे-धीरे थमता नजर आ रहा है. टूर्नामेंट का शेड्यूल अब तक जारी नहीं हुआ है. इसको लेकर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की मीटिंग गुरुवार (5 दिसंबर) को होनी थी. मगर एक बार फिर इसे टाल दिया गया है. अब यह मीटिंग 7 दिसंबर को होगी।

15 में से 5 मैच पाकिस्तान के बाहर होंगे

रिपोर्ट की मानें तो आईसीसी ने फाइनल समेत भारतीय टीम के सभी मैच यूएई में शेड्यूल करने का प्लान तैयार कर लिया है. चैम्पियंस ट्रॉफी के तहत फाइनल समेत कुल 15 मुकाबले होने हैं. इनमें से खिताबी मुकाबला, दोनों नॉकआउट मैच और भारतीय टीम के ग्रुप स्टेज के सभी मैचों को यूएई में कराने का प्लान बन गया है. अब सिर्फ शेड्यूल को लेकर आधिकारी घोषणा करना बाकी है। आईसीसी सूत्र ने बताया, 'सभी पक्षों ने सैद्धांतिक रूप से सहमति व्यक्त की है कि 2025 चैम्पियंस ट्रॉफी यूएई और पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी. जबकि भारत अपने मैच दुबई में खेलेगा. यह सभी हितधारकों के लिए जीत की स्थिति है।'

लाहौर में हो सकता है फाइनल मुकाबला

यदि भारतीय टीम फाइनल में नहीं पहुंचती है, तो उस स्थिति में फाइनल मुकाबला लाहौर में कराया जा सकता है. लाहौर को बैकअप (फाइनल के लिए) के तौर पर रखा गया है. यदि भारतीय टीम फाइनल में पहुंचती है, तो फिर यह खिताबी मुकाबली दुबई में हो सकता है। पाकिस्तान ने पिछले सप्ताह आईसीसी की पिछली बैठक में बहिष्कार की धमकी वापस लेते हुए हाइब्रिड मॉडल पर सहमति जताई थी और 2031 तक अपने लिए भी इसी तरह की व्यवस्था की मांग की थी. हालांकि आईसीसी ने 2027 तक अपनी सभी प्रतियोगिताओं के लिए हाइब्रिड मॉडल पर सहमति जताई है। इस अवधि के दौरान भारत अगले साल अक्टूबर में महिला वनडे वर्ल्ड कप और श्रीलंका के साथ संयुक्त रूप से 2026 पुरुष टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा. अगर हाइब्रिड मॉडल लागू नहीं होता तब भी पाकिस्तान को 2026 में भारत की यात्रा करने के लिए बाध्य नहीं होना पड़ता।

भारत-पाकिस्तान के बीच ट्राई-सीरीज की मांग

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार करने के एवज में कुछ मांगें रखी थीं, लेकिन किसी को मंजूर नहीं किया गया. इसमें एक डिमांड यह भी थी कि भारत और पाकिस्तान के बीच न्यूट्रल वेन्यू पर ट्राई-सीरीज होनी चाहिए. तीसरा देश कोई भी हो सकता है. मगर आईसीसी और बीसीसीआई ने इसे नहीं माना।

बता दें कि आईसीसी की अहम मीटिंग 5 दिसंबर को कुछ ही समय के लिए ही चली थी. बैठक के दौरान चंद मिनटों में टूर्नामेंट को लेकर चर्चा की गई. इस दौरान आईसीसी सदस्यों को लगा कि टूर्नामेंट का शेड्यूल लगातार टलता जा रहा है. मामला आगे बढ़ ही नहीं पा रहा है. ऐसे में उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड आखिरी वॉर्निंग दी।

आईसीसी ने साफ शब्दों में कहा कि पाकिस्तान के पास हाइब्रिड मॉडल स्वीकार करने के अलावा कोई ऑप्शन नहीं है. यानी पीसीबी के पास सिर्फ एक ही रास्ता बचा था, वो हाइब्रिड मॉडल ही है. हालांकि पीसीबी इस पर मान गया है. ऐसे में 7 दिसंबर को औपचारिक बैठक होगी, जिसके बाद शेड्यूल और बाकी चीजों का ऐलान किया जा सकता है।

हॉन्गकॉन्ग में विश्व पिकलबॉल चैंपियनशिप में भारत का शानदार प्रदर्शन, छह पदक हासिल किए

हॉन्गकॉन्ग, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने विश्व पिकलबॉल चैंपियनशिप के हॉन्गकॉन्ग चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक सहित कुल छह पदक हासिल किए। हॉन्गकॉन्ग में 29 नवंबर से एक दिसंबर तक हुई इस प्रतियोगिता में वंशिक कपाड़िया और वृशाली ठाकरे ने 19 प्लस ओपन मिश्रित युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

कुलदीप महाजन ने भी दक्षिण कोरिया की किम युंग ग्वोन के साथ मिलकर इसी वर्ग में रजत पदक हासिल किया। वंशिक (19 प्लस ओपन पुरुष एकल) तथा करीना आदित्य द्विपयानी और वृशाली ठाकरे (19 प्लस महिला युगल) ने भी दो रजत पदक जीते। ईशा लखानी और रूस वान रीक तथा मयूर पाटिल और नीलसन चेन ने क्रमशः 19 प्लस ओपन महिला युगल और 19 प्लस ओपन मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीते।

बुमराह का सामना करने को लेकर ज्यादा तनाव नहीं ले रहा हूं : ट्रेविस हेड

एडिलेड, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड ओवल में होने वाले डे-नाइट टेस्ट मैच से पहले, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने कहा कि वह भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और गुलाबी गेंद से ज्यादा चिंतित नहीं हैं। बुमराह, जो 31 साल के हो रहे हैं, ने पर्थ स्टेडियम में पहले टेस्ट में 8 विकेट लिए थे, जिसमें एक पारी में लिए गए घातक पांच विकेट भी शामिल थे। उनकी इस शानदार गेंदबाजी से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराया और पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई।

ट्रेविस हेड ने कहा, बुमराह स्टंप्स पर अटैक करना पसंद करते हैं। वह शॉर्ट गेंदों का भी अच्छा इस्तेमाल करते हैं और ज्यादा रन बनाने का मौका नहीं देते। लेकिन मेरा मानना है कि अगर आप अपने पैरों की मूवमेंट को लेकर सतर्क रहें और ध्यान दें कि वह कहां से आपको आउट कर सकते हैं तो बेहतर होगा। मैं इस पर फोकस करता हूं और बाकी चीजों पर प्रतिक्रिया देता हूं। वह दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों में से एक हैं, लेकिन मेरे लिए वह सिर्फ एक और गेंदबाज हैं और वही पुरानी गुलाबी गेंद ही मुझे फेंक रहे होंगे। इसलिए मैं ज्यादा परेशान नहीं हूं। भारतीय क्रिकेट दिग्गज सुनील गावस्कर ने कहा कि वह एडिलेड में गुलाबी गेंद से स्कॉट बोलैंड की गेंदबाजी देखने के लिए उत्सुक हैं। बोलैंड को चोटिल जोश हेजलवुड की जगह टीम में शामिल किया गया है। हेजलवुड साइड स्ट्रेन की वजह से मैच से बाहर हैं। बोलैंड करीब 18 महीने बाद टेस्ट मैच खेल रहे हैं। बोलैंड ने एडिलेड ओवल में अब तक एक ही टेस्ट खेला है, जिसमें उन्होंने 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 विकेट (3/45) लिए थे।

गावस्कर ने कहा, बोलैंड को पिच पर उछाल और हरकत करने वाली गेंद से गेंदबाजी करना पसंद है। हमने देखा है कि पिच पर अच्छी-खासी घास है, जिससे उन्हें मदद मिल सकती है। वह ऊंचाई वाले गेंदबाज हैं, ठीक वैसे ही जैसे हेजलवुड हैं। हेजलवुड का न खेलना ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ा झटका है क्योंकि वह सीरीज शुरू होने से पहले मेरे लिए ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रभावशाली गेंदबाज थे। उनकी खासियत यह है कि वह लेंथ से गेंद को उछाल दिला सकते हैं। अगर बोलैंड ऐसा कर पाए, तो वह भी विकेट ले सकते हैं।

ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी चेन्नइयन एफसी

चेन्नई, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। चेन्नइयन एफसी और ईस्ट बंगाल एफसी शनिवार की शाम 5:00 बजे चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में भिड़ेंगी, तो दोनों टीमों का लक्ष्य जीत से अपने अभियान को मजबूती देना होगा। ईस्ट बंगाल एफसी आठ मैचों में एक जीत, एक ड्रा और छह हार से चार अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे निचले स्थान पर बैठी है।

हालांकि ईस्ट बंगाल ने अपने पिछले मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को 1-0 हराकर इस सीजन में जीत का स्वाद चखा था। वहीं, चेन्नइयन एफसी 10 मैचों में तीन जीत, तीन ड्रा और चार हार से 12 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है।

गुकेश-लिरेन की एक और बाजी बराबर रही

नौवें दौर के बाद दोनों के 4.5-4.5 अंक

सिंगापुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के डी गुकेश और चीन के डिंग लिरेन के बीच विश्व चैंपियनशिप शतरंज की एक और बाजी बराबरी पर छूटी। भारतीय ग्रैंडमास्टर नौवें दौर में सफेद मोहरों से खेलने के बावजूद लिरेन के लिए खतरा नहीं बन पाए। दोनों ने 54 चाल में ड्रॉ खेला। दोनों के बीच यह लगातार छठी और कुल सातवीं बाजी ड्रॉ पर छूटी है। लिरेन को पहली और गुकेश को तीसरी बाजी में जीत मिली थी। दोनों खिलाड़ी 4.5-4.5 अंकों की बराबरी हैं। अब टूर्नामेंट में पांच दौर शेष हैं, जिसमें लिरेन को तीन दौर में सफेद मोहरों से खेलना है। पहले 7.5 अंक हासिल करने वाला विजेता बनेगा। 14 दौर के बाद भी दोनों बराबरी पर रहते हैं तो फिर टाईब्रेकर का सहारा लिया जाएगा, जिसमें कम समय के कुछ मुकाबले होंगे।

आजमाई कैटालान ओपनिंग

गुकेश ने सफेद मोहरों से दशकों से शीर्ष स्तर पर आजमाई जा रही कैटालान ओपनिंग का सहारा लिया। हमेशा की तरह यहां भी लिरेन ने ओपनिंग से निपटने के लिए काफी समय लिया। पहली 14 चालों में गुकेश ने जहां 15 मिनट लिए। वहीं, लिरेन ने 50 मिनट लगाए। गुकेश को 20वीं चाल में लिरेन पर दबाव बनाने का मौका मिला, लेकिन लिरेन ने बेहतरीन चालों से गुकेश को लाभ नहीं लेने दिया। लिरेन इस दौरान 30 मिनट से पिछड़े हुए थे, लेकिन उन्होंने समय के दबाव के बावजूद सही चालें चलीं और मुकाबले को बराबरी पर ले आए। इस दौरान गुकेश ने अपने अतिरिक्त समय का उपयोग किया। 23वीं चाल में वह लिरेन से समय के मामले में पिछड़ गए। 24वीं चाल के बाद यह तय हो गया कि बाजी ड्रॉ रहेगी और अंत में ऐसा ही हुआ।

बुमराह एक कैलेंडर वर्ष में 50 टेस्ट विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज बने

एडिलेड भारत के जसप्रीत बुमराह ने अपना 31वां जन्मदिन शानदार अंदाज में मनाया, वह 2024 में 50 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन गए। यह उपलब्धि शुक्रवार को एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुलाबी गेंद से खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन हासिल की गई, जब बुमराह ने सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को आउट किया।

इस उपलब्धि के साथ, बुमराह कपिल देव और जहीर खान की श्रेणी में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 50 टेस्ट विकेट लिए हैं। बुमराह ने 2024 के अपने 11वें टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। कपिल देव एक साल में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले भारतीय तेज गेंदबाज़ बने हुए हैं, जिन्होंने 1983 में 75 टेस्ट विकेट लिए थे, उसके बाद 1979 में 74 विकेट लिए थे। ज़हीर खान ने 2002 में 51 विकेट लिए थे। बुमराह की यह उपलब्धि सभी प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन के बाद आई है। अब वह 19 मैचों में 65 विकेट लेकर 2024 के लिए सभी प्रारूपों में विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में सबसे आगे हैं। उनका योगदान न केवल टेस्ट में बल्कि सीमित ओवरों के क्रिकेट में भी महत्वपूर्ण रहा है, जहां उन्होंने जून में भारत की टी20 विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसमें उन्होंने आठ मैचों में 15 विकेट हासिल किए और टूर्नामेंट के विकेट लेने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। रोशनी में गुलाबी गेंद से गेंदबाजी करते हुए, उन्होंने ऑफ स्टंप के बाहर अच्छी लेंथ पर एक तेज बाउंसर फेंका। ख्वाजा ने गेंद को रोकने में असमर्थ होकर उसे आगे बढ़ाया, लेकिन गेंद पहली स्लिप में रोहित शर्मा के हाथों में चली गई।

इससे पहले, बुमराह ने पर्थ में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में भारत को जीत दिलाई थी, जहां उनका 8/72 का प्रदर्शन टेस्ट इतिहास में किसी मेहमान तेज गेंदबाज द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। बुमराह के 50 टेस्ट विकेट उन्हें इस साल के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक बनाते हैं, हालांकि उन्हें शेन वॉर्न के 2005 में एक कैलेंडर वर्ष में 96 विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए अभी बहुत कुछ और करना है।

अनाज खरीद में एक किलो भी तौलने का निर्देश दिया : उत्तम

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने मिरयालागुडा, नलगोंडा में एक चावल मिल का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में मिर्यालगुडा विधायक बथुला लक्ष्मरेड्डी, अन्य महत्वपूर्ण नेता और चावल मिलर्स के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश में नलगोंडा और करीमनगर जिले धान उत्पादन में प्रतिस्पर्धा करते थे। आज कांग्रेस सरकार में किसानों को सुविधा मिल रही है। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि पिछली सरकार से अधिक तेलंगाना पीपुल्स सरकार में धान खरीदने के लिए विशेष समीक्षा बैठकें आयोजित की गई हैं। हमने धान खरीदने की बेहतरीन व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि मैंने एक किसान के बच्चे को मार्क फेड का चेयरमैन बनाया, एक ऐसा व्यक्ति जो किसानों के बारे में जानता हो। अतीत में, जब मार्क फेड अध्यक्ष थे, हमने बुनियादी कृषि समितियों और महिला समूहों के माध्यम से खरीद केंद्र शुरू किए थे। जबकि क्रय केंद्र मंडी प्रांगण तक ही सीमित हैं। जब मैं मार्क फेड का चेयरमैन था, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री वाईएसआर के नेतृत्व में हर गांव में क्रय केंद्र शुरू किये गये थे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में किसानों का शोषण करना और उन्हें अधिक वजन के नाम पर ट्रक शीट देना मुश्किल था। सभी किसानों के साथ न्याय होगा। सरकार ने अब अनाज खरीद में एक किलो भी तौलने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि राइस मिलर्स को हर तरह से सरकार का सहयोग करना चाहिए। मिलर्स को किसानों के पक्ष में होना चाहिए।

डी.एस. चौहान प्रतिष्ठित प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित

केंद्रीय मंत्री से अग्रणी पहल के लिए सराहना मिली

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार के प्रधान सचिव और उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, तेलंगाना के आयुक्त डी.एस. चौहान को उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी द्वारा प्रतिष्ठित प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान पीडीएस के तहत खाद्यान्न परिवहन में रूट ऑप्टिमाइजेशन को लागू करने में श्री चौहान के अग्रणी नेतृत्व को उजागर करता है, जिससे तेलंगाना भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में इस अभिनव प्रणाली को 100 प्रतिशत कार्यान्वयन के साथ अपनाया है। इस अभूतपूर्व पहल से खाद्यान्न के वितरण में महत्वपूर्ण सार्वजनिक धन की बचत होने का अनुमान है, जबकि लाभार्थियों के लिए अधिक दक्षता, पारदर्शिता और पहुंच सुनिश्चित की गई है। श्री चौहान के नेतृत्व में, विभाग ने जीपीएस ट्रैकिंग जैसी आधुनिक प्रथाओं को अपनाकर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को फिर से परिभाषित किया है जो जवाबदेही और स्थिरता को बढ़ावा देते हैं। उनके प्रयासों ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में प्रभावी शासन के लिए एक राष्ट्रीय मानक स्थापित किया है, जिससे उन्हें सार्वजनिक सेवा में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रशंसा मिली है। तेलंगाना सरकार को इस उपलब्धि पर बहुत गर्व है, जो अपने नागरिकों के कल्याण के लिए नवाचार का लाभ उठाने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

विकास के लिए विजन दस्तावेज तैयार कर रही है सरकार : भट्टी

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने बताया है कि राज्य सरकार तेलंगाना के विकास की दिशा निर्धारित करने के लिए 2047 के लिए आवश्यक विजन दस्तावेज तैयार कर रही है। शुक्रवार को यहां सचिवालय में मीडिया से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विजन दस्तावेज तैयार किया जा रहा है जिसका उद्देश्य तेलंगाना राज्य को सभी क्षेत्रों में शीर्ष पर लाना है और कांग्रेस सरकार इस दिशा में गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रजापालन कार्यक्रम के तहत एक सप्ताह तक गांवों में ग्राम सभाओं के दौरान लोगों से लिए गए 1.28 करोड़ आवेदनों को पहले ही डिजिटल कर दिया है और इस जानकारी का उपयोग गृह ज्योति और अन्य योजनाओं के लिए लाभार्थियों के चयन में किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रजा भवन में सप्ताह में दो बार आयोजित होने वाले प्रजावाणी आवेदनों को विभिन्न विभागों को भेजकर उनकी निगरानी की जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने आगे बताया कि राज्य सरकार राज्य के सभी लोगों को समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जाति जनगणना सर्वेक्षण करा रही है। ऊर्जा विभाग में विकास के बारे में बोलते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार 2025 की गर्मियों तक 16877 मेगावाट और 2030 तक 22488 मेगावाट की अधिकतम मांग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत कर रही है। पिछली बीआरएस सरकार ने राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर ला दिया और तेलंगाना को कर्ज में डूबा हुआ राज्य बना दिया। लेकिन, मौजूदा कांग्रेस सरकार राज्य की ईंट-दर-ईंट पुनर्गठन कर रही है और अर्थव्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। अब, हम हर महीने की पहली तारीख को 3,69,200 नियमित कर्मचारियों और 2. 88 लाख पेंशनभोगियों को वेतन दे रहे हैं।

यदाद्री थर्मल पावर स्टेशन की यूनिट 2 का उद्घाटन आज

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पावर जनरेशन कॉरपोरेशन (टीजीजीईएनसीओ) द्वारा नलगोंडा में दामराचेरला के पास निर्मित किए जा रहे 4,000 मेगावाट यदाद्री थर्मल पावर स्टेशन (वाईटीपीएस) की 800 मेगावाट की यूनिट 2 का शनिवार को उद्घाटन किया जाएगा। तय कार्यक्रम के अनुसार, सभी पांचों इकाइयों को पिछले साल अक्टूबर तक चालू कर दिया जाना चाहिए था, लेकिन सभी पांचों इकाइयों के लिए समय सीमा समाप्त हो गई। मूल कमीशनिंग शेड्यूल के अनुसार, पहली दो इकाइयों को अक्टूबर 2021 तक पूरा किया जाना था, तीसरी और चौथी इकाइयों को जून 2022 तक और पांचवीं इकाई को अक्टूबर 2022 तक पूरा किया जाना था। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी शनिवार को यूनिट 2 का उद्घाटन करेंगे।

पेड़ पर चढ़कर बाघ के हमले से बचे किसान

मंचेरियल, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भीमिनी मंडल के चेन्नापुर गांव के किसानों दहशत के साये में जी रहे हैं। उनका कहना है कि कपास के खेत में बाघ के साथ उनका करीबी सामना हुआ था। उन्होंने कहा कि वे एक पेड़ पर चढ़कर बाघ से बच निकले। किसानों ने बताया कि उन्होंने कपास के खेत में बाघ को घूमते हुए देखा और टकराव से बचने के लिए वे एक पेड़ पर चढ़ गए और खेत में घुसे बाघ के जाने का इंतजार करने लगे। उन्होंने बताया कि थोड़ी देर बाद बाघ जंगल में गायब हो गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद उन्होंने वन अधिकारियों और स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी दी।

वन अधिकारी मौके पर पहुंचे, लेकिन अंधेरा होने के कारण वे जंगली जानवर के पैरों के निशान दर्ज नहीं कर सके। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे खेती-बाड़ी के काम समूहों में करें और सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच ही खेतों में प्रवेश करें। उन्होंने ग्रामीणों से अनुरोध किया कि वे बिजली की बाड़ लगाकर बाघों को नुकसान न पहुंचाएं।

संविधान में कई चुनौतियों का समाधान : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बीआर अंबेडकर की पुण्य तिथि के सम्मान में वन, पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने वारंगल जिले के पद्मारकोटा में अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंत्री सुरेखा ने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि बाबा साहब अंबेडकर जैसे महान व्यक्ति, शिक्षाविद् और बुद्धिजीवी हमारे देश में पैदा हुए और हमारा प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंबेडकर के बिना भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भारत की जटिल परिस्थितियों को देखते हुए उनके द्वारा लिखे गए संविधान ने देश के सामने आने वाली कई चुनौतियों का समाधान बताया है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा संविधान में शामिल अनुच्छेद 3 के साथ ही तेलंगाना राज्य का गठन साकार हो सका। उन्होंने कहा कि भले ही उन दिनों जातिगत भेदभाव के कारण गंभीर प्रतिबंध लगे, लेकिन अंबेडकर की प्रगति को नहीं रोक सके। मंत्री ने याद किया कि उन्होंने जीवन भर इसी अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए संघर्ष किया। मंत्री सुरेखा ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पीपुल्स सरकार अंबेडकर की आकांक्षाओं और विचारधाराओं के आधार पर एक अच्छे राज्य की स्थापना के लिए अथक प्रयास कर रही है।

दमरे ने डॉ. अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने शुक्रवार को एससीआर मुख्यालय रेल निलयम सभागार में भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर का 68वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन उपस्थित थे और उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल, एससीआर के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी आर. मोहन राजा, प्रमुख विभागाध्यक्ष और कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सभी ने डॉ. बीआर अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि दी। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर सभी अधिकारियों, एससी/एसटी एसोसिएशन, ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों और कर्मचारियों द्वारा भी पुष्पांजलि अर्पित की गई।

अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर गिरफ्तार, एक किलोग्राम अफीम बरामद

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना पर, विशेष ऑपरेशन टीम (एसओटी) महेश्वरम जोन ने उप्पल पुलिस के साथ समन्वय में एक ड्रग तस्कर को पकड़ा।

गिरफ्तार आरोपी बदर राम उर्फ बहादुर गुर्जर निवासी गणेश नगर कॉलोनी, उप्पल का रहने वाला है। जबकि अन्य एक आरोपी लक्ष्मण मलिक निवासी पाली, राजस्थान फरार है। आरोपी के पास से लगभग एक किलोग्राम अफीम बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी वर्ष 2014 में राजस्थान से हैदराबाद आया और अपर्याप्त आय व बढ़ते पारिवारिक खर्चों के कारण शहर में विभिन्न स्थानों पर दर्जी का काम करता था।

उसने दो महीने से काम करना बंद कर दिया और अपने गृह नगर लौट आया। हैदराबाद शहर में ड्रग्स की मांग है, इसलिए उसने अपने मूल स्थान से अफीम खरीदने की योजना बनाई। इसके बाद उसने राजस्थान के मूल निवासी लक्ष्मण मलिक से 50 हजार में 1 किलोग्राम अफीम खरीदा। अपने पास रख लिया और हैदराबाद आकर इसे 400 रुपये प्रति 10 ग्राम के हिसाब से बेचने का इरादा किया। विश्वसनीय सूचना पर, एसओटी कर्मियों और उप्पल पुलिस ने गणेश नगर कॉलोनी, उप्पल से उसे पकड़ लिया। उसके कब्जे से अफीम जब्त कर ली।

कई बीआरएस नेताओं को किया गया नजरबंद

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लगातार दूसरे दिन भी बीआरएस और पुलिस के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है, जबकि बीआरएस कार्यकर्ता शुक्रवार को नेकलेस रोड के पास डॉ. बीआर अंबेडकर की 125 फीट ऊंची प्रतिमा के पास बड़े पैमाने पर प्रदर्शन की तैयारी कर रहे थे।

शुक्रवार की सुबह से ही बीआरएस के वरिष्ठ नेताओं के आवासों पर भारी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है, पुलिस ने घोषणा की है कि उन्हें नजरबंद कर दिया गया है।

वरिष्ठ विधायकों टी हरीश राव, के कविता, वेमुला प्रशांत रेड्डी, केपी विवेकानंद, शंभीपुर राजू, पाडी कौशिक रेड्डी, डॉ. के संजय और आरएस प्रवीण कुमार सहित कई अन्य को नजरबंद कर दिया गया है, जबकि कई बीआरएस नेताओं को एहतियातन हिरासत में लिया गया है।

भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जुबली हिल्स स्थित आवास पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

चेन्नापुर में बाघ की गतिविधि का कोई निशान नहीं : अधिकारी

मंचेरियल, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि भीमिनी मंडल के चेन्नापुर गांव के खेतों में बाघ की गतिविधि का कोई निशान नहीं मिला है, जहां किसानों ने दावा किया था कि उन्होंने गुरुवार को एक बाघ देखा था। कुशनेपल्ली वन रेंज अधिकारी दयाकर ने बताया कि 8 कर्मचारियों की टीम ने खेतों और आस-पास के जंगलों को स्कैन किया, लेकिन बाघ के पैरों के निशान या उसकी हरकत के सबूत नहीं मिल पाए। हालांकि, उन्होंने किसानों को खेतों में जाते समय सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने किसानों से कहा कि वे मांसाहारी जानवरों से अचानक टकराव से बचें।

गुरुवार को किसानों ने कुछ घंटे बेचैनी में बिताए, क्योंकि उनका कहना है कि कपास के खेत में बाघ के साथ उनका करीबी सामना हुआ था। उन्होंने कहा कि वे एक पेड़ पर चढ़कर बाघ से बच निकले।

केटीआर ने अंबेडकर का अनादर करने के लिए की कांग्रेस की आलोचना

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने शुक्रवार को डॉ. बीआर अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर उनका अनादर करने और उनकी विरासत को कमजोर करने के लिए तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार किया।

टैंक बंड के पास स्थित विश्व की सबसे ऊंची 125 फुट ऊंची अंबेडकर प्रतिमा की उपेक्षा के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए रामाराव ने कहा कि इसे छोड़ दिया गया है और वहां जनता की पहुंच प्रतिबंधित कर दी गई है। अंबेडकर के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद तेलंगाना भवन में बोलते हुए रामाराव ने पिछली बीआरएस सरकार द्वारा अंबेडकर को सम्मानित करने के लिए उनकी विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित करने और राज्य सचिवालय का नाम उनके नाम पर रखने के प्रयासों की याद दिलाई।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने प्रतिमा को साफ करने या माला पहनाने की भी जहमत नहीं उठाई। जब हमने खुद ही स्मारक को साफ करने के लिए जाने की योजना बनाई, तो हमारे नेताओं को नजरबंद कर दिया गया। उन्होंने प्रतिमा के परिसर को बंद करके और सार्वजनिक पहुंच को बाधित करके अंबेडकर की विचारधारा का अपमान करने के लिए रेवंत रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने अंबेडकर के जीवनकाल और उनकी मृत्यु के बाद भी ऐतिहासिक रूप से उनका अनादर करने के लिए कांग्रेस की भी आलोचना की।

बीआरएस विधायक रेड्डी जमानत पर रिहा

पुलिस थाने में झड़प के मामले में हुई थी गिरफ्तारी

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार सुबह गिरफ्तार किए गए बीआरएस हुजूराबाद विधायक पाडी कौशिक रेड्डी को दिनभर चले नाटकीय घटनाक्रम के बाद आधी रात के बाद जमानत दे दी गई। बुधवार को बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन में पुलिस के साथ टकराव के बाद उन्हें सुबह करीब 10 बजे कोंडापुर स्थित उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया।

दिन के अधिकांश समय हिरासत में रखे गए कौशिक रेड्डी को रात करीब 10.30 बजे मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया और मध्य रात्रि में न्यायाधीश के आवास पर पेश किया गया, जहां न्यायाधीश ने रिमांड खारिज कर दिया और 5,000 रुपये के जुर्माने और दो जमानतों के साथ जमानत दे दी। रिहाई के बाद मीडिया से बात करते हुए हुजूराबाद विधायक ने गिरफ्तारी को अवैध बताया और हुजूराबाद के लोगों से किए गए सरकार के वादों पर सवाल उठाते रहने की कसम खाई। उन्होंने जनता के मुद्दों के लिए खड़े होने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि मैं अपनी आखिरी सांस तक सवाल उठाता रहूंगा।

मेडिकल डिवाइस पार्क, जीनोम वैली विस्तार की योजना अधर में

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुल्तानपुर में मेडिकल डिवाइस पार्क और शमीरपेट में जीनोम वैली ने तेलंगाना के जीवन विज्ञान क्षेत्र को वैश्विक बाजार में एक नए स्तर पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह अतीत की बात है। अब, इन केंद्रों के विस्तार में बेवजह देरी हो रही है, जबकि जगह की मांग लगातार बढ़ रही है। मेडिकल डिवाइस पार्क में निर्मित 'मेड इन तेलंगाना' स्टेंट और अन्य चिकित्सा उपकरण, जिनमें सर्जिकल, नेत्र और कॉस्मेटिक चिकित्सा उपकरण और मेडिकल ड्रेसिंग शामिल हैं, 89 से अधिक देशों को निर्यात किए जा रहे हैं। इसी तरह, जीनोम वैली अब लगभग 200 अग्रणी जीवन विज्ञान अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, इनक्यूबेटरों, नोवार्टिस, ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन और अन्य जैसी स्वच्छ विनिर्माण कंपनियों का केंद्र बन गई है।

स्थान की बढ़ती मांग और अधिक कंपनियों को अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए आमंत्रित करने की संभावना को देखते हुए, तेलंगाना सरकार ने अतीत में मेडिकल डिवाइस पार्क और जीनोम वैली दोनों के विस्तार की भव्य योजना बनाई थी।

राज्य में कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए एक साल हो गया है, लेकिन सुल्तानपुर पार्क और जीनोम वैली का विस्तार अभी तक नहीं हो पाया है। 2017 में लॉन्च किया गया, पटनचेरु के सुल्तानपुर में मेडिकल डिवाइस पार्क देश का सबसे बड़ा मेडटेक आरएंडडी, इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर है। 300 एकड़ में फैला यह एशिया का सबसे बड़ा स्टेंट निर्माण केंद्र भी है, जिसकी क्षमता दस लाख स्टेंट और 1.25 मिलियन बैलून कैथेटर बनाने की है।

बीआरएस सरकार ने अतिरिक्त 300 से 400 एकड़ जमीन लेकर पार्क का विस्तार करने की योजना बनाई थी। इस उद्देश्य से, तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) को विस्तार योजनाओं, विशेष रूप से भूमि अधिग्रहण को क्रियान्वित करने का कार्य सौंपा गया था। टीजीआईआईसी अधिकारियों के अनुसार, भूमि विवाद के कारण इस प्रक्रिया में देरी हुई। उन्होंने कहा कि इस काम में तेजी लाई जा रही है।

कार ने लॉरी को मारी टक्कर

दो लोग बाल-बाल बचे

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को कीसरा में आउटर रिंग रोड पर एक कार अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। माना जा रहा है कि यह दुर्घटना लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई। यह घटना उस समय हुई जब कार ईसीआईएल से कीसरा की ओर जा रही थी। पुलिस के अनुसार, जब वे ओआरआर पहुंचे, तो संदेह है कि चालक ने आगे चल रहे ट्रक को ओवरटेक करने के प्रयास में स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो दिया और पीछे से ट्रक में टक्कर मार दी, जिससे वे घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद, उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

सूचना मिलने पर कीसरा पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को थाने ले गई। घटना में वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के कारण उस मार्ग पर यातायात जाम हो गया, जो आमतौर पर वाहनों से भरा रहता है। हालांकि, एक घंटे के भीतर यातायात सुचारू कर दिया गया। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है तथा पुलिस अभी तक दुर्घटना के समय कार में सवार लोगों की पहचान नहीं कर पाई है।

पीड़ितों के परिजनों से किए गए वादे कागजों तक ही सीमित

मानव-वन्यजीव संघर्ष

फाइल फोटो

कुमराम भीम आसिफाबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मानव-पशु संघर्ष के पीड़ितों के परिजनों को वन अधिकारियों द्वारा दिए गए आश्वासन अभी भी अधूरे हैं। वन विभाग बाघ, हाथी, भालू आदि मांसाहारी जानवरों द्वारा मारे जाने पर पीड़ितों के परिजनों को 10 लाख रुपये का बढ़ा हुआ मुआवजा दे रहा है। यह मुआवजा 2022 तक 5 लाख रुपये था। राज्य सरकार ने पीड़ितों के परिजनों और अधिकारियों द्वारा किए गए अनुरोध पर विचार करते हुए इसे बढ़ा दिया है।

वन अधिकारियों ने कारू पोशम (55) के परिजनों को घर और नौकरी देने का वादा किया है, जिन्हें 4 अप्रैल को पेंचिकलपेट मंडल के कोंडापल्ली गांव में हाथी ने कुचलकर मार डाला था और अल्लूरी शंकर (50) को भी 23 अप्रैल को चिंतलमनेपल्ली मंडल के बुरेपल्ली गांव में उसी हाथी ने मार डाला था। उन्होंने पासुला निर्मला (17) के माता-पिता को भी यही आश्वासन दिया, जिन्हें 29 नवंबर 2020 को उसी गांव में कपास की फसल की कटाई करते समय बाघ ने मार डाला था और सिद्म विग्नेश, जिन्हें 11 नवंबर 2020 को दहेगांव मंडल के डिगिडा गांव में बाघ ने मार डाला था।

अधिकारियों ने इस अतिरिक्त सहायता का आश्वासन तब दिया जब पीड़ित परिवारों के सदस्यों और उनके समुदायों के सदस्यों ने पीड़ितों के शवों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कुछ मामलों में, उन्होंने लिखित वादा किया कि वे आंदोलनकारियों को शांत करने के लिए, पीड़ितों के पात्र परिजन के सदस्यों में से एक को घर, नौकरी प्रदान करेंगे।

निर्मला के पिता पासुला पोशम ने अफसोस जताते हुए कहा कि हमें उम्मीद थी कि वन विभाग से आवास और रोजगार सहायता मिलने से हमें कुछ राहत मिलेगी। हम चार साल से घर मिलने का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारियों ने अब तक अपने वादे पूरे नहीं किए हैं। वन अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने वादा किया है कि वे सरकार से 5 एकड़ जमीन, मकान और नौकरी पर विचार करने की सिफारिश करेंगे। यह सरकार द्वारा जारी किए गए बजट पर निर्भर करता है। अगर धनराशि स्वीकृत हो जाती है तो वादे पूरे किए जाएंगे। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि पीड़ितों के पात्र परिजनों को अस्थायी या आउटसोर्स आधार पर नौकरी देने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.